RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, सोमवार

27.7.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 275

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

'मन की बात' में प्रधानमंत्री बोले 'मुझे देश की युवा शक्ति पर बहुत गर्व है'

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि भारत में ओलंपियाड और हेकेथॉन की संस्कृति निरंतर बढ़ रही है। उन्हें विश्वास है कि देश के अधिक से अधिक युवा ऐसे फोरम में अपनी रूचि दिखाएंगे और भारत का परचम लहराएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का सकारात्मक परिणाम आज पूरी दुनिया देख रही है। निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इसे भारतीय युवाओं की प्रतिभा, नवाचार, कौशल और धैर्य का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में सभी भारतीय छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि जीव विज्ञान ओलंपियाड में भी सभी प्रतिभागियों ने पदक हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे जीवनभर युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते रहे। उन्होंने आगामी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर माता-पिता, शिक्षकों और सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया। 'कारगिल विजय दिवस' पर प्रधानमंत्री ने वीर शहीदों और वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और कहा कि ये दिन हमें अपने वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपने वीर जवानों को याद करने के साथ उनकी विजयगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाता भी है। इस संबंध में उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' को याद किया और कहा कि 14 जुलाई को दिल्ली के 'राष्ट्रीय समर समारक' से शुरू हुई यह मोटरसाइकिल यात्रा, द्रास के कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने सैनिकों के साहस के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और मित्र देशों के साथ राजनीतिक सहयोग में भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौ-सेना में आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल होना, डीआरडीओ ने पिनाका लॉग रेंज गाइड रोकेट का सफल परीक्षण देश की आत्मनिर्भरता की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने पानी की हर बूँद बचाने की अपील करते हुए कहा कि हम भी अपने आसपास किसी एक तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें। उन्होंने इस संबंध में कुछ उदाहरण दिए। खेल जगत की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने पी.वी. सिंधु को जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर बधाई दी। साथ ही, लॉर्ड्स में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहली टेस्ट जीत को ऐतिहासिक बताते हुए इसे देश की नारी शक्ति की बड़ी उपलब्धि बताया। इसी क्रम में उन्होंने केरलम में एर्णाकुलम के साउथ चित्तूर में एक स्कूल में संस्कृत क्लब की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां के शिक्षक अभिलाष अनूठे तरीके से संस्कृत को लोकप्रिय बना रहे हैं। 'अक्षरकंदुक' के तहत वे संस्कृत के अक्षरों को फुटबॉल में इस्तेमाल होने वाले शब्दों से जोड़कर आसान और आनंदमय तरीके से समझा रहे हैं। मोदी ने कश्मीर की पारंपरिक 'वगू' चटाई का उल्लेख करते हुए स्थानीय कारीगरों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकंडे और धान के पुआल से हाथों से बनाई जाने वाली यह पर्यावरण अनुकूल चटाई गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट देती है। श्रीनगर के गुलाम हुसैन और उनकी बेटी तंजीला ने इस विलुप्त होती कला को नया जीवन देने का संकल्प लिया, जिससे अनेक लोग जुड़ गए।

गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ का तांडवः 31 लोगों की मौत

- **कई जिलों में हाई अलर्ट और बचाव कार्य जारी**

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के विभिन्न हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, बारिश और जलभराव से जुड़ी विभिन्न दुर्घटनाओं में अब तक 31 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। राज्य के कई जिलों में स्थिति अब भी बेहद गंभीर बनी हुई है। बिगड़ते हालात को देखते हुए गुजरात सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव और पुनर्निर्माण कार्यों को युद्ध स्तर पर तेज कर दिया है। प्रशासन द्वारा राज्यभर में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा और त्वरित मदद के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल की कुल 49 टीमों को तैनात किया गया है। राहत आयुक्त गौरांग मकवाना के अनुसार, बारिश से जुड़ी ये मौतें मुख्य रूप से तापी, वलसाड, आणंद, मेहसाणा और पंचमहल जिलों में दर्ज की गई हैं। राहत एजेंसियां जलभराव में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं और साथ ही बुनियादी नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। नर्मदा नहर से पानी के अत्यधिक आवक के कारण सुरेंद्रनगर जिले में स्थित धोलीधाजा डैम अपनी 100 प्रतिशत क्षमता तक पहुंच चुका है। खतरे की संभावना को देखते हुए अधिकारियों ने सुरेंद्रनगर, रतनपार, जोरावरनगर, वधवान, मेमका, भदियाद, नाना केरला, सांकली, शियाणी, नटवरगढ़, दौलतपार समेत कई निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया है। ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों को नदियों के पास न जाने तथा अपने सामान और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की सख्त हिदायत दी गई है। भारी जलभराव के चलते यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। चांगोदर और बावला के बीच स्थित सनाथल-बगोदरा हाईवे पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। चालकों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में धोलेरा एक्सप्रेसवे और वेजलका-बगोदरा रूट का उपयोग करने की सलाह दी गई है। अहमदाबाद-विरमगाम हाईवे पर भी पानी के तेज बहाव के कारण मार्ग बाधित है। राजकोट की ओर से आने वाले वाहनों के लिए रूट डायवर्जन किया गया है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अति-आवश्यक न होने पर यात्रा से बचें और राहत-बचाव में जुटी टीमों का सहयोग करें।

पाकिस्तान के साथ अब कोई भी बातचीत सिर्फ पीओके पर फोकस होगी : राजनाथ

एजेंसी, द्रास

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 27वें कारगिल विजय दिवस पर द्रास से देश को संबोधित किया। उन्होंने फिर से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब देने के भारत के इरादे और काबिलियत को दिखाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ़ पीओके पर फोकस होगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत तरक्की के लिए खड़ा है, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि "यह दिल मांगे मोर" की भावना अब डिफेंस में आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर भारत के कदम को आगे बढ़ा रही है। कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संप्रभुता के विरुद्ध हर घृणित कृत्य का उसी दृढ़ता से जवाब से दिया जाएगा, जिस दृढ़ जवाब से भारतीय रक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को अद्वितीय वीरता के साथ दिया था। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान में सेना और आतंकवादियों के बीच का अंतर मिट चुका है, क्योंकि पाकिस्तान ने आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना न केवल आतंकवादी संगठनों को शरण देती है, बल्कि उनके साथ मिलकर काम भी करती है। इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत अब आतंकवादियों और उन्हें बढ़ावा देने वाली सरकारों को अलग-अलग इकाई के रूप में नहीं देखता। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने रविवार को 1999 के कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनकी सर्वोच्च कुर्बानी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और साथ ही यह भी कहा कि भारतीय सेना के योद्धा दुनिया के किसी भी अन्य सैनिक से कहीं बेहतर और बेजोड़ हैं। द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए जनरल सेठ ने कहा कि स्मारक का दौरा करने से उन्हें नई ऊर्जा और अपार गर्व का अनुभव हुआ।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में मप्र के जलसंरक्षण कार्यों को सराहा

एजेंसी, भोपाल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में 'कैच द रेन' अभियान पर चर्चा के दौरान मध्य प्रदेश के सीधी और नरसिंहपुर में जलसंरक्षण के लिए हुए कार्यों का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश के सीधी जिले में लगभग 1500 तालाब बनाए गए हैं, नरसिंहपुर में अमृत सरोवरों को संवारा गया है। उन्होंने कहा कि बारिश की हर बूंद को सहेजने के अभियान को जन आंदोलन बनाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपने आसपास तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लेने और पानी की हर बूंद बचाने के अभियान में साथ आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज बचाई गई हर बूंद, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवाड़ी जिले की पर्यटन और धार्मिक नगरी ओरछा में कंचना घाट पर प्रधानमंत्री मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री और निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायन सिंह कुशवाह तथा जनप्रतिनिधि और स्थानीयजन उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'कैच द रेन' का संदेश बहुत सीधा है, जहां जब बारिश गिरे, पानी को वहीं सहेजिए, इसीलिए 4 जुलाई से देशभर में विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है, इसके तहत बारिश के पानी के संचयन, ग्राउंड वॉटर रिचार्ज, पुराने जल स्त्रोतों के पुर्नजीवन और वृक्षारोपण को नई गति दी जा रही हैं। गांव हो या शहर, पंचायतें हो या सामाजिक संस्थाएं हर जगह लोगों ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी की है ।

गृह मंत्री शाह बोले- देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है सरकार

- **गृह मंत्री शाह ने प्रधान की उपलब्धियों की सराहना की**

एजेंसी, नई दिल्ली

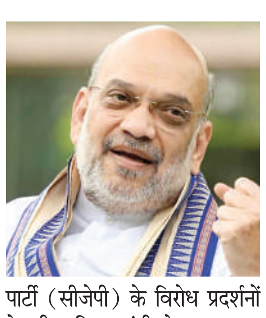

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से त्यागपत्र देने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के लिए देश, देशवासी और विशेषकर युवा पीढ़ी सर्वोपरि हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण देश और उसकी युवा पीढ़ी का भविष्य है। धर्मेंद्र प्रधान का यह कदम इसी भावना को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार युवाओं की भावनाओं का पूरा सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ आवश्यक और कड़े सुधारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दोषियों को कठोर दंड देने और नीट परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को न्याय दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाए गए कदम बेहद सराहनीय हैं। गृह मंत्री ने धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, मातृभाषाओं में परीक्षाओं के आयोजन, पीएम श्री विद्यालयों के विस्तार, डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है। उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा मंत्री ने अपना पद छोड़ा है। इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रसेवा उनके जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे पिछले चार दशकों से छात्र हित और शिक्षा सुधारों के लिए समर्पित रहे हैं। एक सशक्त और समावेशी शिक्षा प्रणाली ही मजबूत राष्ट्र की नींव होती है और वे युवाओं की न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में काम करने के अवसर के लिए आभार भी व्यक्त किया। 3 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आने के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी, परीक्षा रद्द की और पुनः परीक्षा की तारीखें घोषित कीं। साथ ही, आगामी वर्ष से इस परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि 20 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित रखते हुए सुचारू परीक्षा कराना सरकार की पहली प्राथमिकता रही है, जिसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया।

सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अपने चुनावी राजनीतिक जीवन को विराम देने के निर्णय की घोषणा कर दी। रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक विस्तृत पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति का वातावरण काफी प्रदूषित हो चुका है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अब चुनावों में उम्मीदवारों को मतदाताओं को धन देना पड़ता है। इसी कारण उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और जनसेवा जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग उन्हें एक बार फिर चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना निर्णय नहीं बदलने का निश्चय किया है। वर्तमान में उनकी आयु 79 वर्ष है और सरकार का कार्यकाल पूरा होने तक उनकी आयु 81-82 वर्ष हो जाएगी। ऐसे में पहले जैसी ऊर्जा और स्वास्थ्य के साथ काम कर पाना संभव नहीं होगा।

दिल्ली में अल्पसंख्यक आयोग और महिला आयोग अध्यक्षों की नियुक्ति

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद पर निर्मल जैन और राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर लता गुप्ता की नियुक्ति की है। यह जानकारी रविवार को दिल्ली सरकार की ओर से सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की गई है। दिल्ली सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष और कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को सदस्य नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के नव-नियुक्त अध्यक्ष निर्मल जैन एवं सदस्य को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आप सभी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को सशक्त करते हुए समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे तथा सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास को नई ऊर्जा देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। यह नियुक्तियां समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को सुदृढ़ करने तथा सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। दिल्ली सरकार ने लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष तथा श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरक्षिका शर्मा झा एवं रेनू भल्ला को सदस्य नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी दिल्ली सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा, अधिकारों और सशक्तिकरण को नई दिशा देंगी तथा एक संवेदनशील, न्यायपूर्ण और सुरक्षित दिल्ली के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों के संरक्षण और सशक्तिकरण में दिल्ली महिला आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ईरान और ओमान ने समझौते की दिशा में बढ़ाए कदम, अमेरिका ने हमला रोका, हूती के वही तेवर

एजेंसी, तेहरान/वाशिंगटन/कीव

ईरान के साथ इस वर्ष 28 फरवरी से छिड़े युद्ध के थमने के साकारात्मक संकेत सामने आए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर राजनयिक बातचीत में प्रगति हुई है। अमेरिकी समयानुसार ईरान ने शुक्रवार की रात चैन की सांस ली। अमेरिका सेना ने हमला रोक दिया। हूती विद्रोहियों के तेवर वही हैं। इस वजह से पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में तनाव बरकरार है। यूक्रेन से ईरान बहुत ज्यादा खफा है। उसने कैस्पियन सागर में यूक्रेनी हमले की निंदा करते हुए राजनयिकों को तलब किया। अल जजीरा, सीएनएन और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओमान और ईरान के बीच राजनयिक बातचीत में प्रगति हुए हैं। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य और उस इलाके में अपने-अपने समुद्री जलक्षेत्र को फिर से खोलने पर वार्ता की है। सूत्रों ने संकेत दिया कि चीजें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही हैं। अंतिम समझौते पर पहुंचने में कुछ वक्त लग सकता है। ओमान के अधिकारी बातचीत के लिए शुक्रवार को तेहरान गए थे। बताया गया है कि यह राजनयिक पहल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बमबारी को रोकने के निर्णय के बाद हुई। अमेरिकी सेना ने लगातार 13 रातों तक बमबारी की। ट्रंप के फैसले के बाद ईरान में 14वीं रात अमेरिकी सेना ने हमला नहीं किया। व्हाइट हाउस और अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जरूर कहा कि ओमान और ईरान के बीच हो रही बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर है। यह भी कहा जा रहा है कि ईरान और अमेरिका दोनों ही इस समय संघर्ष विराम का कोई रास्ता खोज रहे हैं। मध्यस्थ देशों ने दोनों को मनाने की कोशिश की है। महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका और ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अपने रुख में परिवर्तन को तैयार नहीं हैं। ईरान कमर्शियल जहाजों से जबरिया टोल वसूलना चाहता है। ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी इसे सफल नहीं होने दे रही।

असमः कछार में इंडस्ट्रियल यूनिट में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट, चार मजदूरों की मौत, कई अन्य घायल

एजेंसी, कछार (असम) । असम के कछार जिले में रविवार को एक औद्योगिक इकाई में एलपीजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हादसा उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानग्राम स्थित खादी रोड इंडस्ट्रीज में हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर में हुआ विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास का इलाका दहल उठा। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने घायलों को मलबे और प्रभावित क्षेत्र से निकालकर तत्काल इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। चिकित्सकों की टीम गंभीर रूप से घायल मजदूरों का उपचार कर रही है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

रीमिक्स फॉल में बड़ा हादसा टलाः तेज बहाव में डूब रहे दो युवकों को गौतखोरों ने बचाया

खूंटी। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रीमिक्स फॉल में रविवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। छुट्टी का दिन होने के कारण फॉल में पर्यटकों की काफी भीड़ उमड़ी थी। इसी दौरान तेज बहाव और गहरे पानी में फंसे दो युवकों को वहां तैनात गौतखोरों ने मुस्तैदी दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

दोनों नशे की हालत में गहरे पानी में उतरे थे युवक– प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रांची और आसपास के क्षेत्रों से आए कुछ युवक कथित तौर पर नशे की हालत में नहाने के लिए फॉल के गहरे पानी में उतर गए। इलाके में लगातार हो रही बारिश की वजह से नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ था। पानी की गहराई और उसके तेज बहाव का सही अंदाजा न होने के कारण दो युवक डूबने लगे और चिल्लाने लगे।

युवकों को डूबता देख वहां सुरक्षा में तैनात गौतखोरों इशहाक होरो और रंजीत हंस ने बिना एक पल गंवाए पानी में छलांग लगा दी। दोनों गोताखोरों ने सूझबूझ और तत्परता का परिचय देते हुए दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद घबराए हुए युवकों को उनके साथी तुरंत वहां से किसी अन्य जगह ले गए। पुलिस फिलहाल उन युवकों की पहचान करने में जुटी है।

मामले की जानकारी देते हुए मारंगहादा थाना प्रभारी जुगेश सिंह ने बताया कि रीमिक्स फॉल में रोजाना भारी संख्या में लोग आते हैं। पूर्व में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर यहां विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। फॉल पर तैनात चौकीदार प्रशिक्षित गोताखोर हैं, जिनकी समय पर की गई कार्रवाई से आज दो युवकों जान बच गई ।

जेएसएससी-जेपीएससी की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्रों का सत्याग्रह जारी

रांची। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार जारी है। मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका में चल रहे अनिश्चितकालीन सत्याग्रह धरना दूसरे दिन रविवार को भी जारी रहा। बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी धरनास्थल पर जुटे और सरकार से विवादित भर्ती परीक्षाओं पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।

धरनास्थल पर छात्रों ने झारखंड सरकार होश में आओ, भ्रष्टाचार बंद करो और सीबीआई जांच कराओ, परीक्षा रद्द करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। जेएसएससी की ओर से विवादित परीक्षा एजेंसी को लेकर स्पष्टीकरण जारी किए जाने के बावजूद अभ्यर्थियों में नाराजगी बनी रही।

इस अवसर पर छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि जांच टीम के समक्ष भर्ती परीक्षाओं में धांधली और अनियमितताओं से जुड़े कई तथ्य सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद अबतक विवादित परीक्षाओं को रद्द नहीं किया जाना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने, जेपीएससी और जेएसएससी की कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार करने तथा विवादित भर्ती परीक्षाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ पुनः आयोजित करने की मांग की।

धरना में दीनबंधु मंडल, रामावतार महतो, दीप्ति पांडे, रिहान अंसारी, महावीर साहू, शिल्पी कुमारी, अंकित कुमार, आलिया नाज सहित बड़ी संख्या में छात्र और अभ्यर्थी मौजूद थे।

अन्नपूर्णा सेवा में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरण

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम मंदिर और श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में रविवार को 276वीं श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया।

स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान को महाप्रसाद अर्पित किया, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, मैंगो शरबत और आलू चिप्स का वितरण किया गया। ट्रस्ट के अनुसार सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया, जबकि सुबह से देर शाम तक हजारों भक्तों ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए।

भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने राधा-कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। इसके बाद सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, विष्णु सोनी, पवन पोद्दार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया ने कारगिल विजय दिवस-2026 पर वीर नारियों व वीर जवानों का किया सम्मान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया ने 28वें कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर वेटरन ओर्गेनाइजेशन ऑफ झारखंड द्वारा दिनांक 26.07.2026 को आगमन बैक्वेट हॉल में देश की वीर नारियों एवं वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए आयोजित विशेष सम्मान समारोह सहभागिता की । कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल, झारखंड श्री संतोष गंगवार, विशिष्ट अतिथि मेयर झारखंड सुश्री रोशनी खलखो, सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी व प्रसिद्ध राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड के हिंदी भाष्यकार कर्नल जे.के. सिंह एवं भूतपूर्व सूबेदार मेजर एवं वेटरन ओर्गेनाइजेशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार की गरिमामई उपस्थिति में हुआ । कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय एश्योरेंस प्रमुख श्री नीरज कुमार कंधवे, सहायक महाप्रबंधक श्री संदीप रंजन अन्य अधिकारीगणों सहित शामिल हुए ।

कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रगान के साथ ही कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात बैंक प्रबंधन द्वारा समारोह में आमंत्रित वीर नारियों और वीर जवानों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी व भाष्यकार कर्नल जे.के. सिंह ने अपनी ओजस्वी वाणी से अचर्चित नायकों की वीरगाथाओं को सभी के समक्ष रखा ।

"कारगिल विजय दिवस केवल हमारी सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण की गाथा है। आज हम जिस सुरक्षित माहौल में सांस ले रहे हैं, वह इन्हीं शूरवीरों की देन है तथा यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया देश के इन सच्चे नायकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।"

इसके साथ ही बैंक ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए एक विशाल रक्तदान शिविर और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी सफल आयोजन किया। बैंक कर्मचारियों, ग्राहकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। शिविर में एकत्रित रक्त को स्थानीय ब्लड बैंक को सौंपा गया जिससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सके। निःशुल्क स्वास्थ्य जांचः प्रतिष्ठित डॉक्टरों की टीम द्वारा आम जनमानस और बैंक ग्राहकों के लिए निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही जरूरी परामर्श भी दिया गया।

यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया कारगिल विजय दिवस को पूरे भारत वर्ष में सैनिकों के सम्मान में 20 जुलाई 2026 से 20 अगस्त 2026 तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आयोजित कर रहा है ।

यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया समय-समय पर राष्ट्र निर्माण और समाज कल्याण के ऐसे आयोजनों के माध्यम से देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाता आ रहा है और भविष्य में भी ऐसे जनहित के कार्य जारी रखेगा।

मंईयां सम्मान योजना में बड़ा फर्जीवाड़ाः रेलवे कर्मचारी व शिक्षकों की पत्नियां भी ले रही थीं सरकारी लाभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में दुमका जिले से फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। जांच में रेलवे कर्मचारी, सरकारी शिक्षकों, पारा शिक्षकों, पोषण सखी, एएनएम और चौकीदार जैसे सरकारी व्यवस्था से जुड़े परिवारों की महिलाओं द्वारा नियमों के विपरीत योजना का लाभ लेने का खुलासा हुआ है।

बीडीओ राजेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर हुए भौतिक सत्यापन में कई अपात्र लाभुकों की पहचान की गई। जांच में ऐसे मामले भी सामने आए, जहां सरकारी कर्मचारी की पत्नी योजना के साथ राशन कार्ड का लाभ भी ले रही थी। कुछ स्थानों पर पति-पत्नी के अलग-अलग राशन कार्ड बनाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का मामला भी पकड़ा गया।

प्रशासन ने सभी अपात्र लाभुकों को योजना से तत्काल बाहर कर दिया है और अब तक प्राप्त राशि वापस करने के लिए नोटिस जारी किया है। बीडीओ ने कहा कि पात्रता की जांच आगे भी जारी रहेगी और गलत जानकारी देकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जमशेदपुर में 7.8 किलो गांजा के साथ मुख्य सप्लायर समेत दो तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा के मुख्य सप्लायर सहित दो शातिर तस्करों को शनिवार की देर रात गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से कुल 7.8 किलोग्राम गांजा,गांजा से भरे 60 प्री-रोल्ड सिगरेट,पैकिंग सामग्री,इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन,दो मोबाइल फोन, 8,900 रुपये नकद,बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पैकेट और गांजे के बीज बरामद किए हैं। जब्त गांजे की अनुमानित बाजार कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी गई है।

ग्रामीण एसपी शुभम खंडेलवाल ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 25 जुलाई की शाम वरीय पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि एमजीएम थाना क्षेत्र के सिपुलडांगा (देव) एनएच-33 स्थित काली मंदिर के समीप एक गुमटी में गांजा छिपाकर रखा गया है और उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर आसपास के लोगों को बेचा जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पाटमदा के पुलिस उपाधीक्षक दयानंद कुमार और एमजीएम थाना प्रभारी सचिन कुमार दास के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने गुमटी से रौशन कुमार (21) को गिरफ्तार किया। उसकी तलाशी में 130 ग्राम गांजा, गांजा से भरे 60 प्री-रोल्ड सिगरेट,गांजा पैक करने की सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, 3,060 रुपये नगद, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पैकेट बरामद किए गए।

पूछताछ में रौशन कुमार ने बताया कि वह सप्ताह में दो से तीन बार बोड़ाम थाना क्षेत्र के जोबा गांव निवासी शंभू महतो से गांजा लाकर शहर के विभिन्न इलाकों में बेचता था। इसके बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 26 जुलाई को जोबा गांव स्थित शंभू महतो के घर पर छापेमारी की। वहां से करीब 7.67 किलोग्राम गांजा, गांजे के बीज, 5,840 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और पैकिंग सामग्री बरामद की गई। दोनों स्थानों से जब्त गांजे का कुल वजन 7.8 किलोग्राम पाया गया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रौशन कुमार (21) और शंभू महतो (62) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रौशन कुमार पहले भी एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में जेल जा चुका है। इस मामले में एमजीएम थाना में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथों पर जनभागीदारी से सुनी पीएम मोदी का 'मन की बात'

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' की 136वीं कड़ी का प्रसारण रविवार को किया गया। इस दौरान जिले के सभी बूथों पर पूरे उत्साह और जनभागीदारी के साथ सुना गया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला, मंडल और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों, समिति सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर जवानों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन ने कई विशेष बातों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया का भरोसा आज भारत की रक्षा प्रणाली और नई तकनीक पर लगातार मजबूत हो रहा है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' की ओर बढ़ते कदमों का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

साथ ही प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण और 'एक पेड़ मां के नाम' प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए बरसात के पानी का संरक्षण (कैच द रेन) करने और सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद करने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने सभी देशवासियों को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने की अपील की। वहीं, उन्होंने महिला क्रिकेट टीम की सराहना की। उन्होंने महिला क्रिकेट में मिली बड़ी सफलता और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन करने के लिए खिलाड़ियों की जमकर तारीफ भी की।

वहीं कार्यक्रम के बाद जिलाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देश के हर नागरिक में राष्ट्र सेवा, पर्यावरण संरक्षण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाता है। महिला सशक्तिकरण और स्थानीयों बुनकर हस्तकला सहित कई प्रेरक विषय को जानने का अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से वे आम जनता के मन से जुड़ते हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम आज जनांदोलन बन गया है। रामगढ़ जिला का एक-एक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाएगा और जल संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न मंडलों और बूथों पर दर्जनों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे।

कारगिल विजय दिवस पर मेयर ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद। 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को धनबाद में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मेयर संजीव सिंह शामिल हुए। अखिल भारतीय सैनिक सेवा परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

इस अवसर पर मेयर ने कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेयर ने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों का अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य और सर्वोच्च बलिदान देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने विपरीत परिस्थितियों में जिस वीरता और पराक्रम का परिचय दिया, वह राष्ट्र के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

मेयर ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर वीरों के प्रति पूरा राष्ट्र सदैव कृतज्ञ रहेगा। उनका बलिदान देशवासियों को राष्ट्रभक्ति, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा।

कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा "जय हिंद" और "भारत माता की जय" के उद्घोष के साथ वीर जवानों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया।

समाज के अंतिम श्रमिक तक न्याय, सुरक्षा और सम्मान पहुंचाना ही संगठन का ध्येयः सुरेन्द्र

भारतीय मजदूर संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्य समिति बैठक की शुरुआत महिलोंग स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभागार में रविवार को हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन के अध्यक्ष एस. मल्लेशम, महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे और भारतीय मजदूर संघ के पालक अधिकारी वी. भग्गया ने दीप प्रज्वलित कर किया।

उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष एस. मल्लेशम ने कहा कि विश्व का श्रम जगत तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटलीकरण, गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था, उत्पादन प्रणालियों में बदलाव तथा वैश्विक आर्थिक चुनौतियां श्रमिक जगत के सामने नए प्रश्न खड़े कर रही हैं। ऐसे समय में भारतीय मजदूर संघ की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

वहीं, महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी कहा करते थे कि न्याय की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की सहायता करना ही अंत्योदय है। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय मजदूर संघ की कार्यदिशा है। समाज के अंतिम श्रमिक तक न्याय, सुरक्षा और सम्मान पहुंचाना ही संगठन का ध्येय है।

तीन दिवसीय कार्यसमिति बैठक में देश के सभी राज्यों और महासंघों से लगभग 150 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। तीन दिनों के इस कार्यक्रम में मजदूरों से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रस्ताव लाए जाएंगे। नए लेबर कोड को लेकर मजदूरों की स्थिति का मूल्यांकन करते हुए उस पर भी प्रस्ताव पारित किए जाएंगे।

कार्यसमिति बैठक के शुभारंभ पर अतिथियों का स्वागत प्रदेश अध्यक्ष बलिराम यादव, प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष चंदन कुमार प्रसाद और प्रदेश के अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने किया।

इस मौके पर राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, सुनील कुमार, अंगद उपाध्याय, रमाशंकर प्रसाद, सुबोध कुमार यादव, शिवकुमार सिंह, अवधेश राय, धर्मजीत चौधरी, उमेश सिंह, मुरारी तांती, प्रभात रंजन, नीरज तिवारी, सुनील कुमार पांडेय, रविंद्र कुमार मिश्रा, संतोष कुमार साहू, दिलीप कुमार, अखिलेश मिश्रा, विक्रम सिंह, ब्रजकिशोर राम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हत्या मामले का पुलिस ने किया 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबाद। धनबाद के कतरास थाना क्षेत्र के ईस्ट बसुरिया ओपी अंतर्गत सोरीटांड़-कौशलपुरम के पास हुई सनसनीखेज हत्या की गुत्थी पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा ली है। इस मामले में गठित एसआईटी ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल खून से सना लोहे का पाइप, पत्थर, बाइक, मृतक का मोबाइल, एटीएम कार्ड और अन्य सामान बरामद किया गया है।

इस संदर्भ में रविवार को धनबाद के ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 जुलाई की शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि सोरीटांड़, कौशलपुरम के समीप झाड़ियों के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि मृतक के सिर और चेहरे को पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या की गई थी। घटनास्थल से कुछ दूरी पर मृतक की टाटा नेक्सन कार भी बरामद हुई। जांच के दौरान शव की पहचान बरवाअड्डा निवासी जयराम मांझी (५७) के रूप में हुई। मृतक की पत्नी की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ग्रामीण एसपी ने एसआईटी का गठन किया। बाघमारा

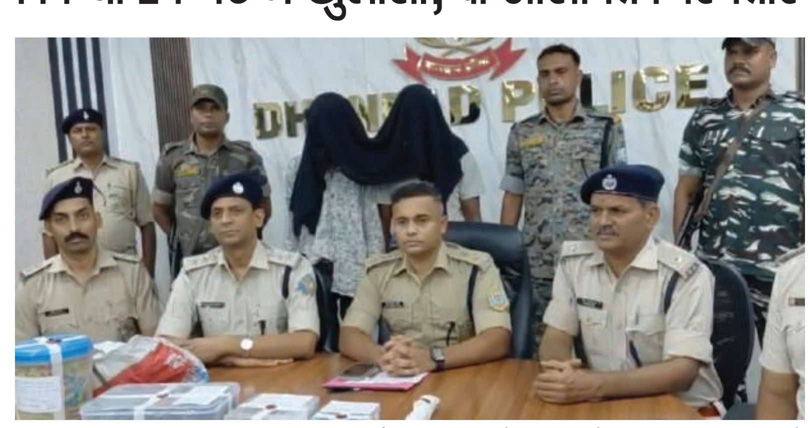

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत विमल के नेतृत्व में छापेमारी कर पुलिस ने तेतुलमारी के खास सिजुआ निवासी कुंदन कुमार और प्रेम चौहान उर्फ पुष्पा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना लोहे की पाइप, पत्थर, बाइक, मृतक का मोबाइल, सिम, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य कागजात बरामद किए गए। साथ ही दोनों आरोपितों के खून लगे कपड़े और मोबाइल भी पुलिस ने जब्त किए हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपित कुंदन कुमार किसी ऑनलाइन गेमिंग का आदि था और वह किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता था। जिससे उसे पैसों की तंगी रहती थी। वहीं मृतक जयराम मांझी एक बीसीसीएल कर्मी था और वह तेतुलमारी में कार्यरत था, दोनों में दोस्ती हुई, लेकिन कुंदन की नजर मृतक के पैसों पर थी और वह उसके पैसों को किसी भी हालत में लेना चाहता था, इसके लिए उसने प्रेम चौहान की मदद ली और सुनियोजित तरीके से जयराम मांझी की हत्या कर दी। लेकिन आरोपित मृतक के पैसों को नही निकाल सके।

पुलिस के अनुसार, मामले के खुलासे में एसआईटी की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने लगाया व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर, नौनिहालों का हुआ संपूर्ण परीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सामुदायिक सेवा और बाल कल्याण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराते हुए रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा रविवार को रोटरी प्ले ग्रुप स्कूल के नामांकित बच्चों के लिए एक भव्य एवं व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर में मुस्कान हॉस्पिटल तथा डॉ. जॉन ल्यू क्लिनिक के जाने-माने और अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने एक ही छत के नीचे बच्चों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच की।

शिविर में बच्चों की लंबाई, वजन, महत्वपूर्ण जीवन संकेत (वार्टल साइंस), पोषण स्तर, नेत्र व श्रवण जांच, दंत परीक्षण और सामान्य शारीरिक स्वास्थ्य का विस्तृत आकलन किया गया। इसके साथ ही बच्चों के विकासात्मक मील के पत्थरों (डेवलपमेंटल माइलस्टोन्स) को भी जांचा गया। पोषण जांच के दौरान अधिकांश बच्चों का स्वास्थ्य सामान्य पाया गया, हालांकि कुछ बच्चों में कुपोषण एवं एनीमिया के लक्षण दिखे, जिन्हें तत्काल आवश्यक दवाएं और पौष्टिक आहार संबंधी परामर्श दिया गया।

डॉ. जाहिद सिद्दीकी और ऑप्टिशियनों की टीम द्वारा की गई नेत्र जांच में कुछ बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्याएं चिन्हित कर विशेषज्ञों से परामर्श की सलाह दी गई। श्रवण जांच में कुछ बच्चों में सुनने व बोलने में कठिनाई पाई गई, जबकि तीन बच्चों में ऑटिज्म के संभावित लक्षण दिखने पर आगे विशेषज्ञ जांच का सुझाव दिया गया। दंत परीक्षण के दौरान दांतों में कीड़े, मौखिक स्वच्छता की कमी और जबड़ों के संरेखण (जॉ अलाइनमेंट) से जुड़ी दिक्कतें पाई गईं, जिस पर अभिभावकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। सामान्य परीक्षण के तहत त्वचा, कान, गला, छाती और हृदय की भी गहन जांच की गई।

हेल्थ किट वितरण और चिकित्सकों का सम्मान- शिविर के अंत में प्रत्येक बच्चे को टूथब्रश, टूथपेस्ट, हैंड सैनिटाइजर और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझावों से युक्त स्पेशल हेल्थ किट प्रदान की गई। अभिभावकों ने रोटरी क्लब की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। रोटरी क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहन एवं सचिव रोटेरियन देबाशीष साहा ने समर्पित सेवाओं के लिए रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी, रोटेरियन डॉ. जॉन ल्यू, डॉ. जाहिद सिद्दीकी, डॉ. उदय राय, डॉ. सुषमा तथा तकनीशियन व स्वास्थ्यकर्मी विश्वजीत सामल, मौमिता चटर्जी, संतोष एवं किरण का आभार व्यक्त किया। साथ ही शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले डॉ. अनिल त्रेहन, डॉ. राजदीप, अभय गिरी, सीमा, चंद्रिमा, नीलम, विवेक, राखी, बिन्नी, प्रदीप सिंह, खोनेन, मानसी, अशोक केड़िया, मन्नू, जतिन, घनश्याम दास सहित सभी रोटेरियनों व स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक कृतज्ञता जताई।

विशेष गहन पुनरीक्षण में बोकारो ने रचा इतिहास, प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन का बना शानदार मॉडल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और जन-जन की सक्रिय सहभागिता जब एक साथ धरातल पर उतरती है, तो वह केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं रहती, बल्कि लोकतंत्र का एक महा-उत्सव बन जाती है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बोकारो जिले में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 ने कुछ ऐसा ही नया इतिहास रच दिया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा के कुशल और सुदृढ़ नेतृत्व में बोकारो जिला न केवल समय-सीमा से पहले अपने लक्ष्यों को हासिल कर रहा है, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक प्रभावी क्रियान्वयन का शानदार 'मॉडल' बनकर उभरा है।

इस पूरे महा-अभियान का एकमात्र और मूल उद्देश्य जिले की मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि बोकारो का प्रत्येक पात्र नागरिक बिना किसी बाधा के अपने सबसे बड़े लोकतांत्रिक अधिकार यानी 'मताधिकार' का प्रयोग कर सके।

घर-घर पहुंची प्रशासनिक दस्तक, हर वर्ग को मिला अधिकार- बोकारो जिला प्रशासन ने इस पुनरीक्षण अभियान को दफ्तरों से निकालकर सीधे आम जनता की चौखट तक पहुंचा दिया। जिले के सभी मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों की टीमों ने चिलचिलाती धूप और मौसम की परवाह किए बिना घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराए। इस बार की सबसे बड़ी और खूबसूरत बात यह रही कि अभियान में समावेशी लोकतंत्र की आत्मा को पूरी तरह साकार किया गया। दिव्यांगजनों, बुजुर्गों, असहाय नागरिकों और ट्रांसजेंडर मतदाताओं तक विशेष रूप से पहुंच सुनिश्चित की गई, ताकि समाज का कोई भी वर्ग इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया से वंचित न रह जाए।

उपायुक्त का नित्य संवाद और तकनीक के दम पर डिजिटाइजेशन की रिकॉर्ड रफ्तार- अभियान को लगातार गतिमान रखने के पीछे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा का प्रतिदिन समीक्षा मॉडल सबसे कारगर हथियार साबित हुआ। उपायुक्त हर दिन वीडियो संवाद के माध्यम से सभी निर्वाचन अधिकारियों, सुपरवाइजरों और मैदानी कर्मियों के साथ बैठक कर रहे हैं। प्रपत्र वितरण, संग्रहण और भौतिक सत्यापन की पल-पल की डिजिटल रिपोर्टिंग से जहां एक तरफ काम में पारदर्शिता आई, वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं बची।

प्रगणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मोबाइल ऐप-बेस्ड मॉनिटरिंग और लगातार फॉलोअप किया गया, जिसके परिणामस्वरूप डिजिटाइजेशन का ग्राफ दिन-प्रतिदिन नए रिकॉर्ड छूता चला गया।

जन-जागरूकता बनी सफलता की रीढ़, हेल्पलाइन से मिली पलक-झपकते सहायता- एसआईआर-2026 अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए जिला प्रशासन ने कोई कसर नहीं छोड़ी। सोशल मीडिया से लेकर ग्रामीण इलाकों में माइकिंग, रंग-बिरंगे पोस्टरों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षकों और मीडिया का ऐसा मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया, जिसने खबर को घर-घर पहुंचा दिया। शहरी और ग्रामीण इलाकों में विशेष शिविर लगाए गए। साथ ही समर्पित हेल्पलाइन और सहायता केंद्रों ने नागरिकों को फॉर्म भरने और दस्तावेज जुटाने में ऐसी सहज सुविधा दी कि लोगों की भागीदारी का सैलाब उमड़ पड़ा।

जिला प्रशासन द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, पूरे जिले में इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण का काम 98.33 प्रतिशत पूरा हो चुका है। विधानसभा वार स्थिति देखें तो गोमिया में 99.99%, चंदनकियारी में 99.99%, बेरमो में 99.97% और बोकारो विधानसभा में 95.74% फॉर्म बांटे जा चुके हैं। वहीं, डिजिटाइजेशन की बात करें तो जिले ने 92.62 प्रतिशत का ऐतिहासिक आंकड़ा छू लिया है। इसमें गोमिया 98.49% के साथ सबसे आगे है, जबकि चंदनकियारी में 95.98%, बेरमो में 95.57% और बोकारो विधानसभा क्षेत्र में 86.23% डिजिटाइजेशन का काम सफलता से संपन्न कर लिया गया है।

अभियान की इस ऐतिहासिक सफलता के बीच जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के नागरिकों के नाम एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत और पारदर्शी बनाने का पवित्र कार्य है। उपायुक्त ने बोकारो की सम्मानित जनता को सचेत करते हुए कहा कि अभियान पूरा होने में अब मात्र 03 दिन का समय शेष रह गया है। उन्होंने अपील की कि यदि किसी कारणवश किसी पात्र नागरिक ने अभी तक अपना इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं भरा है, तो वे बिना एक पल की देरी किए इसे भरकर अपने संबंधित बीएलओ के पास तुरंत जमा कराएं। नागरिकों का एक छोटा सा सजग प्रयास उनकी वोट की ताकत को सुरक्षित रखेगा और एक सशक्त, मजबूत व पारदर्शी लोकतंत्र के निर्माण में बोकारो की पहचान को और निखारेगा।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रायफल शूटिंग खेल के CBSE बोर्ड, ICSE बोर्ड, यूनिवर्सिटी विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं ओलंपिक में पदक जीतने के लक्ष्य को निर्धारित कर आज से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में तीन दिवसीय 10 मीटर एयर रायफल एवं एयर पिस्टल शूटिंग प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया।

प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ होने से पूर्व बोकारो रायफल क्लब के अध्यक्ष श्री विपिन अग्रवाल के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किये और बोकारो के खेल इतिहास व उपलब्धियों का चर्चा करते हुए प्रशिक्षुओं को पदक जीतने की शुभकामनाएं दिए। बोकारो रायफल क्लब के सचिव श्री अनील कुमार ने खेल के असिस्टेंट एक्सरसाइज को घर में दोहराने की जानकारी दिए। यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन के निदेशक श्रीमती विभा कुमारी ने महिला खिलाड़ियों का मनोबल बढाई। आज के प्रशिक्षण शिविर में 54 खिलाड़ी शामिल हुए। सभी खिलाड़ियों को रायफल शूटिंग खेल के नियम व सेफ्टी, तकनीकी जानकारी देने के बाद वार्मअप, स्ट्रेचिंग, होल्डिंग, मेडीटेशन एवं शूटिंग होल्डिंग कराया गया। प्रशिक्षक एवं रेंज ऑफिसर श्री पिंटू यादव थे। आज के प्रशिक्षण शिविर में ज्यादातर स्कूली छात्र व छात्राओं की भागीदारी रही। निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का समापन दिनांक 28 जुलाई 2026 को होगा।

स्वांग में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई आषाढ़ी पूजा

» प्रकाश लाल सिंह व आकाश लाल सिंह हुए सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड स्थित स्वांग मैदान में हाड़ी समाज के न्यू सेवन स्टार क्लब के तत्वावधान में श्री श्री आषाढ़ी पूजा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ संपन्न हुई। पूजा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। कार्यक्रम में गोमिया प्रखंड के पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रकाश लाल सिंह एवं वर्तमान जिला परिषद सदस्य आकाश लाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना में भाग लेते हुए क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। पूजा समिति के सदस्यों ने दोनों अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर प्रकाश लाल सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। वहीं आकाश लाल सिंह ने कहा कि परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में इस तरह के आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि स्वांग में श्री श्री आषाढ़ी पूजा का आयोजन वर्षों से पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया जाता रहा है तथा हर वर्ष इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। मौके पर यादव शक्ति संगठन बेरमो के अध्यक्ष राजकुमार यादव, सूरज हाड़ी, बबलू राम, डबलू हाड़ी, पंकज कुमार, बादल हाड़ी, आकाश कुमार, प्रदीप हाड़ी, बिट्टू रवानी, धनेश्वर हाड़ी, शंकर पासवान, सूरज मांझी, आकाश केवट, जगदंब घांसी, मनोज हाड़ी, शाहिल हाड़ी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

ओरमो के देव ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : **कसमार प्र**खंड के ओरमो स्थित देव ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में रविवार को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बीच हिंदी एवं अंग्रेजी निबंध लेखन, चित्रकला तथा क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में दर्जनों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को संस्थान के निदेशक डॉ अशोक कुमार देव, सचिव डॉ सुषमा कुमारी तथा प्राचार्य राजीव कुमार नैयर ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार देव ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के शौर्य, साहस और बलिदान की अमर गाथा है। देश के वीर जवानों के त्याग को कभी भुलाया नहीं जा सकता। विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। डॉ सुषमा कुमारी ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। वहीं प्राचार्य राजीव कुमार नैयर ने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का पराक्रम आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

कार्यक्रम में आंचल कुमारी यादव, सोनाली भगत, बॉबी कुमारी, आनंद मोहन, राकेश कुमार मंडल, सुशील कुमार, सुमित्रा देवी, अनुश्री, रमैया कुमार, आदित्य सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं में शिवानी कुमारी, यशवंत कुमार, लखीराम बाबू, प्रीतम कुमार, प्रतीक सागर, आरोही, सूरज, साक्षी, सानवी, अंजली, घनश्याम, अंकित समेत कई विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

बीएसएल ने रचा स्वर्णिम इतिहासः वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में तोड़े उत्पादन के सभी रिकॉर्ड, पूरे सेल में दर्ज किया सबसे शानदार मुनाफा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के प्रमुख घटक बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सफलता का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिखा है, जो इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। इस अवधि में संयंत्र ने अपने सुदृढ़ प्रबंधन, प्रभावी लागत नियंत्रण और उत्कृष्ट उत्पादन रणनीति के बल पर सेल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों को पछाड़ते हुए वित्तीय और परिचालन के मोर्चे पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

वित्तीय आंकड़ों में बोकारो का धमाकेदार प्रदर्शन- संयंत्र का परिचालन राजस्व 9.37 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 5,376 करोड़ से उछलकर 5,880 करोड़ पर पहुंच गया है। इसी तरह, ईबीआईटीडीए में 566 करोड़ की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई और यह 588 करोड़ से सीधे 1,154 करोड़ के आंकड़े को छू गया, जो सेल के सभी संयंत्रों में सर्वोच्च है। बीएसएल का ईबीआईटीडीए मार्जिन भी 10.94 प्रतिशत से बढ़कर 19.62 प्रतिशत हो गया है, जो संसाधनों के सटीक और दक्ष उपयोग का सबसे बड़ा उदाहरण है। इतना ही नहीं, लाभ कर पूर्व (पीबीटी) में रिकॉर्ड उछाल देखने को मिला और यह 97.82 करोड़ से बढ़कर 715.57 करोड़ के स्तर पर जा पहुंचा।

स्थापना काल से अब तक की सर्वश्रेष्ठ Q1 और रिकॉर्ड उत्पादन- उत्पादन के क्षेत्र में बोकारो स्टील प्लांट ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक की सबसे बेहतरीन प्रथम तिमाही का

प्रदर्शन किया है। ओवन पुशिंग्स, ग्रॉस सिन्टर, हॉट मेटल, क्रूड स्टील और कुल विक्रय योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल) के उत्पादन में पुराने सभी कीर्तिमान ध्वस्त हो गए हैं। इसके साथ ही सिन्टर मशीन उत्पादकता, कोक रेट और ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता जैसे प्रमुख परिचालन मानकों ने भी सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ है।

दैनिक उत्पादन के मोर्चे पर 17 मई 2026 को संयंत्र ने 22,516 टन ग्रॉस सिन्टर का रिकॉर्ड बनाया, जबकि चार ब्लास्ट फर्नेस के संचालन के तहत 22 अप्रैल 2026 को 18,206 टन हॉट मेटल का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक उत्पादन दर्ज किया गया।

टेक्नो-इकोनॉमिक्स, ऊर्जा और जल संरक्षण में बड़ी सफलता- ऊर्जा दक्षता और प्रक्रिया अनुकूलन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) दर को बढ़ाकर 96 किग्रा./टीएचएम कर दिया गया है, जिससे कोक की खपत में भारी कमी आई है। विशिष्ट ऊर्जा खपत को घटाकर 6.314 जी-कैल/टीसीएस के नए निचले स्तर पर लाया गया, जो जून 2026 में 6.274 जी-कैल/टीसीएस के सर्वश्रेष्ठ मासिक स्तर तक पहुंचा। इसके अलावा जल संरक्षण के कड़े उपायों से पानी की खपत घटी, जिससे जल प्रभार (वॉटर चार्जेज) में भी बड़ी बचत हुई।

बिक्री, कर्मचारी कल्याण और जीरो हार्म सुरक्षा संस्कृति- मासिक उपलब्धियों की बात करें तो अप्रैल 2026 में रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट (आरएमएचपी) ने 16,653 वैगनों से 11.7 लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। जून 2026 में कोक ओवन विभाग ने रोजाना औसतन 531 ओवन पुशिंग्स का नया मानदंड स्थापित किया। सेल्स के मोर्चे पर जून 2026 में कोल केमिकल्स की 38.92 करोड़ की अब तक की सबसे बड़ी मासिक बिक्री दर्ज की गई।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ संयंत्र में सेफ्टी फर्स्ट एंड ऑलवेज और जीरो हार्म की संस्कृति के तहत सुरक्षा के सभी मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया गया। कर्मचारियों और संविदा कर्मियों के अमूल्य योगदान को सराहते हुए उपहार कार्ड वितरित किए गए। बोकारो इस्पात संयंत्र का यह अभूतपूर्व प्रदर्शन आने वाले महीनों में भी सेल और देश की प्रगति में एक नया मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

26 वर्षों से प्रोन्नति न मिलना चतुर्थवर्गीय कर्मियों के साथ घोर अन्याय : सपन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

30 जुलाई को सीएम आवास के समक्ष गूंजेगा विरोध का स्वर, बोकारो में बनाई रणनीति

बोकारो : झारखंड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ की एक अहम जिला स्तरीय बैठक मंगलवार को स्थानीय सिटी पार्क में आयोजित की गई। संघ के जिलाध्यक्ष पशुपति नायक की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में राज्य के चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की लंबे समय से उपेक्षित पड़ी मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई और आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक को मुख्य रूप से संबोधित करते हुए संघ के प्रदेश महामंत्री सपन कुमार कर्मकार ने राज्य सरकार और वरीय प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि अविभाजित बिहार से अलग होकर पृथक झारखंड राज्य बने 26 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन इन वर्षों में राज्य के चतुर्थवर्गीय कर्मियों को पद प्रोन्नति की कोई सुविधा प्रदान नहीं की गई है जो उनके साथ घोर अन्याय है। उन्होंने कहा कि चतुर्थवर्ग राज्य सरकार का सबसे कनीय संवर्ग है, जहाँ कर्मचारी जिस पद पर बहाल होते हैं, उसी पद से सेवानिवृत्त होने को विवश हैं। पूर्व के अविभाजित बिहार के समय से ही तृतीय वर्ग के रिक्त पदों पर चतुर्थवर्गीय कर्मियों की प्रोन्नति का प्रतिशत निर्धारित था, परंतु झारखंड गठन के बाद से एक भी पद पर प्रोन्नति का अवसर नहीं दिया गया।

प्रदेश महामंत्री ने इस बात पर गहरा दुख व्यक्त किया कि छठे वेतन आयोग द्वारा चतुर्थवर्ग के पदों के स्थान पर सभी कर्मचारियों को तृतीय वर्ग घोषित किया गया था। राज्य सरकार ने भी केंद्रीय वेतन और सेवा शर्तों को हूबहू लागू करने का निर्णय लिया था, लेकिन वरीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण आज तक इस निर्णय को धरातल पर नहीं उतारा जा सका। इस वजह से अल्पवेतन भोगी चतुर्थवर्गीय कर्मचारी अपने वाजिब सेवा लाभों के लिए तरस रहे हैं।

कर्मचारियों की अनदेखी के विरोध में बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संघ के आह्वान पर अपनी दो सूत्री मांगों को लेकर आगामी 30 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष विशाल एवं रोषपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। संघ की पहली मुख्य मांग है कि चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की प्रोन्नति में सीमित प्रतियोगिता परीक्षा की बाध्यता को पूरी तरह समाप्त करते हुए वरीयता एवं योग्यता के आधार पर तृतीय वर्ग के पदों पर एकमुश्त पद प्रोन्नति दी जाए। दूसरी मांग के तहत आदेशपाल, पीउन, चपरासी और अनुसेवक जैसे पदों के स्थान पर सम्मानजनक 'कार्यालय सहायक' नाम घोषित किया जाए।

संघ के पदाधिकारियों ने 30 जुलाई के प्रदर्शन को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए अभी से ही प्रचार-प्रसार तेज करने और शत-प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। इस बैठक में जिलाध्यक्ष पशुपति नायक, जिला मंत्री प्रेमशंकर राम, हरिलाल मोहली, खगेंद्र महतो, चालक संघ के जिला सचिव बेला पद बाउरी, अनिल कुमार महतो, काजल मंडल, साहेब राम महतो तथा अर्जुन कुमार दास सहित कई अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और आंदोलन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर जिलिंगटांड़ में श्रद्धालुओं की बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कसमार (बोकारो) : जरीडीह प्रखंड के जिलिंगटांड़ स्थित शिव मंदिर में रविवार को आगामी श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले के सफल आयोजन, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए नई आयोजन समिति का गठन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता भास्की पंचायत के मुखिया मंटू राम मरांडी ने की। इस दौरान यह तय किया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालु 9 अगस्त को बेरमो के हिंदुस्तान पुल (दामोदर नदी) से कांवर में जल लेकर पदयात्रा करेंगे तथा 10 अगस्त (सोमवार) को जिलिंगटांड़ शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से प्राण किशोर बाबा को समिति का अध्यक्ष, रतिलाल सिंह को कोषाध्यक्ष तथा सदानंद महतो को सचिव चुना गया। समिति के सदस्यों ने मेले को शांतिपूर्ण, भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया। बैठक में चंदन गोस्वामी, चीकू मेहता, मनोरंजन महाराज, राहुल महतो, प्राण सिंह, गुलक सिंह, मनोज सिंह, सुकराम हेंब्रम, मनोज टुडू, शनिचर मांझी, लक्ष्मी नारायण सिंह सहित कई ग्रामीण एवं शिवभक्त उपस्थित थे।

झारखंड मुख्यधारा

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रांची पहाड़ी मंदिर में श्रावण सोमवारी को संध्या महाआरती और भोले की दौड़ का आयोजन

रांची। रांची पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार पर श्रावण माह में हर सोमवार को संध्या महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर आज मंदिर प्रांगण में बनी सेड में आयोजक नंद किशोर सिंह चंदेल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर सोमवारी अलग-अलग तरीकों से महाआरती की जाएगी। सभी भक्तों को सम्मानित किया जाएगा और महाआरती के बाद खीर महाभोग का प्रसाद वितरित होगा। दूसरा सोमवार 10 अगस्त को सुबह 7 बजे से "भोले की दौड़" निकाली जाएगी। यह दौड़ चुटिया स्थित इक्कीसों महादेव मंदिर से शुरू होकर बहु बाजार, कर्बला, चर्च रोड, मेन हनुमान मंदिर, शहीद चौक, कोतवाली, बकरी बाजार होते हुए पहाड़ी मंदिर के महाकाल मंदिर में जलार्पण के साथ संपन्न होगी। अंतिम सोमवारी 24 अगस्त को संध्या महाआरती के बाद खीर महाभोग का भी आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

"मन की बात" राष्ट्र निर्माण का जनआंदोलन, "एक पेड़ माँ के नाम" से जुड़ें सभी : डॉ. प्रदीप वर्मा

रांची। झारखंड भाजपा के उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने आज खिजरी विधानसभा के सिलवे मानकीढीपा बूथ संख्या-169 पर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर डॉ. वर्मा ने कहा कि "मन की बात" अब केवल रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने वाला जनआंदोलन बन गया है। कार्यक्रम के बाद "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण किया गया। डॉ. वर्मा ने कहा कि हर नागरिक यदि अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो यह हरित भारत के निर्माण की नींव बन सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रलेखन विभाग के प्रदेश संयोजक अमित चरण, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा, महामंत्री मनसा महतो, सिलवे पंचायत समिति सदस्या श्रुति मुंडा सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांके रोड के 13 वर्षीय दिव्य प्रकाश को साइबर सुरक्षा में हॉल ऑफ फेम सम्मान

रांची। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड के छात्र दिव्य प्रकाश को अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की तीन साइबर सुरक्षा खामियों का खुलासा करने के कारण हॉल ऑफ फेम सम्मान मिला है। हाल ही में दिव्य ने आईबीएम के वलनरेबिलिटी डिस्क्लोजर प्रोग्राम के तहत सप्लाई चेन से जुड़ी एक गंभीर खामी उजागर की। इसमें बाहरी कोड रिपोजिटरी का लिंक खो जाने और मूल स्रोत से भटकने की समस्या थी। आईबीएम ने इसे 9.6 CVSS रेटिंग के साथ गंभीर श्रेणी में वर्गीकृत कर सुरक्षा उपाय किए। इससे पहले दिव्य को नासा में सुरक्षा खामी खोजने पर 'लेटर ऑफ रिकॉग्निशन' और हॉल ऑफ फेम में स्थान मिला था। वे नासा में खामी खोजने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति के रूप में 'गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में भी दर्ज हैं। विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि दिव्य की यह उपलब्धि विद्यालय, शहर और राज्य के लिए गौरव की बात है।

"कांग्रेस की सरकारें पेपर लीक की फैक्ट्री बनीं": डॉ. प्रदीप वर्मा ने विपक्ष पर बोला हमला

रांची। राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासन वाले राज्यों में लगातार पेपर लीक हुए, लेकिन आज वही दल इस मुद्दे पर नैतिकता का ढोंग कर रहे हैं। डॉ. वर्मा ने कहा कि 2018 से 2026 के बीच कांग्रेस और गैर-एनडीए सरकारों के 10 राज्यों में कम से कम 13 प्रमुख पेपर लीक और परीक्षा अनियमितता के मामले सामने आए। इससे लाखों अभ्यर्थियों को मानसिक और आर्थिक नुकसान हुआ। उन्होंने झारखंड में JSSC-CGL 2024 की परीक्षा और 2025 में 10वीं की हिंदी-विज्ञान पेपर लीक का हवाला देते हुए कहा कि झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार में परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह अविश्वसनीय हो गई है। कर्नाटक, हिमाचल, राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, केरल, बिहार, ओडिशा और तेलंगाना में भी इसी तरह के मामले हुए। डॉ. वर्मा ने मांग की कि हर पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो, दोषियों की संपत्ति जब्त हो और प्रभावित छात्रों को क्षतिपूर्ति मिले। उन्होंने कहा कि विपक्ष का मकसद युवाओं को न्याय देना नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ लेना है। पेपर लीक युवाओं के भविष्य से किया गया संगठित अपराध है।

गोवंश चोरी के आरोप में एक गिरफ्तार, स्कॉर्पियो, मवेशी और अन्य सामान जब्त

रांची। गुप्त सूचना पर रांची ग्रामीण पुलिस ने 25-26 जुलाई की रात करीब 1 बजे राजा उल्लातु के पास गोवंश चोरी कर रहे गिरोह पर छापेमारी की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, जिसमें से एक को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तबरेज अंसारी उर्फ लोहा अंसारी, उम्र 35 वर्ष, निवासी काटमकुली, थाना पिठौरिया के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि गिरोह रांची के ग्रामीण इलाकों से गाय, बैल, बछड़ा आदि चोरी करता है। पुलिस ने मौके से 1 गाय, 1 बैल, 3 बछड़ा, काला रंग की स्कॉर्पियो JH13A-6737, मोबाइल और रस्सी जब्त की है। मामले में नामकुम थाना में कांड संख्या 198/26, BNS और पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। छापेमारी दल का नेतृत्व नामकुम थाना प्रभारी रामनारायण सिंह ने किया।

डूरंड कप : रांची में हाई अलर्ट, स्टेडियम के बाहर 2,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

एजेंसी। रांची

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के सफल और सुरक्षित आयोजन को लेकर राजधानी रांची में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम और उसके आसपास दो हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी संख्या में महिला पुलिस बल को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। पुलिस के अनुसार, रांची में आज से शुरू हो रहे 135वें डूरंड कप-2026 के उद्घाटन समारोह और पहले मुकाबले से पहले स्टेडियम के सभी प्रवेश द्वारों पर दर्शकों की फ्रिस्किंग (तलाशी) और मेटल डिटेक्टर के माध्यम से अनिवार्य सुरक्षा जांच की जाएगी। पूरे स्टेडियम परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्गों तथा आसपास के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के होटल से लेकर स्टेडियम तक सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी और क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) तैनात रहेंगी। डूरंड कप के सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण आयोजन को लेकर रविवार को मोरहाबादी स्थित फुटबॉल स्टेडियम में प्रतिनियुक्त पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों और सुरक्षा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि डूरंड कप देश के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंटों में से एक है और रांची को इसकी मेजबानी का अवसर मिला है। ऐसे में खिलाड़ियों, दर्शकों और बाहर से आने वाले आगंतुकों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता, संवेदनशीलता और पूर्ण जवाबदेही के साथ करें। उपायुक्त ने अधिकारियों को अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर निर्धारित समय से पहले पहुंचकर सभी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया। साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या या आकस्मिक स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल कंट्रोल रूम और वरीय अधिकारियों को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लिया जा सके। डीसी ने यह भी निर्देश दिया कि सभी अधिकारी आम दर्शकों के साथ विनम्र और सहयोगात्मक व्यवहार रखें। कसिी भी अफवाह, विवाद या अप्रिय स्थिति को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित करने का प्रयास किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्रवाई की जाए। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने इस मौके पर कहा कि मैच के दौरान सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी बिना अनुमति अपना ड्यूटी स्थल नहीं छोड़े और प्रत्येक प्रतिनियुक्त कर्मी अपने निर्धारित स्थान पर लगातार मौजूद रहे। एसएसपी ने अधिकारियों को वीआईपी मूवमेंट, खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग नियंत्रण तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने को कहा। साथ ही संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा किसी भी असामान्य गतिविधि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम और वरिष्ठ अधिकारियों को देकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान अधिकारियों को स्टेडियम की सेक्टरवार सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, दर्शकों के सुगम आवागमन, ट्रैफिक नियंत्रण, सुरक्षा जांच, वीआईपी प्रोटोकॉल, मीडिया समन्वय, आपातकालीन निकासी योजना तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था), पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (यातायात), सदर अनुमंडल पदाधिकारी सहित जिला प्रशासन, झारखंड पुलिस और सेना के संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

जेपीएससी में भ्रष्टाचार भाजपा शासन की पहचान, बाबूलाल करें आत्मचिंतन : ऋषीकेश

एजेंसी। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के जेपीएससी मामले में दिए गए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिस भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में जेपीएससी भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कथित अनियमितताओं का प्रतीक बन गया था, उसी पार्टी के नेता आज नैतिकता और पारदर्शिता की बात कर रहे हैं। ऋषीकेश सिंह ने कहा कि भाजपा शासनकाल में आयोजित जेपीएससी की प्रथम, द्वितीय, तृतीय और छठी संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर गंभीर अनियमितताओं, पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इन मामलों में लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया चली और कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता इन घटनाओं को भूली नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि उस दौर में जेपीएससी में प्रतिभा और योग्यता के बजाय सत्ता से नजदीकी, प्रभावशाली लोगों के रिश्तेदारों और पैसे वालों को प्राथमिकता मिलने के आरोप लगते रहे। इससे राज्य के हजारों योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खंलिवाड़ हुआ। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि बाबूलाल मरांडी आज नैतिकता और पारदर्शिता की बात कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पहले अपने शासनकाल में जेपीएससी को लेकर उठे विवादों और आरोपों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और राजनीतिक बयानबाजी से तथ्य नहीं बदल सकते।

एफजेसीसीआई की स्किल डेवलपमेंट कमिटी की बैठक, 3 अगस्त को "AI in Business" पर प्रशिक्षण

एजेंसी। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) की स्किल डेवलपमेंट सब-कमिटी की बैठक शनिवार को चैंबर भवन में हुई। बैठक में उद्योगों की जरूरतों के अनुसार कौशल विकास गतिविधियों को तेज करने और विभिन्न संस्थानों से हुए एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। समिति ने तय किया कि सदस्यों, उद्यमियों और कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आगामी कार्यक्रमों में 3 अगस्त को "AI in Business" विषय पर विशेष सत्र होगा। इसमें बीआईटी मेसरा के प्रो. डॉ. सत्यजीत महतो व्यवसाय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर मार्गदर्शन देंगे। 11 अगस्त को "Digital Marketing" पर प्रशिक्षण Digi Crow के अमित मोदी संचालित करेंगे। समिति ने कहा कि इन पहलों से झारखंड के उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। बैठक में उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बंगार, संयुक्त सचिव रोहित पोद्दार, कमिटी चेयरमैन प्रियांक, आलोक सिंह और अतुल अग्रवाल मौजूद थे।

मंगलम ऑप्टिकल में बीसीआई प्लैटिनम का पावर वन टू वन कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी। रांची

बीसीआई प्लैटिनम रांची के पावर वन टू वन कार्यक्रम के तहत रविवार को अशोक नगर स्थित मंगलम ऑप्टिकल में बैठक आयोजित की गई। बैठक की मेजबानी मंगलम ऑप्टिकल के संचालक राकेश कुमार अग्रवाल ने की। उन्होंने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए सनग्लास, चश्मों की विभिन्न श्रेणियों, उनकी गुणवत्ता तथा आंखों की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने चश्मों की गुणवत्ता, देखभाल और उपयोग से संबंधित कई जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम में मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि पावर वन टू वन कार्यक्रम का उद्देश्य सदस्यों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाकर व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सदस्य एक-दूसरे के व्यवसाय का रेफरल दें और सहयोग की भावना से कार्य करें, क्योंकि आपसी सहयोग से ही कारोबार का विस्तार संभव है। कार्यक्रम के अंत में राजीव शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर बीसीआई के निदेशक धीरज ग्रोवर, रमेश कुमार, अजय कुमार, बीसीआई प्लैटिनम के अध्यक्ष सुनील कालरा, सचिव सुबोध कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार आर्या, सरिता अग्रवाल, संजय साहू, डॉ. अनामिका, डॉ. निमिषा, अनुराधा चौधरी, शालेंदु कुमारी, नारायण अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

झारखंड में मौसम साफ, बढ़ी उमस और गर्मी, 30 जुलाई तक गर्जन व वज्रपात का येलो अलर्ट

एजेंसी। रांची

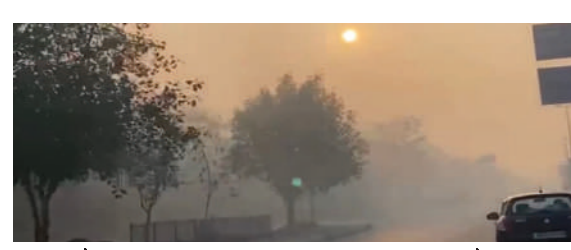

झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में शनिवार से मौसम साफ बना हुआ है। बादलों के छंटने और तेज धूप निकलने से तापमान के साथ-साथ उमस में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रविवार को रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) 93 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई, जिससे लोगों को दिनभर चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 30 जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक मानसूनी गतिविधियां पूरी तरह समाप्त नहीं होंगी। राज्य के अलग-अलग जिलों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों में नहीं रहने, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे शरण नहीं लेने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। किसानों और खुले क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 23 मिलीमीटर वर्षा सिमडेगा जिले में दर्ज की गई। वहीं तापमान के लिहाज से डाल्टेनगंज सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर लातेहार में न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। इससे स्पष्ट है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में मौसम की स्थिति अलग-अलग बनी हुई है। रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप खिली रही। बादलों की अनुपस्थिति के कारण दिनभर गर्मी का असर महसूस किया गया, जबकि वातावरण में नमी अधिक होने से उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। दोपहर के समय बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि मौसम साफ रहने के कारण दैनिक गतिविधियां सामान्य रहीं। राज्य के प्रमुख शहरों में दर्ज तापमान के अनुसार रांची का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 23.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 25.2 डिग्री, डाल्टेनगंज में अधिकतम 33.4 डिग्री और न्यूनतम 25.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 25.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि वातावरण में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल सकता है। धूप और उमस के बीच अचानक बादल छाने, तेज हवा चलने और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में लोगों को मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान और चेतावनियों पर लगातार नजर रखने तथा वज्रपात के दौरान सभी आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

14वीं जेपीएससी परीक्षा विवाद : बाबूलाल मरांडी ने की सीबीआई जांच की मांग, राज्य सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी। रांची

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सीआईडी जांच के माध्यम से पूरे मामले की लीपापोती करने का प्रयास कर रही है और वास्तविक दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से तत्काल इसकी अनुशंसा करने की अपील की। रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में मरांडी ने दावा किया कि झारखंड में सरकारी अधिकारी बनने के लिए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार प्रारंभिक (पीटी) परीक्षा पास कराने के लिए पांच लाख रुपये, मुख्य परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए 25 लाख रुपये तथा साक्षात्कार में चयन सुनिश्चित कराने के लिए 10 लाख रुपये तक की रिश्वत ली जा रही है। उनके अनुसार इस तरह एक अभ्यर्थी से कुल 40 लाख रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया। मरांडी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण संस्थानों में भ्रष्ट और अयोग्य अधिकारियों की नियुक्ति कर रखी है। उन्होंने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के एक अधिकारी तथा जेपीएससी के पूर्व मुख्य परीक्षा नियंत्रक विशाल कुमार का नाम लेते हुए उन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिस संस्थान से राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों का चयन होता है, यदि

वही भ्रष्टाचार से प्रभावित होगा तो झारखंड को ईमानदार और सक्षम अधिकारी नहीं मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि जेपीएससी राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा संस्थान है। यदि इसकी चयन प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में रहेगी तो शासन-प्रशासन की पूरी व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर ऐसे अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों पर बनाए रखती है, जिनकी कार्यशैली पर सवाल उठते रहे हैं। मरांडी ने कहा कि सरकार द्वारा सीआईडी जांच की घोषणा केवल दिखावटी कार्रवाई है। उनका आरोप था कि इस जांच का उद्देश्य सच्चाई सामने लाना नहीं, बल्कि कथित घोटाले के सबूतों को मिटाना है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं तो उन्हें सीबीआई जांच से कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "यह केवल परीक्षा में गड़बड़ी का मामला नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर अपराध है। यदि निष्पक्ष जांच हुई तो कई प्रभावशाली लोगों की भूमिका उजागर हो सकती है।" नेता प्रतिपक्ष ने सीआईडी के अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सरकार ने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप रखी हैं और उनकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए। मरांडी ने कहा कि सीआईडी छात्रों को न्याय दिलाने के बजाय कथित तौर पर उन लोगों को बचाने का माध्यम बन रही है, जिन्होंने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। मरांडी ने दावा किया कि कर्नाटक के एक छात्र ने जनवरी माह में तत्कालीन जेपीएससी अध्यक्ष एल. ख्यांगते को पत्र लिखकर ओएमआर शीट में कथित गड़बड़ी और टीडीएल के एक कर्मचारी अभय तिवारी की भूमिका की जानकारी दी थी। इसके अलावा रेंज अफसर भर्ती परीक्षा में भी अनियमितताओं की सूचना उन्हें पहले से थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। मरांडी ने कहा कि इससे पहले जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की जांच भी सीआईडी से कराई गई थी, लेकिन उसका कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की लगभग हर भर्ती परीक्षा विवादों में रही है और सरकारी नौकरियों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में युवाओं का सरकार पर से विश्वास उठता जा रहा है और यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। मरांडी ने आरोप लगाया कि झारखंड में नौकरियां खुलेआम बेची जा रही हैं और यह सब राज्य सरकार के संरक्षण में हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की गई तो योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य लगातार प्रभावित होता रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि बिना किसी विलंब के पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके और युवाओं का भर्ती प्रक्रिया पर विश्वास बहाल हो। प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह और प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज भी उपस्थित थीं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

संक्षिप्त समाचार

सदर अस्पताल की निगरानी के लिए प्रशिक्षु उपसमाहर्ताओं की तैनाती, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

जामताड़ाः सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार ने प्रशिक्षु उपसमाहर्ताओं की प्रतिनियुक्ति की है। उन्हें अपने प्रशिक्षण कार्य के अतिरिक्त अस्पताल में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, मरीजों के समय पर उपचार, दवाओं की उपलब्धता तथा अनावश्यक रेफरल सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की नियमित जांच करने का निर्देश दिया गया है।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया है कि प्रतिनियुक्त अधिकारी दिन के साथ-साथ रात्रि में भी औचक निरीक्षण करेंगे और प्रतिदिन अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे।

आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और आम नागरिकों से चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की अनुपस्थिति, दवाओं की कमी, मरीजों के समुचित उपचार में लापरवाही तथा अनावश्यक रूप से निजी अस्पतालों में रेफर किए जाने संबंधी शिकायतें लगातार मिल रही हैं। कुछ मामलों में ड्यूटी के दौरान चिकित्सकों के निजी अस्पतालों में समय देने की भी शिकायत सामने आई है, जिससे मरीजों को धनबाद, रांची सहित अन्य शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता है।

इन्हीं शिकायतों को देखते हुए सप्ताहवार रोस्टर के अनुसार सात प्रशिक्षु उपसमाहर्ताओं की तैनाती की गई है, जिन्हें अस्पताल की सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी कर निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर लगाया गया, उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर बिजली

साहिबगंज। संवाददाता। शहर के विद्युत सब-स्टेशन में रविवार को पुराने खराब 10 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह नया 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर देर शाम तक सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। सुबह करीब 9:30 बजे से विद्युत आपूर्ति बंद कर ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य शुरू किया गया। कार्य का संचालन अधीक्षण अभियंता राजकुमार के निर्देशन में कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी के देखरेख में किया गया। डीबीएल कंपनी के 80 टन वजनी वाले क्रेन की सहायता से 10 एमवीए ट्रांसफार्मर को स्थापित किया गया। वही कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी ने बताया कि पुराना ट्रांसफार्मर कई माह से खराब था, नया ट्रांसफार्मर मिलते ही इसे स्थापित किया गया, अब उपभोक्ताओं को निर्बाध ओर बेहतर विद्युत आपूर्ति की जाएगी। वही दूसरी ओर ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान शहर में विभिन्न क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर विद्युत आपूर्ति की गई। इससे उपभोक्ताओं को उमस भरी गर्मी से कुछ राहत मिली, हालांकि कई इलाकों में लोगों को लंबे समय तक बिजली का इंतजार करना पड़ा। मौके पर सहायक अभियंता ज्ञानचंद, कनीय अभियंता नीलगगन, ग्रामीण एसडीओ शिवम पांडे, संतोष कुमार, विशाल कुमार, परवेज अंसारी, सोहन लोहरा, इफ्तेखार अंसारी, राजकुमार तांती, पप्पू, भोला, हिमालय, अमित, आकाश, मुकेश सहित अन्य थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील, शांति गोपाल महतो ने भरवाए एन्यूमरेशन फॉर्म

जामताड़ाः विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची को अद्यतन करने के उद्देश्य से ह्युमन राइट एंड जस्टिस मूवमेंट के झारखंड प्रदेश सचिव शांति गोपाल महतो ने नाला विधानसभा क्षेत्र की आसनबेड़िया पंचायत में मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने में सहयोग किया और उन्हें जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाता होते हैं और किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए।

शांति गोपाल महतो ने बताया कि उनका उद्देश्य मतदाताओं को आवश्यक जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराना है, ताकि सभी पात्र नागरिक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर सकें। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई अंतिम तिथि है और शेष बचे मतदाता समय रहते अपनी प्रक्रिया पूरी करें।

उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि फॉर्म का एक सेट वर्तमान फोटो के साथ जमा करें तथा दूसरा सेट संबंधित बीएलओ के हस्ताक्षर और मुहर के साथ अपने पास सुरक्षित रखें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने लोगों से अपने परिवार, रिश्तेदारों, पड़ोसियों और अन्य पात्र मतदाताओं को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय महिला-पुरुष मतदाता उपस्थित रहे और विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई।

धनबाद-गया रेलखंड के पास झाड़ियों में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, शिनाख्त नहीं हो सकी

डुमरीः डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत धनबाद-गया रेलखंड पर रविवार को एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया।डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार ने बताया कि रेलवे पुल के पास पॉल संख्या 320/17 के झाड़ियों में उक्त शव पड़ा हुआ मिला। प्राथमिक अनुमान के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष है और मौत करीब 4 दिन पहले हुई होगी।शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों से पूछताछ की गई, लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जमशेदपुर को मिली अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सुविधा, डॉ. डी.के. मिश्रा नेफ्रो यूरोलॉजी एंड स्टोन सेंटर का भव्य उद्घाटन

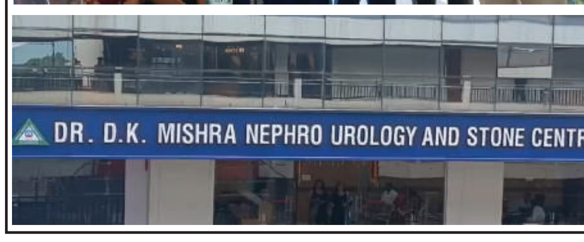

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर। शहर के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। सोनारी मरीन ड्राइव स्थित बिंदल मॉल की दूसरी मंजिल पर स्थापित डॉ. डी.के. मिश्रा नेफ्रो यूरोलॉजी एंड स्टोन सेंटर के अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन श्रीमती रंजना मिश्रा के करकमलों द्वारा विधिवत संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में शहर के अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सक, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. डी.के. मिश्रा ने बताया कि 20 बेड वाले इस आधुनिक अस्पताल में मरीजों को एक ही छत के नीचे उन्नत एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्स-रे, ओपीडी एवं इंडोर सेवाएं, अत्याधुनिक यूरोलॉजी ऑपरेशन थिएटर तथा जनरल सर्जरी ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में पथरी रोग, एंडो-यूरोलॉजिकल सर्जरी, लेजर सर्जरी तथा यूरोलॉजी से संबंधित कैंसर का आधुनिक तकनीक से उपचार किया जाएगा। अस्पताल को पूरी तरह वातानुकूलित बनाया गया है, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान स्वच्छ, आरामदायक और विश्वस्तरीय वातावरण मिल सके।

डॉ. मिश्रा ने अपने लंबे चिकित्सकीय अनुभव का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने वर्ष 1995 में तत्कालीन दक्षिण बिहार (वर्तमान झारखंड) में यूरोलॉजी विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं प्रारंभ की थीं। लगभग 35 वर्षों के अनुभव के दौरान उन्होंने हजारों मरीजों का सफल उपचार किया है। उन्होंने कहा कि इस नए अस्पताल की स्थापना का उद्देश्य जमशेदपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को महानगरों जैसी आधुनिक और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर रोगों के उपचार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम हो।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि साकची स्थित श्री शीतला मंदिर के समीप तनिष्क शोरूम के नीचे संचालित उनकी ओपीडी पूर्व की भांति नियमित रूप से जारी रहेगी, जिससे पुराने मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

समारोह में डॉ. बलराम झा, डॉ. एस.पी. सिन्हा, डॉ. हरप्रीत सिंह, दशरथ काउंटिया, अनिल अग्रवाल, रविन्द्र कुमार झा (नट्टू झा) सहित शहर के अनेक चिकित्सक, गणमान्य नागरिक एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अस्पताल की आधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया और इसे जमशेदपुर के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण एवं स्वागतयोग्य उपलब्धि बताया।

समारोह के अंत में उपस्थित अतिथियों ने आशा व्यक्त की कि यह अस्पताल न केवल जमशेदपुर बल्कि पूरे कोल्हान क्षेत्र के मरीजों के लिए आधुनिक यूरोलॉजी एवं नेफ्रोलॉजी उपचार का प्रमुख केंद्र साबित होगा।

गिरिडीह ने रचा इतिहासः राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल में बालक और बालिका दोनों टीमें बनीं चैंपियन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः रांची के खेलगांव में आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय 'लिटिल चैंप्स' फुटबॉल प्रतियोगिता में गिरिडीह जिले ने इतिहास रच दिया है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के राज्य परियोजना निदेशक द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में गिरिडीह की बालक और बालिका दोनों टीमों ने खिताब जीतकर जिले का नाम रोशन किया।प्रतियोगिता में राज्य के 24 जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया था। बालिका वर्ग के फाइनल में गिरिडीह ने सिमडेगा को पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता बालिका टीम गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय, औरा की है।बालक वर्ग के फाइनल में गिरिडीह की टीम ने रामगढ़ को हराकर खिताब जीता। विजेता बालक टीम संत जॉन ब्रिट्टो मिडिल स्कूल, गांडेय की है।विजेता टीमों के रांची से गिरिडीह लौटने पर गिरिडीह जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों ने डुमरी अनुमंडल

कार्यालय परिसर में उनका जोरदार स्वागत किया।इस अवसर पर गिरिडीह जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद महतो, उपाध्यक्ष सरफराज अहमद और महासचिव युगल किशोर महतो ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उपहार एवं बुके देकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि गांडेय और बगोदर प्रखंड की टीमों ने राज्य स्तर पर जीतकर जिले को गौरवान्वित किया है। इसी लगन और मेहनत से आगे भी खेलते रहें। आज आपने राज्य स्तर पर जीत हासिल की है, कल राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रोशन करेंगे।इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने दोनों टीमों के कोच बीरेश प्रसाद सिंह एवं अजीत कुजूर को भी बधाई दी।स्वागत समारोह में नरेश कुमार, नागेश्वर मंडल, सदीक अली, खुर्शीद अंसारी, इम्तियाज अंसारी, आसिफ अंसारी, जगन्नाथ ठाकुर, दीपक जैन, नागेश्वर महतो, महेंद्र बिंद सहित कई खेलप्रेमी उपस्थित थे।

बरहरवा–पाकुड़ मुख्य मार्ग पर बांस लदी जुगाड़ गाड़ी पलटी, चालक घायल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः बरहरवा–पाकुड़ मुख्य मार्ग पर रविवार को दुलूमपुर के समीप एक बांस लदी जुगाड़ गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। दुर्घटना में जुगाड़ गाड़ी का चालक घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि इस हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जुगाड़ गाड़ी दुलूमपुर के पास चालक का वाहन से संतुलन बिगड़ गया, जिससे गाड़ी सड़क से नीचे उतरकर खेत में पलट गई। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में जुगाड़ गाड़ियों का संचालन लगातार जारी है। प्रशासन द्वारा समय-समय पर इन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के

बावजूद इसका कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। बिना पंजीकरण और सुरक्षा मानकों के विपरीत चलने वाली ये जुगाड़ गाड़ियां आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं, जिससे आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध रूप से संचालित जुगाड़ गाड़ियों पर प्रभावी और नियमित कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। वहीं, दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त जुगाड़ गाड़ी को खेत

से निकालने का प्रयास किया जा रहा था।

बंद पड़े हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-3 परिसर में पूर्ववर्ती छात्रों ने रोपे 200 से अधिक पौधे, यादें कीं ताजा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो शहर के पर्यावरण को और अधिक खूबसूरत और स्वच्छ बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। सेक्टर-3 स्थित बंद पड़े हायर सेकेंडरी स्कूल के मैदान और उसके आसपास के क्षेत्र में स्कूल के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं ने 200 से अधिक पौधे लगाकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया। एलुमनाई ने अपने सहपाठियों और गुरुजनों की स्मृति में यह पौधारोपण किया। इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्रों ने स्कूल के स्वर्णिम इतिहास को याद करते हुए कहा कि एक दौर में यह विद्यालय बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शुमार था। यहां से पढ़ाई कर निकले सैकड़ों छात्र आज देश-विदेश में बतौर इंजीनियर, डॉक्टर, प्रशासनिक अधिकारी, वैज्ञानिक

और कलाकार अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पौधारोपण कार्यक्रम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कई प्रमुख हस्तियों ने सहभागिता निभाई। इनमें मुख्य रूप से अभियंता व एमएसएमई संगठन के अध्यक्ष शशि भूषण विश्वकर्मा, भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष रमन कुमार सिन्हा, झारखंड के पूर्व डीएसपी कन्हैया कुमार सिंह, राष्ट्रीयकृत बैंक के पूर्व प्रबंधक सुनील कुमार, वॉलीबॉल कोच अभिमन्यु कुमार सिंह, आरएन क्रिकेट अकादमी के संस्थापक व क्रिकेट कोच अनिल कुमार सिंह, एमएसआरसी के रविकांत ठाकुर, नोएडा की अंतरराष्ट्रीय समाजसेविका सरिता गिरी, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संजय गर्ग, कोलकाता के अंतरराष्ट्रीय व्यापारी बी. बी. सिंह, दिल्ली के राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डी. के. पांडे, उद्यमी प्रमोद झा, झारखंड के पूर्व जेल अधीक्षक ललन सिन्हा, विश्व बैंक के पूर्व प्रबंधक अरिंदम पाल, बीएसएल के पूर्व महाप्रबंधक ओंकारनाथ, बोकारो पावर सप्लाई कंपनी के पूर्व अधिकारी अनिल कुमार, पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता अरविंद कुमार सिंह, अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी व प्रबंधन विशेषज्ञ कृष्ण सहाय तथा बोकारो के उद्यमी जगमोहन सिंह जग्गी शामिल रहे।

वृक्षारोपण अभियान में स्थानीय क्लब के छात्रों ने भी अपना सक्रिय सहयोग दिया। इस दौरान पूर्ववर्ती छात्रों ने स्कूल प्रांगण में आयोजित हो रहे क्रिकेट टूर्नामेंट के विजेताओं के लिए स्कूल के नाम पर शील्ड देने और इस ऐतिहासिक मैदान को युवाओं के लिए और अधिक उपयोगी बनाने का संकल्प लिया।

कारगिल शहीद जोनाथन सुबोध मरांडी को दी गई श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः जिले के तालझारी प्रखंड में कारगिल दिवस के मौके पर रविवार को कारगिल शहीद जोनाथन सुबोध मरांडी के प्रतिमा पर पदाधिकारी एवं गण्यमान लोगों द्वारा माल्यर्पण किया गया। तालझारी स्टेशन चौक पर स्थापित शहीद जोनाथन सुबोध मरांडी की प्रतिमा पर जोनाथन सुबोध मरांडी की पत्नी रूथ टुडू, बीडीओ सह सीओ राम सुमन प्रसाद थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, रेंजर पंचम दुबे, पूर्व सीआई रविशंकर राम ने माल्यर्पण किया। बीडीओ राम सुमन प्रसाद के हाथो शहीद जोनाथन सुबोध मरांडी की पत्नी रूथ टुडू को शोल देकर सम्मानित किया। शहीद जोनाथन सुबोध मरांडी भारत पाकिस्तान की कारगिल युद्ध के बाद सीमा पर तैनात रह कर सीमा की रखवाली कर रहे थे, पाकिस्तानी दुश्मनों ने निशाना बनाकर शहीद कर दिया। कारगिल युद्ध के दौरान भारत के कई जवान शहीद हुए थे उन शहीदों में इनका नाम दर्ज है। इस दौरान ओम प्रकाश पंडित, अंचल नाजिर अवधेश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

साधु के भेष में चल रहा था गांजा तस्करी का काला कारोबार, सप्लायर समेत दो शातिर तस्कर गिरफ्तार, 7.8 किलो गांजा बरामद

एमजीएम थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गुप्त सूचना पर छापेमारी में गांजा, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और मोबाइल जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए साधु के भेष में गांजा तस्करी का नेटवर्क चलाने वाले सप्लायर समेत दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 7 किलो 800 ग्राम गांजा, गांजा से भरे रोल, गांजा पैक करने की सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, दो मोबाइल फोन तथा बिक्री से प्राप्त नकदी बरामद की है।

वरीय पुलिस अधीक्षक को 25 जुलाई की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि एमजीएम थाना क्षेत्र के सिमुलडांगा (देवघर) एनएच-33

स्थित काली मंदिर के पास एक गुमटी से अवैध रूप से गांजा की पुड़िया बनाकर बेची जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के निर्देशन में डीएसपी पटमदा दयानंद कुमार और एमजीएम थाना प्रभारी सचिन कुमार दास के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से रौशन कुमार को गिरफ्तार किया। तलाशी में 130 ग्राम गांजा, गांजा से भरे 60 रोल, पैकिंग सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और 3,060 रुपये नकद बरामद हुए।

पूछताछ में रौशन ने खुलासा किया कि वह बोड़ाम थाना क्षेत्र के जोभा गांव निवासी शंभू महतो उर्फ साधु से सप्ताह में दो-तीन बार गांजा लाकर शहर में बेचता था।

रौशन की निशानदेही पर रविवार को पुलिस ने जोभा गांव में शंभू महतो उर्फ साधु के घर पर छापेमारी की, जहां से अलग-अलग पैकेटों में रखा गया भारी मात्रा में गांजा और गांजा का बीज बरामद हुआ। कुल बरामद गांजा का वजन 7 किलो 800 ग्राम पाया गया। साथ ही 5,840 रुपये नकद, मोबाइल फोन और पैकिंग सामग्री भी जब्त की गई।

इस मामले में एमजीएम थाना कांड संख्या 84/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(b)(ii) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार रौशन कुमार पहले भी एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य तस्करों की तलाश में जुटी है।

हिन्दी दैनिक Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

पैसों से तिजोरी भर देंगे 5 चमत्कारी पौधे

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में प्रकृति और पौधों को सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। कुछ पौधे ऐसे होते हैं जो घर के वातावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ आर्थिक तंगी को दूर कर धन और खुशहाली को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यदि इन्हें सही दिशा और श्रद्धा के साथ घर में लगाया जाए, तो घर की तिजोरी कभी खाली नहीं रहती।

आर्थिक समृद्धि के लिए सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय मनी प्लांट है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा धन को अपनी ओर खींचता है। यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है। इसे हमेशा घर की दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण में लगाना चाहिए, क्योंकि यह दिशा भगवान गणेश और शुक्र ग्रह की मानी जाती है जो बुद्धि और धन-वैभव के प्रतीक हैं।

क्रसुला को मनी ट्री या जेड प्लांट भी कहा जाता है। वास्तु और फेंगशुई दोनों में इसे धन आकर्षित करने के लिए बेहद शक्तिशाली माना गया है। इसकी पत्तियाँ मोटी और चिकनी होती हैं जो ऊर्जा और धन को संचित करने का काम करती हैं। इसे लगाने से घर में धन का ठहराव होता है और बेवजह के खर्चे रुकते हैं। इसे घर के मुख्य द्वार के दाहिनी ओर या प्रवेश द्वार के पास रखना सबसे शुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म में तुलसी को केवल पौधा नहीं, बल्कि मां लक्ष्मी का रूप माना गया है। जिस घर में तुलसी का पौधा हरा-भरा रहता है, वहाँ कभी दरिद्रता प्रवेश नहीं कर सकती। यह पौधा घर से सभी प्रकार के वास्तु दोष मिटाता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। तुलसी जी की नियमित पूजा और जल अर्पित करने से मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। तुलसी को उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए।

नीले फूलों वाली अपराजिता की बेल धन और सफलता के लिए अचूक मानी जाती है। इसके फूल भगवान विष्णु और शनिदेव को अत्यंत प्रिय हैं। इसे लगाने से व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है, आय के नए स्रोत खुलते हैं और आर्थिक रुकावटें समाप्त होती हैं। इसे घर की पूर्व या उत्तर दिशा में लगाना अत्यंत शुभ फलदायी होता है।

शमी का पौधा सीधे तौर पर न्याय के देवता शनिदेव और भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। घर में शमी का पौधा लगाने से शनि दोष कम होते हैं और जब जीवन से बाधाएँ हटती हैं, तो धन आगमन के मार्ग स्वतः खुलने लगते हैं। शनिवार के दिन इसके नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाने से घर में अपार सुख-समृद्धि आती है। इसे मुख्य द्वार के बाहर ऐसी जगह लगाएं कि घर से बाहर निकलते समय यह आपके दाहिनी ओर पड़े।

इन पौधों को लगाते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इन्हें कभी भी सूखने न दें, क्योंकि सूखे पौधे नकारात्मक ऊर्जा लाते हैं। पौधों के आसपास हमेशा साफ-सफाई रखें। यदि आप भी अपने जीवन में आर्थिक तंगी से परेशान हैं या धन में वृद्धि चाहते हैं, तो इन चमत्कारी पौधों को अपने घर में अवश्य लगाएं और उचित देखभाल करें।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम

योगेश कुमार गोयल

-अब्दुल कलामः सत्ता नहीं, संस्कारों से बने महान (डा. अब्दुल कलाम स्मृतिदिवस (27 जुलाई) पर विशेष)

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें। 15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर। देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने

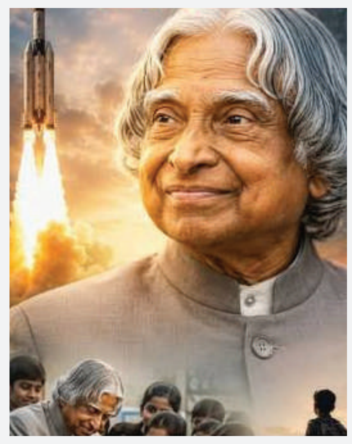

निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे। भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है। डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान् विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

"सत्य और अहिंसा ही मेरे ईश्वर हैं, इनके मार्ग पर चलकर ही मुक्ति संभव है।"
- महात्मा गांधी

"उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक कि लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।" -स्वामी विवेकानंद

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि (शाम 04:16 बजे तक) रहेगी, जिसके बाद चतुर्दशी तिथि शुरू हो जाएगी। दोपहर 11:39 AM से 12:31 PM तक (यह समय कोई भी नया या शुभ कार्य शुरू करने के लिए सर्वश्रेष्ठ है)।

आज जन्म लिए बालक का फल...

बच्चे का जन्म मूल नक्षत्र (सुबह 10:28 बजे तक) या पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र (सुबह 10:28 बजे के बाद) में होगा। इस दिन चंद्रमा धनु राशि में संचार करेगा, जिससे बच्चे की जन्म राशि धनु होगी और अंकशास्त्र के अनुसार इनका मूलांक 9 (2 + 7 = 9) होगा। बच्चे की बुद्धि कुशाग्र होगी। वह पढ़ाई-लिखाई और नई चीजों को सीखने में हमेशा आगे रहेगा।

मेष राशि : आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे।

वृष राशि : आज अचानक ही महत्वपूर्ण काम के पूरे हो जाने से आपको बहुत प्रसन्नता होगी।

मिथुन राशि : व्यापार में रोज की अपेक्षा अधिक मुनाफा होने की उम्मीद है।

कर्क राशि : घर के रखरखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी योजना बना सकते हैं।

सिंह राशि : आज आप घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने की योजना बनायेंगे।

कन्या राशि : प्रतियोगी छात्रों के लिए किसी परीक्षा का मोस्ट अवेटेड रिजल्ट उनके पक्ष में आएगा।

तुला राशि : आप अपनी पारिवारिक व व्यावसायिक जिम्मेदारियों को आज बखूबी निभाएंगे।

वृश्चिक राशि : लंबे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए बदलाव भी कर सकते हैं।

धनु राशि : आपकी कार्य योजनाओं को आज सकारात्मक दिशा मिलेगी।

मकर राशि : आज का दिन आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आने वाला है।

कुंभ राशि : आपकी शिक्षा अथवा करियर से संबंधित समस्याएं दूर होंगी।

मीन राशि : इस राशि के लेखकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

एक प्रोटेस्ट और 36 दिनों में टूट गया भाजपा का वर्षों से बना तिलस्म

सोहिल जैन

देर आए, दुरुस्त आए की तर्ज पर शुरू हुआ सीजेपी का प्रोटेस्ट केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उसने देश में एक ऐसी बहस और आंदोलन को जन्म दे दिया है, जिसने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द पिछले कई वर्षों में बने राजनीतिक तिलस्म को चुनौती दे दी है।

पिछले 12 वर्षों से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार को लेकर एक ऐसा माहौल तैयार किया था, जिसे धीरे-धीरे लोग भी सच मानने लगे थे। भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार को लेकर यह कहा जाता था कि यह सरकार किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी तरह के प्रेशर में काम या निर्णय नहीं करते। इसी परसेप्शन के आधार पर लोगों में भी ऐसी धारणा बनने लगी थी कि यह सरकार और नरेंद्र मोदी लंबे समय तक देश पर शासन करेंगे या यूं कहें यही परसेप्शन लेकर भाजपा ने अपना 'विजन 2047' तैयार किया था और ऐसा मानते थे कि आने वाली युवा पीढ़ी भी भाजपा समर्थक ही है। देश एक तरह से यह राजनीतिक भ्रम में फैल गया था कि इस सरकार को कोई चुनौती नहीं दे सकता।

इसमें कहीं न कहीं भाजपा की सोशल मीडिया मशीनरी और मीडिया के एक बड़े हिस्से का भी योगदान रहा, जिन्होंने ऐसा माहौल बनाया कि लोगों को लगने लगा मानो मोदी और भाजपा का कोई विकल्प ही नहीं है।

लेकिन जैसा अभिजीत दीपक ने जंतर-मंतर से कहा कि "झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।" यह युवा वर्ग शिक्षित ही नहीं है, बल्कि सही और गलत के बीच फर्क भी अच्छी तरह समझता है। अब तक उनकी चुप्पी को उनकी सहमति समझ लिया गया था, जबकि वास्तविकता कुछ और थी।

एक कहावत है कि "एक चिंगारी पूरे जंगल में आग लगा देती है।" कुछ वैसा ही इस बार पेपर लीक का मुद्दा साबित होता दिखाई दे रहा है। इसी चिंगारी

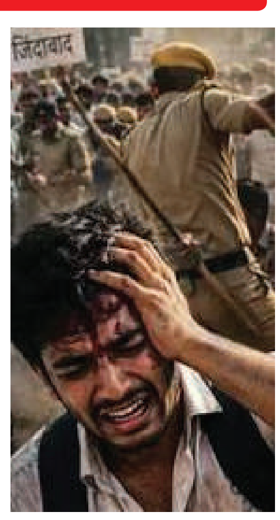

ने युवाओं के भीतर मौजूद आक्रोश को सामने ला दिया।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा अपने पुराने राजनीतिक तिलस्म को फिर से खड़ा कर पाएगी? निश्चित रूप से इसके लिए पार्टी की पूरी मशीनरी काम कर रही है। लेकिन जिस तरह के बयान, इंटरव्यू और युवाओं की प्रतिक्रियाएं सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रही हैं, उनसे इतना तो स्पष्ट है कि यह पीढ़ी अब बहुत कुछ समझती है। इनमें से अधिकांश युवा 'फर्स्ट-टाइम वोटर्स' हैं और अपने जीवन में शायद पहली बार किसी ऐसे बड़े आंदोलन का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने न पहले कभी इस तरह का देशव्यापी छात्र आंदोलन देखा था और न ही उनके लिए कभी ऐसा आंदोलन हुआ, जिसमें देशभर के युवा एक ही मांग को लेकर एक मंच पर एकजुट हुए हों। ऐसे में आने वाले समय की राजनीतिक राह भाजपा के लिए वैसी आसान नहीं दिखती, जैसी पिछले कई वर्षों से दिखाई देती रही है। जिन युवाओं को भाजपा अपने 'मिशन 2047' का स्वाभाविक समर्थक मान रही थी, उसी युवा वर्ग ने इस आंदोलन के जरिए यह संकेत दिया है कि वह हर नीति और हर कार्यप्रणाली से सहमत नहीं है तथा अपने मुद्दों पर खुलकर आवाज उठाने के लिए तैयार है।

भाजपा के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर ये दो पंक्तियां सटीक बैठती हैं- जब सच की लौ जली तो ये वहम बिखर गए, सालों से बुने ख़्वाब पल भर में ही टूट गए।

नैतिकता नहीं,भारी युवा आक्रोश के चलते हुआ शिक्षा मंत्री का इस्तीफ़ा

तनवीर जाफ़री

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहा छात्रों व युवाओं का आंदोलन अभी लगभग पूरे देश में फैलता ही जा रहा था कि गत शनिवार सरकार को उन्हें पद से हटाना ही पड़ गया। आंदोलित छात्रों को केवल विपक्ष या अन्य तमाम सेलेब्रिटीज़ का ही समर्थन नहीं मिला बल्कि उन्हें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी का भी समर्थन हासिल हुआ। जोशी ने छात्र आंदोलन को अपना समर्थन देते हुये कहा था कि महिलाओं और कम उम्र की लड़कियों के साथ बेरहमी से बुरा व्यवहार किया गया, जिससे उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर हैं और उनकी चिंताएँ वाजिब हैं, जिनका समाधान सहानुभूति और संवाद के माध्यम से होना चाहिए था, न कि केवल क़ानून-व्यवस्था का मामला मानकर बल प्रयोग से। परन्तु अहंकारी सत्ता ने समय रहते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की उनकी मांग पूरी करने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें भयभीत करने की रणनीति अपनाई। और आख़िरकार पुलिस की दमनकारी नीति सरकार को और भारी पड़ गयी। सवाल यह है कि जिस धर्मेंद्र प्रधान के जुलाई 2021 से जुलाई 2026 तक के शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान देश में अलग-अलग स्तरों पर लगभग 70 से 80 बार पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। जिस धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री मंत्री रहते विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (विशेषकर NEET और UGC-NET) में हुई पेपर लीक की घटनाओं और उनके मानसिक तनाव के कारण और उसके बाद उनके भविष्य को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के चलते पिछले कुछ हफ़्तों में ही 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। और देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य सीधे तौर पर प्रभावित हुआ, केवल नीट परीक्षा के पेपर लीक, परिणाम रद्द होने और री-टेस्ट के कारण अकेले 22 लाख से अधिक (2.2 मिलियन) छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया और उन्हें दोबारा भीषण मानसिक तनाव में परीक्षा की तैयारी करनी पड़ी। इसी तरह यूजीसी-नेट परीक्षा, डार्क नेट पर पेपर लीक होने की वजह से रातों-रात परीक्षा रद्द होने के कारण 9 लाख से अधिक छात्रों का कैरियर सीधे प्रभावित हुआ। ऐसे शिक्षा मंत्री को हटाने में सरकार को आख़िर इतना समय क्यों लगा ? दरअसल धर्मेंद्र प्रधान बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका पूरा राजनीतिक और सामाजिक आधार संघ से ही प्रेरित रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देबेंद्र प्रधान ओडिशा में भाजपा के शुरुआती नेताओं में से थे और स्वयं संघ के आजीवन कार्यकर्ता रहे। डॉ. देबेंद्र प्रधान 1998-2004 के मध्य वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे । जुलाई 2021 में जब धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद की ज़िम्मेदारी दी गई, तो उन्होंने देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) को लागू करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान उन्होंने पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर भारतीय महापुरुषों और स्वदेशी इतिहास को प्रमुखता से शामिल करने का कार्य किया, जिसे संघ के सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण के अनुकूल माना जाता है। धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और नए नेशनल Curriculum फ्रेम वर्क (NCF-SE 2023) के तहत स्कूली पाठ्यक्रमों (विशेषकर NCERT किताबों) में व्यापक बदलाव किए गए। इसमें वेदों, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन खगोल विज्ञान और भारत की समृद्ध गणितीय विरासत (जैसे प्राचीन गणितज्ञों के योगदान) से जुड़े संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। कक्षा 6 से ही कोडिंग, वित्तीय साक्षरता,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और स्थानीय शिल्पकला (जैसे मिट्टी के बर्तन बनाना, बाग़बानी आदि) जैसे व्यावहारिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रम में जोड़ा गया। स्कूली स्तर पर स्वास्थ्य, कल्याण और योग को शारीरिक शिक्षा के अनिवार्य और मुख्य मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। इसी तरह NCERT की कक्षा 6 से 12वीं तक की किताबों से पाठ्यक्रम का लगभग 30% हिस्सा हटा दिया गया, जिसे लेकर काफ़ी विवाद भी हुआ। इतिहास की किताबों (विशेषकर कक्षा 12वीं) से मुग़ल दरबार, मुग़ल शासकों के इतिहास और उनके प्रशासनिक तौर-तरीक़ों से जुड़े कुछ विस्तृत अध्यायों और अंशों को हटाया या छोटा किया गया। सामाजिक विज्ञान की किताबों से 2002 के गुजरात दंगे, देश में लागू हुआ आपातकाल, नक्सली आंदोलन और शीत युद्ध के दौर से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदर्भों और अध्यायों को पूरी तरह हटा दिया गया। कक्षा 9वीं और 10वीं की विज्ञान की किताबों से जीवों के विकास के सिद्धांत यानी डार्विन का सिद्धांत और आवर्त सारणी के कुछ बुनियादी अध्यायों को मुख्य पाठ्यक्रम से हटाया गया। कक्षा 10वीं के नागरिक शास्त्र से लोकतंत्र और विविधता, लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन तथा लोकतंत्र की चुनौतियां जैसे अध्यायों को पाठ्यक्रम से बाहर किया गया। उस समय शिक्षा मंत्रालय और NCERT ने इन बदलावों पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि यह बदलाव विशेषज्ञों की राय, विभिन्न स्तरों पर पाठों के दोहराव को रोकने और छात्रों को आधुनिक समय की ज़रूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए किए गए हैं, न कि किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत। शायद यही वजह थी कि संघ के एजेंडे को लागू करने वाली नई शिक्षा नीति के कार्यान्वन के मध्य सरकार प्रधान को हटाना नहीं चाह रही थी। परन्तु अब राजनीतिक गलियारों में अपुष्ट रूप से यह चर्चा भी हो रही है कि युवा आंदोलन के मध्य संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा सरकार को युवाओं के साथ संवाद और संवेदनशीलता बरतने के दिए गए हालिया सुझाव के बाद ही सरकार ने उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने का फ़ैसला किया है। बहरहाल शिक्षा मंत्री के इस्तीफ़े के बाद देश भर में युवाओं में दौड़ती ख़ुशी के लहर इस बात का सुबूत है कि धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिकता के चलते नहीं बल्कि भारी युवा आक्रोश के चलते शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा है जिसे देश की युवा शक्ति अपनी बड़ी सफलता और जीत के रूप में देख रही है।

सत्य, अहिंसा और शांति की जीत

सनत जैन

भारत की राजनीति और सोच में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा कॉकरोच पर टिप्पणी की गई थी। विदेश में इस टिप्पणी के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से एक मंच खड़ा हुआ। पेपर लीक मामले को लेकर काकरोच जनता पार्टी ने जो आंदोलन शुरू किया, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षा एवं पर्यावरणविद सोनम वांगचुक का साथ मिला, 24 दिन का आमरण अनशन, जंतर मंतर सहित देश के 20 राज्यों में 300 से ज्यादा स्थानों में जेन-जी के युवाओं ने जिस शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन किया।

विषम परिस्थितियों में शांतिपूर्ण आंदोलन किया। इस आंदोलन ने सारी दुनिया को चौंका दिया है। श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश के युवाओं ने जिस तरह के प्रदर्शन किए। सत्ता को बेदखल किया था। उसका जरा भी असर भारत में देखने को नहीं मिला। महावीर बुद्ध और गांधी के देश में सत्य, अहिंसा और शांति के साथ युवाओं ने यह साबित कर दिया है, उनमें भारत के संस्कारों का डीएनए है। वह अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से भी मनवा सकते हैं।

दिल्ली पुलिस द्वारा जिस तरह से आंदोलनकारियों के ऊपर बल प्रयोग किया गया। उसके बाद भी यह भीड़ शांत रही, शांति के साथ वह अपनी बात पर अड़ी रही। आंदोलनकारियों का कहना था। जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होगा, वह अपना आंदोलन जारी रखेंगे। पिछले 12

वर्षों के इतिहास में यह पहला आंदोलन है, जिसने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। इस आंदोलन ने लोगों को 1942 के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन की याद दिला दी। उस समय आजाद हिंद फौज के नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा वाला प्रभावी नारा दिया। उसी दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन हुआ। देश भर के सभी स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हुए। अंग्रेज सरकार ने उन्हें जेलों में बंद किया, छात्र-छात्राओं को कई महीने जेल की सजा हुई थी। उनके परिवारों का अंग्रेज सरकार ने उत्पीड़न किया था। अंग्रेजों के दमनकारी नीति से आंदोलन तेज हुआ। परिणामस्वरूप अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाना पड़ा। पिछले 12 वर्षों से एनडीए की सरकार केंद्र में है। इसमें जो भी आंदोलन हुए। सभी आंदोलनो को सरकार ने बल प्रयोग करते हुए दबाने में सफलता हासिल की थी।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूर्णेन्दु 'पुष्पेश' द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

बिहार मुख्यधारा

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में स्नेक बाइट से 4 वर्षीय मासूम की मौत, परिजन झाड़-फूंक कराते रहे

हाजीपुर। वैशाली के बालिगांव थाना क्षेत्र के खोआजपुर बस्ती गांव में सांप के काटने से एक चार वर्षीय मासूम की मौत हो गई। यह घटना शनिवार सुबह हुई, जब बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। मृतक की पहचान खोआजपुर बस्ती गांव निवासी अजीत कुमार के चार वर्षीय पुत्र शिवांश कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे शिवांश को घर के बाहर खेलते समय किसी विषैले सांप ने उंगली में काट लिया था। सांप के काटने के बाद परिजन पहले उसे झाड़-फूंक के लिए ले गए। हालांकि, हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद, इलाज के दौरान शिवांश ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर बालिगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। शनिवार देर रात करीब 2:30 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया। बालिगांव थाना पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, चिकित्सकों ने बरसात के मौसम में सांप काटने की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचने की सलाह दी है, ताकि समय पर उपचार मिलने से मरीज की जान बचाई जा सके।

बिदुपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' से लौटाए दर्जनों मोबाइल, गुम हुए फोन पाकर मालिक खुश

हाजीपुर। वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बिदुपुर थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गुम या चोरी हुए दर्जनों मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। लंबे समय बाद अपने मोबाइल वापस मिलने पर धारकों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। बिदुपुर थाना परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित कर ये मोबाइल फोन सौंपे गए। पुलिस अवर निरीक्षक रचना तिवारी ने बताया कि थाना क्षेत्र से गुम या चोरी हुए मोबाइलों की शिकायतें मिली थीं। तकनीकी टीम की मदद से लगातार जांच, सर्विलांस और विश्लेषण के आधार पर इन फोनों को बरामद किया गया। सत्यापन के बाद वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इन्हें मालिकों को सौंपा गया। मोबाइल प्राप्त करने वालों में विकास कुमार भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले उनका मोबाइल बाजार में गुम हो गया था, जिसकी सूचना उन्होंने बिदुपुर थाना में दर्ज कराई थी। विकास ने पुलिस की तत्परता और तकनीकी प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता से आम लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर तत्काल नजदीकी थाना या संबंधित पोर्टल पर सूचना दर्ज कराएं। समय पर जानकारी देने से बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है। पुलिस ने यह भी बताया कि 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे, जिससे लोगों की खोई हुई संपत्ति वापस मिल सके और जनता का पुलिस पर विश्वास और बढ़े।

चेन छीनते युवक पकड़ा गया:लोगों ने जमकर की धुनाई, दूसरा आरोपी फरार, पुलिस ने बचाकर अस्पताल पहुंचाया

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े चेन छिनतई के आरोप में दो युवकों की भीड़ ने जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एक घायल युवक को भीड़ से छुड़ाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 12 बजे रामाशीष चौक के पास हुई।

बाइक पर सवार दो युवकों ने एक राहगीर के गले से सोने की चेन झपटी और महुआ मोड़ की ओर भागने लगे। राहगीरों और दुकानदारों ने शोर सुनकर उनका पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में महुआ मोड़ के पास लोगों ने दोनों युवकों को घेर लिया। भीड़ ने एक युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जबकि दूसरा युवक मौके से फरार होने में सफल रहा। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवक को भीड़ से छुड़ाया और प्राथमिक उपचार के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज चल रहा है। पकड़े गए युवक ने पुलिस को बताया कि वह पटना से अपनी बहन को हाजीपुर के रामाशीष चौक लाया था। उसका दावा है कि बहन को मुजफ्फरपुर की बस में बैठाने के दौरान यह घटना हुई। पुलिस उसके इस बयान की सत्यता की जांच कर रही है। सदर थाना पुलिस के अनुसार, घायल युवक की पहचान सिलीगुड़ी जिले के राजगंज थाना क्षेत्र के झंझुपड़ा गांव निवासी राजेश सिंह के पुत्र आकाश दीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस घटना में 30 वर्षीय सिंटू सिंह, जो अधिक ग्वाला के पुत्र हैं, भी शामिल था, जो मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष ने जानकारी दी कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार दूसरे युवक की तलाश में छापेमारी की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

4 दिन में तीन लोगों को लॉरेंस गैंग की धमकी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर व्हाट्सएप के जरिए रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। चार दिनों के भीतर तीन मामला सामने आया है। इस बार साहेबगंज के जिला पार्षद एवं स्कूल संचालक राजेश कुमार सहनी से 1 करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। रकम नहीं देने पर उनके अपहरण और पूरे परिवार की हत्या की धमकी दी गई है। मामले में साहेबगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस तकनीकी जांच में जुट गई है। वहीं, एक प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) को भी इसी तरह का धमकी भरा मैसेज मिला है, हालांकि उन्होंने अब तक इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की है। साहेबगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर हजारी निवासी जिला पार्षद राजेश कुमार सहनी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि शुक्रवार रात उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप नंबर से मैसेज आया। प्रोफाइल फोटो पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर लगी थी। मैसेज में लिखा था, 'मैं मुंबई से लॉरेंस बिश्नोई गैंग से बोल रहा हूं। दो से तीन दिन के भीतर 1 करोड़ दे दो, नहीं तो तुम्हारा अपहरण कर लिया जाएगा। पैसा नहीं दिया तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा।' धमकी मिलने के बाद उन्होंने तुरंत साहेबगंज थाना में शिकायत दर्ज कराई और परिवार की सुरक्षा की मांग की। इसी बीच जिले के एक प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को भी इसी तरह का धमकी भरा व्हाट्सएप मैसेज मिलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर उन्होंने बताया कि फिलहाल उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से नहीं की है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में इस तरह की खबरें सामने आने के बाद उन्हें भी ऐसा मैसेज मिला। प्रथम दृष्टया उन्हें यह किसी की शरारत या बदमाशी लग रही है। उन्होंने कहा कि यदि दोबारा इस तरह का मैसेज आता है या मामला गंभीर प्रतीत होता है, तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे।

पूर्व सांसद अर्जुन राय ने राजद से दिया इस्तीफा

मुजफ्फरपुर। बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सीतामढ़ी के पूर्व सांसद अर्जुन राय ने पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने रविवार को मुजफ्फरपुर शहर के चांदनी चौक स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। अर्जुन राय ने प्रेस वार्ता में बताया कि वह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और बिहार में पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से प्रभावित होकर यह निर्णय लिया है। वर्तमान समय में राजद के काम करने के तौर तरीका ठीक नहीं है। इस अवसर पर अर्जुन राय ने केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के फैसले की सराहना की। उन्होंने बिहार में पंचायत चुनाव से पहले प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का भी स्वागत करते हुए कहा कि सरकार जनहित में बेहतर कार्य कर रही है। अर्जुन राय के इस इस्तीफे और भाजपा में शामिल होने के फैसले को बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनके इस कदम का आगामी चुनावी समीकरणों पर असर पड़ सकता है।

पीएमसीएच में वर्चस्व की लड़ाई में हत्या की साजिश नाकाम

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) में एंबुलेंस संचालन और पार्किंग को लेकर वर्चस्व का विवाद चल रहा है। इस विवाद के बीच हत्या की एक बड़ी साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है। पटना पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट (SIU) ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी एंबुलेंस संचालक गोलू कुमार की हत्या की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुल्तानगंज निवासी मोहम्मद सोहेब अख्तर और पीरबहोर निवासी मोहम्मद शमशाद के रूप में हुई है। यह

कार्रवाई पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर SIU टीम ने की।

वर्चस्व की लड़ाई बनी हत्या की वजह: पुलिस जांच में सामने आया है कि PMCH परिसर में लंबे समय से एंबुलेंस संचालन को लेकर विभिन्न संचालकों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी।

> **एंबुलेंस संचालक से हुआ विवाद, दो आरोपी गिरफ्तार, 2 देसी कट्टा सहित 6 कारतूस बरामद**

इसी विवाद के कारण पहले भी कई बार कहासुनी और झड़प हो चुकी थी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गोलू कुमार उनके कारोबार में बाधा बन रहा था, इसलिए उसकी हत्या की योजना बनाई गई थी।

सोफा फैक्ट्री से बरामद हुए हथियार: पुलिस की पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर एक सोफा कारखाने में छापेमारी की गई। वहां से दो देसी कट्टे, एक पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल हत्या की वारदात को अंजाम देने में किया जाना था।

सुल्तानगंज पुलिस को सौंपे गए आरोपी: दोनों आरोपियों को सुल्तानगंज इलाके से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद SIU ने उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सुल्तानगंज थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क, हथियारों के स्रोत और इस साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

दानापुर में ट्रैक्टर ड्राइवर की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, पटना

पटना में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भाई पप्पू यादव ने कहा कि मेरा भाई बबन ट्रैक्टर ड्राइवर था। उसने घर पर ट्रैक्टर खड़ा किया। इसके बाद उसे किसी का फोन आया और वो पैदल घर से निकला। कुद देर बाद सूचना मिली कि उसे गोली मार दी गई है। उसे गंभीर हालत में दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद बबन का मोबाइल फोन और उसके रुपए भी गायब हैं। पप्पू राय के अनुसार, परिवार का 2021 से अपने चाचा पक्ष से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में चचेरे भाई पिंटू, धर्मवीर समेत अन्य लोगों ने बबन की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र सिकंदरपुर नीतीश आहार की है।

पुलिस पर देर से आने का

आरोप: मृतक अपने पीछे पत्नी सीमा देवी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद डायल-112 की पुलिस टीम घटनास्थल पर काफी देर से पहुंची। शाहपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस दोषियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करेगी।

छात्र निकालेंगे विजय जुलूस, छात्र आंदोलन की जीत पर पप्पू यादव मनाएंगे जश्न

एजेंसी, पटना

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर देशभर में प्रोटेस्ट चल रहे थे। बिहार में भी छात्रों का प्रदर्शन देखने को मिला। आज कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने देशभर में एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालने का आह्वान किया है। देश के सभी जिलों में कलेक्टर कार्यालय (कलेक्ट्रेट) के बाहर कार्यक्रम करने की अपील की है। यह मार्च छात्र आंदोलनों और पुलिस कार्रवाई के विरोध में और अपनी बाकी बची मांगों को पूरा करने के दबाव के लिए बुलाया गया है। बिहार में भी कई जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

पप्पू यादव महात्मा गांधी को चढ़ाएंगे पुष्प: दूसरी ओर प्रदेश में शनिवार को AISA की ओर से बिहार बंद किया गया था। इसका असर पूरे बिहार में देखने को

मिला और इस दौरान धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे को छात्र अपनी जीत के तौर पर देख रहे हैं। इसे लेकर आज विभिन्न जगह विजय जुलूस भी निकाला जाएगा। छात्र आंदोलन की हुई एतिहासिक जीत पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी आज 02:30 बजे महात्मा गांधी को गांधी मैदान में पुष्प अर्पित करेंगे।

वहीं, कल धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम से विजय जुलूस निकाला गया। कांग्रेस इसे अपनी जीत बता रही है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी शामिल हुए।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को हाईजैक कर की गई हिंसा एवं पत्रकारों पर हमले लोकतंत्र पर सीधा प्रहार : WJAI

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पटना। वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (WJAI) छात्रों के शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन की आड़ में असामाजिक तत्वों द्वारा की गई हिंसा, आगजनी, सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाने तथा अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे पत्रकारों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता है। संगठन का मानना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, किंतु किसी भी आंदोलन को हाईजैक कर हिंसा फैलाना और समाचार संकलन कर रहे पत्रकारों को निशाना बनाना लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा प्रेस की आज़ादी पर सीधा हमला है। पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी हैं और उन पर हमला किसी भी सभ्य

समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द कौशल ने कहा कि "शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन को हिंसा में बदलने वाले असामाजिक तत्व लोकतांत्रिक मूल्यों के शत्रु हैं। पत्रकारों पर हमले अत्यंत चिंताजनक हैं। सरकार ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।" राष्ट्रीय महासचिव डॉ. अमित रंजन ने कहा कि "समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। पत्रकारों पर हमला लोकतंत्र की आँखों पर हमला है। दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा घायल पत्रकारों को समुचित सुरक्षा एवं सहायता प्रदान की जाए।" राष्ट्रीय महासचिव मधूप मणि 'पिक्कू' ने कहा कि "हिंसा किसी भी जनआंदोलन की वैधता को कमजोर करती है। जो लोग छात्रों के आंदोलन की आड़ लेकर अराजकता फैला रहे हैं और मीडिया कर्मियों को निशाना बना रहे हैं, वे कानून के कठघरे में लाए जाएँ। लोकतंत्र संवाद से चलता है, हिंसा से नहीं।" वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया राज्य सरकार, प्रशासन एवं पुलिस से मांग करता है कि हिंसा एवं पत्रकारों पर हमले में शामिल सभी असामाजिक तत्वों की निष्पक्ष पहचान कर उनके विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसे घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पत्रकारों की सुरक्षा के प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएँ।

लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को 14 दिन की जेल, बड़े भाई के साथ खड़े हुए तेजस्वी

बोले-सम्राट चौधरी खुद गुंडे, उन पर हत्या के 7 केस

एजेंसी, पटना

बंद में शामिल हुए RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को अरेस्ट कर बेउर जेल भेज दिया है। शनिवार रात 12:15 बजे तेज प्रताप को पुलिस नौबतपुर थाने से लाकर छज्जू बाग स्थित मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेउर जेल भेज दिया गया। तेजप्रताप यादव को जेल भेजे जाने के नेता प्रतिपक्ष और उनके छोटे भाई उनके पक्ष में खड़े हो गए हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि आंदोलन खत्म होने के बाद बिहार में आंदोलन में शामिल लोगों को जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे बड़े भाई को भी जेल में डाला गया। वहीं पीके ने कहा कि उन्होंने हमें समर्थन दिया उसके बाद उन्हें जेल में डाल दिया गया।

तेजस्वी बोले- सीवान में छात्रों पर AK-47 से फायरिंग की गई: 24 दिन बाद विदेश से लौटे तेजस्वी ने कहा कि पिछले कई दिनों से छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर आंदोलन

कर रहे थे। दिल्ली में छात्रों की मांग मान ली गई और यह फैसला हुआ कि आंदोलन के दौरान जिन छात्रों पर मुकदमे दर्ज हुए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। लेकिन बिहार में सरकार छात्रों पर कार्रवाई कर रही है और उन्हें जेल भेजा जा रहा है। सीवान में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने AK-47 से फायरिंग की।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पटना समेत कई जिलों में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को हिरासत में लिया गया और हजारों छात्रों के नाम एफआईआर में शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

तेजप्रताप के वकील बोले- FIR की कॉपी तक नहीं दी: तेजप्रताप यादव के वकील जगन्नाथ सिंह ने कहा कि तेज प्रताप यादव को सिटी सेंटर मॉल से 25 जुलाई की शाम 7.30 बजे गिरफ्तार किया गया था। मॉल के सीसीटीवी फुटेज से इस बात का पता चलता है। तेजप्रताप यादव के वकील ने बताया कि उन्होंने जेजेडी सुप्रीमो को रिहा करने की गुहार कोर्ट में लगाई है।

वकील ने बताया कि मैंने जज के सामने दलील दी है, 'मैं रात साढ़े दस बजे नौबतपुर थाने पहुंचा था। मैंने एसपी और एएसपी दोनों से गिरफ्तारी की वजह पूछी थी। घरवालों को भी पता नहीं था कि उन्हें रात 7.30 बजे से अरेस्ट कर के रखा गया है। इसके बाद पुलिसवालों ने कहा कि गांधी मैदान से FIR आ रहा है। आते-आते एक घंटा लगा। इसके बाद उनलोगों ने कहा कि मजिस्ट्रेट के यहां चलते हैं। हमें FIR की कॉपी तक नहीं दी गई है। पटना हाईकोर्ट के वकील जगन्नाथ सिंह ने कहा कि तेजप्रताप की गिरफ्तारी के बाद हत्या की कोशिश की धारा लगाई गई है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष को जान से मारने की मिली धमकी

एजेंसी, पटना

बिहार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और बिस्फी के पूर्व विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में उन्होंने पटना के गांधी मैदान थाने में लिखित शिकायत देकर FIR दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने अज्ञात व्यक्ति पर फोन कर गाली-गलौज करने, धमकी देने और उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूषण ठाकुर बचौल ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि 25 जुलाई 2026 की शाम करीब 8:46 बजे उनके मोबाइल नंबर 9771629033 और 9431086734 पर मोबाइल नंबर 9631486536 से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने बातचीत के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार, कॉल करने

> **अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर की गाली-गलौज, गांधी मैदान थाने में केस दर्ज, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता**

वाला लगातार आपत्तिजनक बातें करता रहा, जिससे उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता हुई। आवेदन में बचौल ने बताया कि धमकी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित नंबर पर दोबारा संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की जानकारी लिखित रूप से गांधी मैदान थाना पुलिस को दी और आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

सावन में विराट रामायण मंदिर में करें रुद्राभिषेक, बुकिंग शुरू

एजेंसी, पटना

सावन माह की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है। इस बार सावन में चार सोमवार पड़ेंगे, जिसमें से पहली सोमवारी 3 अगस्त को होगी। इस बार पटना के महावीर मंदिर के साथ-साथ कैथवलिया विराट रामायण मंदिर के शिव मंडप में स्थापित शिवलिंग पर भी रूद्राभिषेक कराया जाएगा। इसके लिए 1100 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को पूजा की सामग्री खुद ही लेकर आनी होगी। रूद्राभिषेक के लिए पटना से पुजारी विराट रामायण मंदिर जाएंगे।

विराट रामायण मंदिर में फिलहाल आकर्षण का केंद्र विश्व का सबसे बड़ा 33 फीट का सहस्त्रलिंगम स्थापित हो चुका है। यहां लोग पूजा पाठ कर सके इसके लिए इस शिवलिंग से हटकर एक शिव मंडप का निर्माण किया गया है, जहां पूजा-पाठ, जलाभिषेक और रूद्राभिषेक करने के लिए शिवलिंग स्थापित

किया गया है। विराट रामायण मंदिर में प्रतिदिन चार से पांच हजार भक्त पहुंच जाते हैं। सावन में यह भीड़ और बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। उसी तरह से व्यवस्था भी की जाएगी। श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल का कहना है कि सावन के दौरान महावीर मंदिर और विराट रामायण मंदिर के शिव मंडप में रूद्राभिषेक कराने आने वाले भक्तों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखने का निर्देश दिया गया है। महावीर मंदिर में सुबह 5 बजे से पूजा शुरू हो जाएगी। मंदिर में बुकिंग कराने के बाद भक्त को किसी तरह की कोई पूजा सामग्री लाने की जरूरत नहीं होगी।

आईजीआईएमएस में बच्चों के आंखों के कैंसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, रेटिनोब्लास्टोमा की समय पर पहचान पर जोर

एजेंसी, पटना

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में बच्चों के आंखों के कैंसर रेटिनोब्लास्टोमा पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य रेटिनोब्लास्टोमा की समय पर पहचान, बेहतर इलाज और मरीजों को घर के पास गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराना है। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय चक्षु संस्थान (RIO), स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (SCI) और बच्चों के कैंसर के क्षेत्र में कार्यरत संस्था CANKID द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

संगोष्ठी में IGIMS, एम्स पटना सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के 100 से अधिक चिकित्सकों, विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। CANKID की पूरी टीम भी इसमें मौजूद रही। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सांसद धर्मशीला गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'बच्चों के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे परिवारों के लिए कार्य कर रही संस्थाओं का योगदान अत्यंत सराहनीय है।' उन्होंने ऐसे

बच्चों और इस दिशा में कार्यरत संस्थाओं को हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

रेटिनोब्लास्टोमा कैंसर की जल्द पहचान बड़ी चुनौती- पूनम बगाई: CANKID की चेयरपर्सन पूनम बगाई ने बिहार में बच्चों के कैंसर उपचार की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया, 'राज्य में उपचार सुविधाओं में सुधार हुआ है, लेकिन रेटिनोब्लास्टोमा जैसे कैंसर की जल्द पहचान अब भी एक बड़ी चुनौती है। समय पर पहचान से बच्चों का इलाज शुरू हो सकेगा और उन्हें अपने घर के आसपास बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।' बगाई ने यह भी बताया,

> ♦ 100 से अधिक विशेषज्ञ हुए शामिल, 'हैसल-फ्री' चिकित्सा का संकल्प

'CANKID केवल आर्थिक सहायता ही नहीं देता, बल्कि इलाज के दौरान बच्चों और उनके परिवारों को मानसिक और सामाजिक सहयोग भी प्रदान करता है। संस्था दवाओं, जांच, रहने की व्यवस्था और उपचार के दौरान आने वाली अन्य कठिनाइयों में भी परिवारों की लगातार मदद करती है। इस अवसर पर CANKID की ओर से डॉ. शोभा और डॉ. हरीश ने भी बच्चों के कैंसर से जुड़े अनुभव और संस्था की कार्यप्रणाली साझा की।

IGIMS के निदेशक प्रो. (डॉ.) बिंदे कुमार ने अपने संबोधन में संस्थान में बच्चों के कैंसर उपचार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान लगातार आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कर रहा है, ताकि मरीजों को राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े।

संक्षिप्त समाचार

बिना सीना खोले बदल सकता दिल का वाल्व

कानपुर। बिना सीना खोले (ओपन हार्ट सर्जरी) आसानी से दिल का वाल्व बदला जा सकता है। यह जानकारी फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के चेयरमैन-इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी डॉ. प्रवीर अग्रवाल ने दी। वह शनिवार को आईएमए की ओर से आयोजित सीएमई में डॉक्टरों और सर्जन को संबोधित कर रहे थें। उन्होंने टीएवीआर तकनीक के साथ मरीजों के चयन और उपचार के बाद देखभाल के बारे में बताया। कार्यशाला में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. शिव चौधरी ने बताया कि एओर्टिक डिसेक्शन गंभीर और जानलेवा मेडिकल इमरजेंसी है। अचानक तेज सीने या पीठ में दर्द होने पर तत्काल जांच और विशेषज्ञ उपचार जरूरी है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा, डॉ. कुश पाठक, डॉ. एसी अग्रवाल, डॉ. गुल शगुफ्ता, डॉ. आरपीएस भारद्वाज, डॉ. एके त्रिवेदी, डॉ. मनीष गुप्ता आदि शामिल रहे।

गैस सिलिंडर नहीं मिलने से लोगों में नाराजगी, लगा रहे चक्कर

गोरखपुर। खजनी क्षेत्र के पिपरसंडी गांव स्थित इंडियन बिंदु गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं ने गैस सिलिंडर की आपूर्ति और एजेंसी के संचालन को लेकर नाराजगी जताई। उपभोक्ताओं का आरोप है कि पिछले चार दिनों से उन्हें गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है ।उपभोक्ता आकाश ने बताया कि वह स्कूल की छुट्टी लेकर गैस सिलिंडर लेने एजेंसी पहुंचे लेकिन वहां भी सिलिंडर उपलब्ध नहीं था। उन्होंने कहा कि बार-बार आने के बावजूद खाली हाथ लौटना पड़ रहा है ।वहीं, विजय ने बताया कि वह पिछले एक सप्ताह से एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं। हर बार लंबी लाइन लगती है और बाद में कर्मचारियों की ओर से गैस खत्म होने की बात कहकर अगले दिन आने के लिए कहा जाता है। शिवम का आरोप है कि एजेंसी का निर्धारित खुलने का समय सुबह 9 बजे है लेकिन सुबह 10 बजे के बाद भी एजेंसी नहीं खुली थी। उन्होंने बताया कि एजेंसी के फोन नंबर पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन किसी ने फोन तक नहीं उठाया। उपभोक्ता हरि प्रकाश ने गैस में धांधली करने का आरोप लगाया है।

घरों में घुसा बदबूदार पानी, मंदिर का रास्ता हुआ बंद

आगरा। फतेहपुर सीकरी। विकासखंड के ग्राम नगला मंगोली के मजरा नगला धीरू में बरसात के बाद भीषण जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मंदिर वाली गली में दो से तीन फीट तक गंदा और बदबूदार पानी भर जाने से कई घरों में पानी घुस गया है। हालात ऐसे हैं कि कुछ परिवार घरों में ताला लगाकर पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। समाज सेवक सुनील कुमार पाराशर ने प्रशासन को भेजी शिकायत में बताया कि मंदिर वाली गली पिछले कई वर्षों से बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से जूझ रही है। इस बार स्थिति और भी गंभीर हो गई है। गली में गंदा पानी और कचरा जमा होने से मंदिर जाने का रास्ता भी बाधित हो गया है। जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। जलभराव ट्रांसफार्मर वाले बिजली के खंभे तक पहुंच गया है, जिससे करंट फैलने और किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। पिछले वर्ष विकासखंड अधिकारी फतेहपुर सीकरी और एडीओ पंचायत ने मौके का निरीक्षण भी किया था, लेकिन आज तक स्थायी समाधान के लिए नाला या नाली का निर्माण नहीं कराया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल पंप लगाकर जल निकासी कराने, स्थायी नाला-नाली निर्माण, कचरा साफ कराने, दवा का छिड़काव कराने और बिजली सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

बोगस फर्म से करोड़ों की टैक्स चोरी, कासगंज और बिहार के दो शातिर गिरफ्तार

बरेली। बोगस फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की कर चोरी करने के दो आरोपियों को बरेली पुलिस की एसआईटी ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया ।खंड पांच के सहायक आयुक्त गौरव सिंह ने 12 जनवरी को इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक, हिम ट्रेडर्स के प्रोप्राइटर हिमांशु द्वारा जाली दस्तावेज तैयार कर राजस्व को क्षति पहुंचाई गई थी। एसएसपी के निर्देश पर एसआईटी गठित कर आरोपियों की तलाश कराई जा रही थी। शनिवार को कैंट पुलिस ने रोड नंबर आठ के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया ।सीओ प्रथम आशुतोष शिवम ने उनसे पूछताछ की। दोनों ने अपने नाम बिहार के जिला अरवल निवासी हिमांशु कुमार और उप्र के कासगंज जिले के कस्बा सोरों निवासी कुंवर सनोज मौर्य बताया। सनोज तुलसीनगर में रहकर कर चोरी कर रहा था। दोनों ने बताया कि 2019 से हिम ट्रेडर्स नाम की फर्जी फर्म बनाकर फर्जी बिलों के माध्यम से जीएसटी पास आन कर कर चोरी कर रहे हैं। हिमांशु ने बताया कि हुमेर उर्फ मुबारक के कहने पर उसने फर्जी फर्म बनाई। इसके एवज में उसे तीन लाख रुपये मिले थे। वहीं सनोज मौर्य फर्जी बिल बनवाकर सात लाख रुपये कमा चुका है।

लापरवाह प्रशासन और खुले गड्ढे

जलभराव-जाम में फंसे वाहन, घरों-दुकानों में घुसा पानी

कानपुर। कानपुर शहर में शनिवार को बारिश के बाद शहरवासी जलभराव और जाम से जूझ गए। सड़कों पर पानी भरा होने से लोगों को गड्ढे और खुले मैनहोल नहीं दिखाई दिए। इससे कई उसमें घुस गए। आसपास के लोगों ने किसी तरह निकाला। कई इलाकों में सीवर लाइन चोक होने से गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा। वहीं, बारिश के बाद एकदम से लोड बढ़ने से जाम लग गया।

कई बाइकें इंजन में पानी जाने से बंद हो गईं। गोविंदनगर स्थित एचडीएफसी बैंक से लेकर फजलगंज चौराहे तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। फजलगंज के जाम में गोविंदनगर की ओर जा रही एक एंबुलेंस भी फंस गई। मानसून आने से पहले नगर निगम ने नालों की सफाई के दावे किए थे लेकिन बारिश में विभाग के दावों की एक बार फिर पोल खुल गई।

इन इलाकों में हुआ जलभराव : हर बारिश में जलभराव होता है। परमट मंदिर मार्ग, परेड, मॉल रोड, सर्वोदयनगर, लाजपतनगर, पांडुनगर, घंटाघर, लक्ष्मीपुरवा, पटकापुर, चकेरी, लाल बंगला, बर्रा, गुजैनी, गोविंदनगर, सेंट्रल स्टेशन के सिटी साइड, बिरहाना रोड, सिविल लाइंस, वीआईपी रोड, पनचक्की चौराहा आदि इलाकों में जलभराव हो गया। परमट में सेंट मैरी स्कूल के सामने घरों में पानी भर गया।

घरों के अंदर भरा पानी, लोगों का सामान बर्बाद : स्वरूपनगर स्थित दि चाट चौराहा के पास सड़क पर पानी भर गया। गली पिट जाम होने और नालों की सफाई न होने से गोविंदनगर के चावला चौराहे, नंदलाल चौराहे के पास दुकानों में बारिश का पानी भर गया। निरालानगर, किदवईनगर, बगाही समेत अन्य इलाकों में घरों के अंदर पानी भर गया। पीएसी मोड़ में बारिश का पानी दर्जनों दुकानों में घुस गया, जिससे लोगों का सामान बर्बाद हो गया।

कॉरिडोर के पास गड्ढे में घुस गई स्कूटी

वहीं, परमट में बाबा आनंदेश्वर के बाद लौट रहे एक युवक की स्कूटी कॉरिडोर के पास गड्ढे में घुस गई। गनीमत रही कि युवक को ज्यादा चोटें नहीं आईं। युवक ने आसपास के लोगों से मदद से गड्ढे से स्कूटी निकलवाई। इसी तरह गोविंदनगर में खुला नाला जलभराव से लबालब होने के चलते एक बाइक सवार उसमें घुस गया। किसी तरह लोगों ने उसे बाहर निकलवाया।

जूही खलवा पुल से आवागमन ठप : जूही खलवा पुल में तालाब जैसा नजारा दिखाई दिया। इससे पुल के दोनों छोर को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया। इससे शहर का दक्षिण के इलाकों से संपर्क खत्म हो गया। घाटमपुर, हमीरपुर जाने वाले लोगों को घूमकर गोविंदपुरी पुल की ओर से जाना पड़ा।

घुटनों तक भर गया पानी : वार्ड-62 के स्वर्ण जयंती विहार में सीवर और नालों के चोक होने से सड़कों पर घुटनों तक पानी भरा नजर आया। अन्ना चौराहा, 60 फीट रोड, तिरंगा चौराहा, मानस मोड़, भाभानगर, सावित्रीनगर की स्थिति सबसे खराब रही। गुस्साए लोगों ने कहा कि शहर का नगर निगम नहीं नरक निगम है। कुछ यही हाल नौबस्ता के सेंगर चौराहा, दामोदरनगर से ब्रह्मदेव मंदिर तक का रहा। यहां नाला उफनाने से पानी भर गया। गड़रिया मोहाल से मुन्ना कबाड़ी तक की स्थिति ऐसी ही रही।

नालों और गड्ढों में घुसीं बाइक, स्कूटियां : बारिश में खुले नाले और सड़क के गड्ढे दो पहिया वाहन सवारों के लिए आफत बन गए। परमट में बाबा आनंदेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रहे एक युवक की स्कूटी परमट कॉरिडोर के पास गड्ढे में घुस गई। गनीमत रही कि युवक को ज्यादा चोटें नहीं आईं। युवक ने आसपास के लोगों से मदद मांग कर गड्ढे से स्कूटी निकलवाई। इसी तरह गोविंदनगर में खुला नाला जलभराव से लबालब होने के चलते एक बाइक सवार उसमें घुस गया। किसी तरह लोगों ने उसे बाहर निकलवाया।

बाल संरक्षण योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

गोरखपुर। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति और किशोर न्याय समिति की समीक्षा बैठक शनिवार को विकास भवन सभागार में डीएम दीपक मीणा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं, संस्थाओं की कार्यप्रणाली और बच्चों के हित में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक की शुरुआत जिला प्रोबेशन अधिकारी ने की। उन्होंने बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बाल एवं बालिका गृह तथा सुधार गृह की प्रगति रिपोर्ट, कार्यप्रणाली और सामने आ रही चुनौतियों की जानकारी दी। अधिकारियों ने निराश्रित बच्चों के चिन्हांकन, उन्हें सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने और पुनर्वास की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की।

बैठक में निराश्रित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए 'सिंगल विंडो सिस्टम' विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही निर्देश दिए गए कि बाल संरक्षण से जुड़े कार्यों की समीक्षा ब्लॉक और ग्राम स्तर पर नियमित रूप से निर्धारित समय सीमा के भीतर की जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि बाल संरक्षण अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय है। बैठक में पुलिस, शिक्षा, चिकित्सा, कौशल विकास, खेल, महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों के अलावा जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन, वन स्टॉप सेंटर, डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन, बाल संरक्षण गृह और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बिना सेंटर पहुंचे ही 10 हजार से अधिक वाहनों को मिल गया सर्टिफिकेट, एटीएस का खेल बेनकाब

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बिजनौर स्थित ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) से 10056 वाहनों को फर्जी फिटनेस जारी की गई। वाहनों के आए बिना ही फिटनेस जारी कर देने पर परिवहन आयुक्त ने एटीएस का पंजीकरण निरस्त कर दिया। लेकिन, फर्जी फिटनेस पर दौड़ रहे दस हजार से अधिक वाहन सड़कों पर खुलेआम हादसों को न्योता दे रहे हैं।

मामला बिजनौर के मेसर्स एफएस ट्रेडर्स का है, जो निजी फिटनेस सेंटर एटीएस का संचालन करती थी। आरोप है कि इस वर्ष जनवरी से लेकर मार्च तक तीन महीनों में 10056 गाड़ियों की फिटनेस सेंटर आए बिना ही कर दी गई। मामला तब उजागर हुआ, जब लखनऊ की दो गाड़ियों की फिटनेस सेंटर गए बिना ही हो गई।

शिकायत मिलने पर बरेली परिक्षेत्र के उपपरिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई गई, जिसने 23 अप्रैल को एटीएस में कई गंभीर कमियां पाईं और उसे अपनी रिपोर्ट में दर्ज किया। इसके बाद संचालक महफूज अहमद से कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया। परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने एटीएस का प्रमाणपत्र निरस्त कर दिया।

तीन एटीएस हो चुके हैं बंद

प्रदेश में बिजनौर सहित तीन एटीएस बंद हो चुके हैं। इससे पूर्व झांसी के एटीएस पर कार्रवाई करते हुए 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। वहीं फिरोजाबाद में भी एटीएस बंद किया जा चुका है। जबकि राजस्थान में एटीएस भ्रष्टाचार के गढ़ बन गए थे जिसके चलते तमाम सेंटरों को बंद करना पड़ा। यूपी में लखनऊ समेत 27 जिलों में अब तक 34 एटीएस स्थापित हो गए हैं। लखनऊ में दो एटीएस बीकेटी में चल रहे हैं।

फर्जी ट्रेडिंग से चल रहा नकली दवाओं का अंतरराज्यीय कारोबार, एफएसडीए की जांच में हर दिन नए खुलासे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फर्जी ट्रेडिंग के जरिये नकली दवाओं का अंतरराज्यीय नेटवर्क कार्य कर रहा है। बिना दवा की आपूर्ति किए छोटे व्यापारियों के लाइसेंस नंबर पर फर्जी बिलिंग की जा रही है। इसमें दवाओं के बजाय सिर्फ बिल और रुपये का लेनदेन हो रहा है।

राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल में बनने वाली नकली दवाएं यूपी के बाजार में खप रही हैं। इतना ही नहीं यहां के बाजार के रास्ते दूसरे राज्यों में भी भेजी जा रही हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) लगातार छापेमारी कर रहा है। जांच के दौरान मिल रहे सुराग के आधार पर विभिन्न मेडिकल स्टोर संचालकों को दबोचा गया। पकड़े गए लोगों से पूछताछ में अब नया खुलासा हुआ है। जांच में यह बात सामने आई कि थोक फर्में आपस में क्रॉस बिलिंग करती है। फर्जी बिल बनाकर नकली दवाओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचा रही हैं। बैंक खाते में वास्तविक फंड ट्रांसफर नहीं किया जाता है।

बड़े कारोबारी उन लाइसेंसधारियों को निशाना बनाते हैं, जिनका कारोबार कमजोर है। बड़े कारोबारी नामचीन कंपनियों की बिलिंग कराते हैं। छोटे व्यापारियों को रुपये देते हैं। दवा खरीद बिल के आधार पर छोटे व्यापारी इन्हीं रुपये को वापस करते हैं। छोटे व्यापारी को सिर्फ 10 से 15 हजार रुपये प्रति माह थमा दिया जाता है। ये रुपये सिर्फ बिलिंग के होते हैं।

इस बिल के आधार पर नकली दवाएं दूसरे राज्यों को भेजी जा रही हैं। इसी आरोप में शनिवार को अमीनाबाद व अन्य स्थानों पर स्थित 13 फर्मों की जांच की गई तो इस तरह के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। अब इन फर्मों द्वारा की गई बिलिंग व लेजर्स की जांच होने तक दुकानें सील कर दी गई हैं। जांच में आए कारोबारियों के लाइसेंस रद्द करने की तैयारी है।

नकली दवा कारोबार से जुड़े लोगों ने एफएसडीए द्वारा तैयार कराए गए मार्ग सॉफ्टवेयर में भी सेंध लगा दी। फर्जी बिलिंग के चक्कर में इस सॉफ्टवेयर की कई प्रक्रियाओं पर लगे पाबंदी को खोल लिया। ऐसे में अब सभी दवा कारोबारियों द्वारा प्रयोग किए जा रहे सॉफ्टवेयर की भी पड़ताल कराई जाएगी।

अब बिना ऑप्टोमेट्रिस्ट नहीं खुलेंगे चश्माघर

विशेषज्ञों की राय लेकर शासन को जाएगी रिपोर्ट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में चश्माघर खोलने के लिए ऑप्टोमेट्रिस्ट की नियुक्ति अनिवार्य होगी। साथ ही, प्रत्येक चश्माघर का पंजीकरण भी कराया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। इसके लिए स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण की अध्यक्षता में गठित समिति विशेषज्ञों की राय लेकर शासन को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इसके बाद नियमावली तैयार की जाएगी।

अमर उजाला ने 19 जुलाई के अंक में 'पंजीयन न डिग्री, आंखों के डॉक्टर बने चश्माघर' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। इसमें बताया गया था कि प्रदेश में बिना ऑप्टोमेट्रिस्ट के चश्माघर संचालित हो रहे हैं। विभिन्न शहरों में आंखों की जांच का पर्याप्त ज्ञान न होने के बावजूद नंबर वाले चश्मे दिए जा रहे हैं। इससे अनेक लोगों की आंखों को नुकसान पहुंच रहा है। खबर प्रकाशित होने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इसका संज्ञान लिया।

समिति का गठन किया गया : अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष के निर्देश पर समिति गठित कर दी गई है। समिति का अध्यक्ष स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पवन कुमार अरुण को बनाया गया है। समिति में निदेशक (राष्ट्रीय कार्यक्रम) डॉ. शुभा मिश्रा, संयुक्त निदेशक (नेत्र उपचार) डॉ. पंकज सक्सेना, राजकीय ऑप्टोमेट्रिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सर्वेश कुमार पाटिल, महासचिव रविंद्र यादव, नेत्र अनुभाग के प्रधान सहायक नरेंद्र कुमार, संयुक्त निदेशक (कार्मिक), संयुक्त निदेशक (पैरामेडिकल), संयुक्त निदेशक (नर्सिंग) और वित्त एवं लेखाधिकारी शामिल हैं।

क्या करेगी कमेटी

समिति नेत्र परीक्षण से जुड़े विभिन्न मामलों पर रिपोर्ट तैयार करेगी। जिस प्रकार मेडिकल स्टोर खोलने के लिए फार्मासिस्ट की अनिवार्यता है, उसी प्रकार चश्माघर खोलने के लिए ऑप्टोमेट्रिस्ट की अनिवार्यता संबंधी नियमावली तैयार करेगी। इससे चश्माघरों का पंजीकरण किया जाएगा और प्रशिक्षित ऑप्टोमेट्रिस्ट का प्रमाणपत्र अनिवार्य किया जा सकेगा।

इसके लिए समिति की पहली बैठक हो चुकी है। इसमें निर्णय लिया गया कि विभिन्न विशेषज्ञों के सुझाव भी लिए जाएंगे। इन सुझावों और अन्य राज्यों में प्रचलित व्यवस्थाओं का अध्ययन कर नई नियमावली तैयार की जाएगी। इसी प्रकार सरकारी अस्पतालों में कार्यरत नेत्र परीक्षण अधिकारियों के ग्रेड पे में सुधार, मेडिकल बोर्ड में नेत्र परीक्षण अधिकारी को शामिल करने और अस्पतालों में कार्यरत ऑप्टोमेट्रिस्ट द्वारा प्राथमिक उपचार संबंधी दवाएं लिखे जाने पर उन्हें उपलब्ध कराने जैसे मामलों पर भी समिति अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

पैंट्रीकार से पानी की 1140 अनधिकृत बोतल जब्त

लखनऊ। मुंबई से गोरखपुर जा रही 20103 एलटीटी-गोरखपुर ट्रेन में शनिवार को पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की कैटरिंग टीम ने छापा मारा। इसके पैंट्रीकार से 1140 बोतल अनधिकृत पानी जब्त किया गया।

जनसंपर्क अधिकारी महेश कुमार गुप्ता ने बताया कि अनधिकृत ब्रांड आयोनिटा का 95 कार्टन पानी जब्त किया गया। सहायक वाणिज्य प्रबंधक ओमकारनाथ वर्मा की टीम ने डीआरएम गौरव अग्रवाल व सीनियर डीसीएम अरिजीत सिंह के निर्देश पर कार्रवाई की।

इस दौरान आईआरसीटीसी के अधिकृत सेवा प्रदाता मेसर्स एक्सप्रेस फूड सर्विस का नामित पैंट्रीकार मैनेजर गायब मिला। उसकी जगह सहायक मैनेजर पैंट्रीकार चला रहा था। यात्रियों से खानपान का फीडबैक भी लिया गया। कैटरिंग इंस्पेक्टर केके शर्मा और फरीद अहमद भी मौजूद रहे।

सीसीटीवी फुटेज देने वाले सिपाही से जिरह पूरी, 30 जुलाई को अगली सुनवाई

वाराणसी। फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) के न्यायाधीश कुलदीप सिंह की अदालत में शनिवार को आईआईटी बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सुनवाई हुई। अदालत में सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने वाले सिटी कमांड सेंटर के सिपाही अनिल कुमार प्रजापति से आरोपी कुणाल पांडेय और सक्षम पटेल की ओर से अधिवक्ता ने जिरह पूरी कर ली। वहीं, एक अन्य आरोपी आनंद चौहान की ओर से अभी जिरह होनी है। उनके अधिवक्ता ने जिरह के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 30 जुलाई की तिथि नियत की। पिछली सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने अन्य गवाहों को पेश करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था। शनिवार को अभियोजन की ओर से एडीजीसी मनोज गुप्ता तथा बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता मौजूद रहे।

अभियोजन के प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि विवेचना के दौरान बीएचयू प्रशासन द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त फुटेज के संबंध में भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65बी का प्रमाणपत्र प्राप्त कर केस डायरी में शामिल किया गया है। प्रमाणपत्र मूल रूप में पत्रावली पर उपलब्ध है, लेकिन उसे उपलब्ध कराने वाले साक्षी का नाम आरोपपत्र में दर्ज नहीं है।

इसके अलावा आरोपियों के कब्जे से मिले मोबाइल फोन से संबंधित आईपीडीआर, सीडीआर, सीएएफ और जीपीआरएस का प्रमाणित रिकॉर्ड भी विवेचना में प्राप्त किया गया है। अभियोजन ने संबंधित साक्षी को गवाही के लिए तलब करने का अनुरोध किया था, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। प्रकरण के अनुसार, दो नवंबर 2023 की रात बीएचयू परिसर में बाइक सवार तीन आरोपियों ने आईआईटी की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता की तहरीर पर लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

29 जुलाई को देशभर के रविदास मंदिरों में दीपोत्सव

वाराणसी। भाजपा की ओर से सर्किट हाउस में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर 29 जुलाई को होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न मोर्चों और व्यवस्था समितियों की जिम्मेदारियां तय करते हुए कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे गए।

उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशभर के सभी रविदास मंदिरों में सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। इसके साथ सामूहिक आरती, गुरुवाणी पाठ, भजन संध्या और समरसता संकल्प सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम की सफलता के लिए बेहतर योजना और उसके प्रभावी क्रियान्वयन का विशेष महत्व होता है।

उन्होंने 27 जुलाई को माटी पूजन, 28 जुलाई को कलश पूजन एवं शोभायात्रा तथा 29 जुलाई को समरसता संकल्प सभा और दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने पर जोर दिया। राज्यसभा सांसद शिवेश कुमार ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। उनकी 650वीं जयंती वर्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से सामाजिक समानता, समरसता और भाईचारे का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रमों को व्यापक और प्रभावी बनाने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास का आह्वान किया।

काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने बताया कि समरसता संकल्प सभा में 25 हजार लोगों की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित कर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि माटी पूजन, कलश यात्रा और जनसभा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की सफलता की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं पर है। सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय बनाकर सौंपे गए दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करें।

बैठक में 27 जुलाई के माटी पूजन से लेकर 28 जुलाई की कलश यात्रा तथा 29 जुलाई की समरसता संकल्प सभा और दीपोत्सव तक की तैयारियों, व्यवस्थाओं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल, विधायक टी. राम, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी, प्रदेश मंत्री अनिल यादव, क्षेत्र मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह प्रभारी संतोष सोलापुरकर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में एमबीए प्रश्न पत्र लीक होने का मामला गरमाया, विश्वविद्यालय के डीन से इस्तीफे की मांग

काठमांडू। नेपाल में भी एमबीए का प्रश्नपत्र लीक होने का मामला उजागर होने के साथ ही इसके खिलाफ छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया है। साथ ही प्रश्नपत्र लीक मामले में विश्वविद्यालय के डीन के इस्तीफे की मांग की जा रही है। देश के सबसे पुराने त्रिभुवन विश्वविद्यालय (टीयू) के स्वतन्त्र विद्यार्थी यूनियन ने एमबीए के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में दो दिनों के भीतर जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही यूनियन ने मांग की है कि प्रबंधन संकाय के डीन और परीक्षा देखने वाले सहायक डीन को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। स्वतंत्र विद्यार्थी यूनियन के अध्यक्ष दीपक जोशी ने कहा, "परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वविद्यालय की गरिमा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। दो दिनों के भीतर घटना की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र कैसे लीक हुआ और इसमें किसकी संलिप्तता थी, इस विषय पर जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जोशी ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती है, तो प्रबंधन संकाय के डीन और परीक्षा देखने वाले सहायक डीन को इस्तीफा देना होगा। पुलिस ने प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में आज ही दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है। इस विषय की जांच के लिए एक समिति का गठन भी किया जा चुका है।

नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल ने भारतीय सीमा पर तैनात की 'बॉर्डर इंटर एक्शन टीम'

काठमांडू। नेपाल-भारत सीमा को सहज बनाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में होने वाली अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण लगाने और सूचना एकत्र करने के उद्देश्य से सशस्त्र प्रहरी बल की 'बॉर्डर इंटर एक्शन टीम' (बीआईटी) को तैनात किया गया है। 26 जुलाई से प्रमुख सीमा नाकों- झापा के कांकड़भिट्टा, मोरंग के रानी, पर्सा के बीरगंज, रुपंदेही के डंडा, बांके के जमुनाह और कैलाली के त्रिनगर में सशस्त्र प्रहरी नायब निरीक्षक (एएसआई) की कमान में प्रति स्थान 14 जवानों की टीम तैनात की गई है। यह टीम संबंधित क्षेत्रों में स्थित सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल सीमा सुरक्षा गुल्म (कंपनी/बटालियन बेस) में तैनात रहकर मुख्य सीमा नाकों पर कार्य करेगी। सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल ने रविवार को रुपंदेही स्थित डंडा सीमा सुरक्षा गुल्म पहुंच कर इस टीम को आवश्यक निर्देश दिए और परिचालन का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने सीमा क्षेत्र में होने वाली दैनिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। यह टीम विशेष रूप से सीमा पार करने वाली महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सहायता, मानव तस्करी की रोकथाम व बचाव, प्रतिबंधित नशीले पदार्थों एवं वन्य जीवों सहित अवैध सामग्रियों की निगरानी, नियंत्रण तथा गहन जांच-पड़ताल का काम करेगी। डीएसपी शैलेंद्र थापा के अनुसार, अन्य नाकों पर भी संबंधित वाहिनी के प्रमुखों ने इस टीम के परिचालन की शुरुआत कर दी है। यह टीम हर शिफ्ट में एक महिला जवान के साथ सुबह 6 बजे से शाम 8 बजे तक सादे कपड़ों में तैनात रहेगी।

उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में अगले पांच-छह दिनों के दौरान व्यापक वर्षा होने के आसार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में अगले पांच-छह दिनों के दौरान तेज हवाओं के साथ व्यापक वर्षा होने के आसार हैं। वहीं तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अगले दो दिनों तक उमस भरा मौसम रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34-36 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 28 और 29 जुलाई को भी यही स्थिति रहेगी।

लेकिन अधिकतम तापमान में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि राजधानी में आज हल्की वर्षा के आसार जताए गए थे। लेकिन इस दिन यहां पिछले दिनों के मुकाबले आज तेज धूप खिली जिससे स्थानीय निवासियों को कुछ उमस भरी गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर एक दबाव बना हुआ है। इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, अगले 24 घंटों में और तेज होकर 'गहरे दबाव' में बदलने तथा सोमवार सुबह या दोपहर को उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों को पार करने की संभावना है। इसके असर से, सोमवार को ओडिशा और छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। 27 जुलाई को ही गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है।

उत्तर-पश्चिम भारत के हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 28 से 31 जुलाई के बीच, 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में व्यापक बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 27 जुलाई और 1 अगस्त को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। मध्य भारत के 27-28 जुलाई और 1 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश में, पूर्वी मध्य प्रदेश में 27-31 जुलाई के दौरान 27-28 जुलाई को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वी भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 27 जुलाई से 01 अगस्त तक भारी वर्षा होने के आसार हैं। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले पांच-छह दिनों के दौरान व्यापक रूप से तेज हवाओं के साथ वर्षा होने का अनुमान है। इसके नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29-30 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। पश्चिम भारत के कोंकण, गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ में अगले पांच-छह दिनों के दौरान बहुत भारी हो सकती है।

इंडस्ट्रियल यूनिट में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट, चार मजदूरों की हुई मौत

एजेंसी, कछार (असम)

असम के कछार जिले में रविवार को एक औद्योगिक इकाई में एलपीजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानग्राम स्थित खादी रोड इंडस्ट्रीज में हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर में हुआ विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास का इलाका दहल उठा। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने घायलों को मलबे और प्रभावित क्षेत्र से निकालकर तत्काल इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। चिकित्सकों की टीम गंभीर रूप से घायल मजदूरों का उपचार कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

घटना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस ने फैक्ट्री के मुख्य प्रवेश द्वार को सील कर दिया। कछार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। मृतक मजदूरों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कई अन्य घायल

पुलिस की प्रारंभिक जांच में एलपीजी सिलेंडर फटना हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों और सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही हुई या नहीं, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही मृतक और घायल मजदूरों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी जारी है।

इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि सुरक्षा मानकों में लापरवाही या किसी अन्य प्रकार की जिम्मेदारी तय होती है, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के युवाओं के संघर्ष और जद्दोजहद की बड़ी जीत : ओवैसी

एजेंसी, मुरादाबाद

केंद्र सरकार में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के युवाओं के संघर्ष और जद्दोजहद की बड़ी जीत है। यह हक की झूठ पर जीत है। यह उन तमाम नौजवानों की कामयाबी है जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया। यह बातें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी ने मुरादाबाद के जामा मस्जिद पार्क में शनिवार रात्रि में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

शनिवार को मुरादाबाद पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख सांसद बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी ने जामा मस्जिद पार्क में अयोजित जनसभा में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि मोदी सरकार यह समझती है कि वह कुछ भी कर सकती है, तो इस आंदोलन ने साफ संदेश दे दिया है कि देश में तानाशाही नहीं चलेगी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि लोकतंत्र को संविधान के दायरे में रहकर ही चलाना होगा। ओवैसी ने उम्मीद जताई कि भविष्य में राष्ट्रीय या राज्य स्तर की किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक जैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुरादाबाद के जामा मस्जिद पार्क में लोगों को किया संबोधित

घटनाएं नहीं होंगी और युवाओं का विश्वास कायम रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने पर उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुसलमानों के पास अब बड़ा राजनीतिक विकल्प है और आने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में एआईएमआईएम की आवाज उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी सुनाई देगी।

जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन का उल्लेख करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि धरना दे रहे युवाओं ने ऐसा जन दबाव बनाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इस मुद्दे पर रात को वीडियो बनाना पड़ा।

आवरण की नहीं, मानवीय मूल्यों को समझने की आवश्यकता : स्वांतरंजन

एजेंसी, लखनऊ

राजधानी के विश्व संवाद केन्द्र में रविवार को 'मातृभूमि स्तवन' पुस्तक का लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांतरंजन के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में स्वांतरंजन ने कहा कि जब राष्ट्र और सनातन का विचार एक साथ प्रकट होता है,तब वह अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। कहा कि यह पुस्तक हमें दिशा दिखाती है कि हमें कैसे आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों को पढ़ना चाहिए,पढ़ने के बाद उसे लिखना चाहिए, लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक है कि उसे लोगों को बताया जाए और लोगों तक पहुंचाया जाए। यह पुस्तक यह भी सिखाती है कि व्यक्ति को किसी आवरण की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों को समझने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हमें मोबाइल

मोड से एक्शन मोड में आने की आवश्यकता है।

उन्होंने पुस्तक के लेखक को समर्पित स्वयंसेवक बताते हुए कहा कि शाखा में सदैव यह आग्रह रहा है कि जो भी अनुभव मिले, उसे डायरी में नियमित रूप से लिखा जाए, क्योंकि संघ का उद्देश्य अच्छे व्यक्तियों का निर्माण और गुणात्मक सुधार करना है।

उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित कई संगठन आज विश्व के बड़े संगठनों में गिने जाते हैं, किन्तु स्वयंसेवक के जीवन में संघ का व्यावहारिक प्रकटीकरण होना आवश्यक है, वही हमारी असली पहचान है। संघ के संस्थापक डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ के प्रचारकों के लिए बहुत सुन्दर व्यवस्था बनाई है।

सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अपने चुनावी राजनीतिक जीवन को विराम देने के निर्णय की घोषणा कर दी। रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक विस्तृत पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति का वातावरण काफी प्रदूषित हो चुका है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अब चुनावों में उम्मीदवारों को मतदाताओं को धन देना पड़ता है। इसी कारण उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और

जनसेवा जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग उन्हें एक बार फिर चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अपना निर्णय नहीं बदलने का निश्चय किया है। वर्तमान में उनकी आयु 79 वर्ष है और सरकार का कार्यकाल पूरा होने तक उनकी आयु 81-82 वर्ष हो जाएगी। ऐसे में पहले जैसी ऊर्जा और स्वास्थ्य के साथ काम कर पाना संभव नहीं होगा। सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1978 में तालुका बोर्ड सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। वर्ष 2028 तक उनके सार्वजनिक जीवन के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इस दौरान उन्होंने जीत और हार दोनों देखी हैं, लेकिन कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के साथ विश्वासघात किया।

उन्होंने कहा कि पिछले पाँच दशकों से कर्नाटक की जनता ने उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह स्नेह और समर्थन दिया है। इस ऋण को चुकाने के लिए उनका शेष जीवन भी जनसेवा को समर्पित रहेगा। इससे पूर्व शनिवार को मंड्या जिले के के.आर. पेटे में डी.के. आर. पेटे कृष्ण के जन्मदिन समारोह में सिद्धारमैया ने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर खुलकर अपनी बात रखी थी और कहा था कि वे वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने उनसे कम-से-कम दस वर्ष और सक्रिय चुनावी राजनीति में बने रहने का आग्रह किया था।

हालांकि सिद्धारमैया ने स्पष्ट शब्दों में कहा, "मैं 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा।" इसके साथ ही उन्होंने अपने चुनावी राजनीतिक जीवन को विराम देने के निर्णय की घोषणा कर दी। सिद्धारमैया की यह घोषणा कर्नाटक की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम मानी जा रही है।

गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ का तांडव: 31 की मौत, कई जिलों में हाई अलर्ट और बचाव कार्य जारी

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के विभिन्न हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, बारिश और जलभराव से जुड़ी विभिन्न दुर्घटनाओं में अब तक 31 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। राज्य के कई जिलों में स्थिति अब भी बेहद गंभीर बनी हुई है। बिगड़ते हालात को देखते हुए गुजरात सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत, बचाव और पुनर्निर्माण कार्यों को युद्ध स्तर पर तेज कर दिया है।

प्रशासन द्वारा राज्यभर में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा और त्वरित मदद के

लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल की कुल 49 टीमों को तैनात किया गया है। राहत आयुक्त गौरांग मकवाना के अनुसार, बारिश से जुड़ी ये मौतें मुख्य रूप से तापी, वलसाड, आणंद, मेहसाणा और पंचमहल जिलों में दर्ज की गई हैं। राहत एजेंसियां जलभराव में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं और साथ ही बुनियादी नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। नर्मदा नहर से पानी के अत्यधिक आवक के कारण सुरेंद्रनगर जिले में स्थित धोलीधाजा डैम अपनी 100 प्रतिशत क्षमता तक पहुंच चुका है। खतरे की संभावना को देखते हुए अधिकारियों ने सुरेंद्रनगर, रतनपार, जोरावरनगर, वधवान, मेमका, भदियाद, नाना केरला, सांकली, शियाणी, नटवरगढ़, दौलतपार समेत कई निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया है। ग्रामीणों और स्थानीय निवासियों को नदियों के पास न जाने तथा अपने सामान और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की सख्त हिदायत दी गई है। भारी जलभराव के चलते यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। चांगोदर और बावला के बीच स्थित सनाथल-बगोदरा हाईवे पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। चालकों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में धोलेरा एक्सप्रेसवे और वेजलका-बगोदरा रूट का उपयोग करने की सलाह दी गई है। अहमदाबाद-विरमगाम हाईवे पर भी पानी के तेज बहाव के कारण मार्ग बाधित है।

पेपर लीक के खिलाफ नया बिल आ सकता है

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट

ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा।

अभिजीत दीपके ने पेपर लीक के खिलाफ युवाओं को जगाने का काम किया : रामदास आठवले

◆ आठवले ने उत्तर प्रदेश में भाजपा से मांगी 05 विधानसभा सीटें

एजेंसी, लखनऊ

रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को लखनऊ में कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने नीट परीक्षा विवाद और पेपर लीक के खिलाफ आन्दोलन कर देश के युवाओं का जगाने का काम किया है। हर शहर में उनके समर्थन में हजारों युवा आए। महाराष्ट्र के हर जिले में बड़ी संख्या में युवाओं ने उनका समर्थन किया।

केन्द्रीय मंत्री आठवले ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस, लखनऊ में प्रेस कांफ्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं पर हुए लाठीचार्ज का मैं समर्थन नहीं करता हूँ, लेकिन इस आन्दोलन को राजनैतिक रूप देने का प्रयास जरूर किया गया। इसका श्रेय अभिजीत दीपके व सोनम वांगचुक को देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार सत्ता में आयी है। युवाओं ने मोदी का नेतृत्व देखा था। इसलिए युवाओं ने मोदी को तीन बार प्रधानमंत्री बनाया। इस विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़ा मन दिखाया है। धर्मेन्द्र प्रधान का

इस्तीफा हुआ। 47 अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है। प्रधानमंत्री ने नया कठोर बनाने का निर्णय लिया है। युवा मोदी के साथ ही रहेगा राहुल गांधी के साथ जाने का कोई सवाल ही नहीं है।

26 नवम्बर को लखनऊ में रैली करेंगे आठवले: आठवले ने बताया कि 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर लखनऊ के डिफेंस एक्सपो के पास रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया की ओर से एक बड़ी रैली की जायेगी। इस रैली में प्रदेशभर से करीब 01 लाख कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम भाजपा से मांग करेंगे कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 05 सीटें दी जाएं। अगर भाजपा पांच सीट नहीं देती है तो हम 25 सीटों पर अपना प्रत्याशी उतारेंगे।

छत्तीसगढ़ के जिला राजनांदगांव में 'मिशन जल रक्षा' से 2.04 मीटर भूजल स्तर की वृद्धि

एजेंसी, नई दिल्ली

मानसून के आगमन के साथ ही देशभर में जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी 'कैच द रैन' अभियान को नई गति मिली है। जल सुरक्षा को सुदृढ़ करने और जल स्रोतों की स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न राज्यों के जिले वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण के कार्यों में जुटे हैं। इस दिशा में छत्तीसगढ़ का राजनांदगांव जिला अपनी अभिनव पहल 'मिशन जल रक्षा' के कारण देशभर में एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, 'मिशन जल रक्षा' के प्रभाव से राजनांदगांव जिले में भूजल स्तर में औसतन 2.04 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पूरे जिले में सिंचाई सुविधाएं बेहतर हुई हैं और पेयजल सुरक्षा भी मजबूत हुई है। मंत्रालय

का कहना है कि यह पहल वैज्ञानिक योजना, आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी के प्रभावी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जिला प्रशासन ने मानसून शुरू होने से पहले ही व्यापक तैयारी पूरी कर ली थी। भूजल पुनर्भरण के लिए सबसे उपयुक्त स्थानों की पहचान करने के लिए जीआईएस मैपिंग, रिमोट सेंसिंग, डिजिटल एलिवेशन मॉडल (डीईएम) तथा 'रिज-टू-वैली' प्लानिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इन वैज्ञानिक उपायों के आधार पर ऐसी रणनीति तैयार की गई, जिससे वर्षा की प्रत्येक बूंद का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। वैज्ञानिक योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रशासन ने कई नवाचार किए। लंबे समय से बंद पड़े और अनुपयोगी बोरवेलों को 'रिचार्ज शाफ्ट' में परिवर्तित किया गया। वहीं, कठोर चट्टानी क्षेत्रों में पानी को गहराई तक पहुंचाने के लिए मिनी परकोलेशन टैंकों को गहरे इंजेक्शन कुओं के साथ जोड़ा गया। इन उपायों से भूजल पुनर्भरण की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

मंत्रालय के अनुसार, 'मिशन जल रक्षा' की सबसे बड़ी ताकत इसकी व्यापक जनभागीदारी रही है। किसान, महिलाएं, युवा और ग्राम पंचायतें जल संरक्षण एवं जागरूकता अभियानों से सीधे जुड़े। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में भूजल पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया गया। जिले में लगभग 70 प्रतिशत ग्रीष्मकालीन धान की खेती को कम जल खपत वाली वैकल्पिक फसलों की ओर स्थानांतरित किया गया, जिससे कृषि क्षेत्र में जल की खपत कम हुई और जल संसाधनों का अधिक टिकाऊ उपयोग संभव हो सका।

राजनांदगांव जिले में अब तक 662 गांवों में 60 हजार से अधिक जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इसके अलावा 500 से अधिक बंद पड़े बोरवेलों को रिचार्ज शाफ्ट में बदला गया है। इसी प्रकार 1,700 से अधिक मिनी परकोलेशन टैंकों के साथ 600 से अधिक इंजेक्शन कुओं का निर्माण किया गया है। जिले के 2,500 से अधिक जल निकायों का जियो-टैगिंग भी किया गया है, जिससे उनकी निगरानी और संरक्षण अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सके। इन पहलों के माध्यम से 51 लाख से अधिक व्यक्ति-दिवस का रोजगार भी सृजित हुआ है। जल शक्ति मंत्रालय का कहना है कि वर्षा जल संचयन केवल मानसून तक सीमित मौसमी गतिविधि नहीं है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, भूजल संसाधनों के संरक्षण और देश को जल-सुरक्षित बनाने की दीर्घकालिक रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

‘मन की बात’ में प्रधानमंत्री ने पीवी सिंधु और महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक उपलब्धियों को सराहा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ कार्यक्रम में भारत की हालिया खेल उपलब्धियों की सराहना करते हुए बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु की जापान ओपन में ऐतिहासिक जीत और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की लॉर्ड्स में दर्ज ऐतिहासिक टेस्ट विजय को देश के लिए गर्व का क्षण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने ‘मन की बात’ कार्यक्रम के 136वें एपिसोड में कहा कि हमारे युवाओं ने हाल के दिनों में खेलों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पीवी सिंधु बैडमिंटन में जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। पूरा देश उनकी इस उपलब्धि पर गर्व करता है। सिंधु ने बीते दिनों बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन सुपर-750 के महिला एकल फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसके साथ ही वह जापान ओपन खिताब जीतने वाली पहली भारतीय शटलर भी बन गई। उन्होंने अपने करियर का पहला सुपर-750 खिताब जीता। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में टेस्ट मैच जीता है। यह एक ऐतिहासिक जीत है। हमारी टीम ने 270 रन के बड़े अंतर से यह मुकाबला जीता है लेकिन बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। लॉर्ड्स के लंबे इतिहास में यह महिलाओं का पहला टेस्ट मैच था। 1983 में इसी मैदान पर भारत ने अपना पहला क्रिकेट विश्वकप जीता था। अब हमारी नारी शक्ति ने भी यहां देश का नाम रोशन किया है। भारत ने इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स में खेले गए एकमात्र महिला टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 270 रनों से हराकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया था।

भारतीय सब-जूनियर पुरूष एवं महिला टीमों के प्रदर्शन को कोच सरदार सिंह और रानी रामपाल ने सराहा

एजेंसी, नई दिल्ली

कोच सरदार सिंह और रानी रामपाल ने पहली यूथ हॉकी 5एस एशियन चैंपियनशिप-2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए युवा खिलाड़ियों के जज्बे, अनुशासन और निडर खेल की प्रशंसा की। पुरुष टीम ने स्वर्ण पदक और महिला टीम ने रजत पदक जीतने के साथ ही पहली एफआईएच यूथ हॉकी 5एस विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। सरदार सिंह की कोचिंग वाली भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम का सफर टूर्नामेंट में शानदार रहा और उन्होंने खिताब जीतने के रास्ते में अपने सभी सात मैच जीते। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ (7-3) बड़ी जीत के साथ शुरुआत की और फिर मेजबान ओमान के खिलाफ (14-0) भी दबदबे वाली जीत हासिल की। इसके बाद पाकिस्तान को दो बार (7-4 और 7-3 से) हराया और फिर रोमांचक फाइनल में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी को 3-1 से हराकर पहली बार आयोजित हुई चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने नाम की। पुरुष टीम की जीत पर कोच सरदार सिंह ने एक बयान में कहा कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान हर खिलाड़ी ने जो जज्बा और प्रतिबद्धता दिखाई है, उस पर मुझे बहुत गर्व है। पाकिस्तान के खिलाफ तीन जीत समेत अपने सभी मैच जीतना, लड़कों की पिछले कुछ महीनों की कड़ी मेहनत को दिखाता है। यह स्वर्ण पदक और विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन उनकी मेहनत का सही नतीजा है और इससे इन युवाओं को भविष्य के लिए बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं हॉकी इंडिया का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने हमारे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के हर मौके देकर उनके विकास में लगातार निवेश और सहयोग किया है। कोच रानी की देखरेख में भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया। टीम ने कजाकिस्तान (8-3 और 10-0) और उज्बेकिस्तान (16-0 और 10-0) के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की।

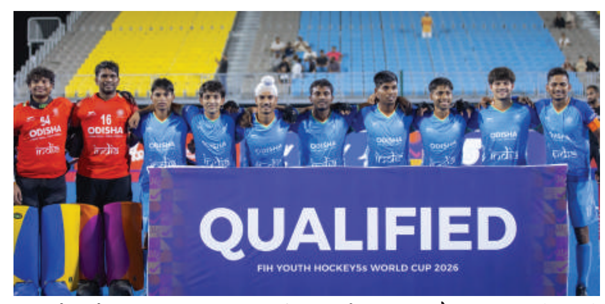

देहरादून टी-20 लीग के लिए खिलाड़ी ट्रायल संपन्न, 650 खिलाड़ियों ने कराया पंजीकरण

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन (सीएयू) द्वारा अनुमोदित देहरादून टी-20 लीग 2026 के आधिकारिक खिलाड़ी चयन ट्रायल का आयोजन देहरादून के नथुवावाला स्थित कीमतीलाल शर्मा क्रिकेट ग्राउंड में संपन्न हुआ। लीग के लिए कुल 650 खिलाड़ियों ने प्लेयर ड्राफ्ट के लिए अपना पंजीकरण कराया, जिनमें से 350 से अधिक खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देहरादून टी-20 लीग 2026 का आयोजन 2 से 9 सितंबर तक देहरादून के अभिमन्यु क्रिकेट अकादमी में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 18 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 15 लीग मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल होंगे।

शनिवार को लीग के लिए खिलाड़ियों का मूल्यांकन चयन समिति के सदस्य धीरनराज शर्मा एवं शिवम खिराना द्वारा किया गया। ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी आधिकारिक प्लेयर ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा, जहाँ लीग की छह फ्रेंचाइजी टीमें अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन करेंगी। सीएयू के मुख्य संरक्षक पी.सी. वर्मा ने कहा कि देहरादून टी-20 लीग युवा क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं उत्तराखंड में क्रिकेट की मजबूत नींव तैयार करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की पीटी उषा ने की सराहना, कहा- भारत जीतेगा कई पदक

एजेंसी, ग्लासगो । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत सुनिश्चित की। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय दल इस बार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छी संख्या में पदक जीतेगा। पीटी उषा ने कहा कि उद्घाटन समारोह का आयोजन बेहद प्रभावशाली रहा और खिलाड़ियों को जिस सम्मान के साथ मंच प्रदान किया गया, वह सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव रहा। उन्होंने ग्लासगो आयोजन समिति की तैयारियों और मेहमाननवाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। आईओए अध्यक्ष ने भारतीय दल की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, जो विभिन्न स्पर्धाओं में देश के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्हें विश्वास है कि भारत का प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा। पीटी उषा ने भारत के लिए प्रतियोगिता का पहला पदक जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार को भी बधाई दी।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में होटल व्यवस्था से संतुष्ट दिखे भारतीय खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे राष्ट्रमंडल खेलों में इस बार पारंपरिक एथलीट्स विलेज की जगह खिलाड़ियों को तीन अलग-अलग होटलों में ठहराया गया है। भारतीय खिलाड़ियों ने इस नई व्यवस्था को सकारात्मक बताते हुए कहा है कि इससे उन्हें बेहतर सुविधाएं, कम यात्रा समय और प्रतियोगिता की तैयारी के लिए अधिक समय मिल रहा है, जबकि टीम भावना और आपसी तालमेल भी पूरी तरह बरकरार है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने रविवार को एक बयान में कहा कि भारतीय दल ने इस नए मॉडल को तेजी से अपनाया है। भारतीय दल के खिलाड़ी मानते हैं कि तीन अलग-अलग होटलों में ठहरने के बावजूद आपसी मेलजोल और टीम भावना पर कोई असर नहीं पड़ा है। सभी होटल एक ही क्षेत्र में स्थित होने के कारण खिलाड़ी नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते रहते हैं, जिससे बहु-खेल प्रतियोगिताओं वाला माहौल बरकरार है। असम की लॉन बॉल्स खिलाड़ी पुतुल सोनोवाल ने कहा कि यह व्यवस्था उम्मीद से कहीं बेहतर साबित हुई है। उनके अनुसार, प्रतियोगिता स्थलों तक पहुंचने में बहुत कम समय लगता है, जिससे समय की बचत होती है और यह भविष्य के खेलों के लिए भी एक अच्छा मॉडल बन सकता है। डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने कहा कि होटल में ठहरना शुरुआत में अलग अनुभव था, लेकिन पूरी व्यवस्था बेहद सुव्यवस्थित है। प्रतियोगिता स्थल नजदीक हैं, भोजन की गुणवत्ता अच्छी है और इससे खिलाड़ी पूरी तरह अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं।

एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप: पाकिस्तान को 3-1 से हराकर भारत बना चैंपियन

महिला टीम ने जीता रजत

एजेंसी, मस्कट (ओमान)

भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीत लिया। फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने फाइनल में चीन से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारने के बावजूद रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ के पांचवें मिनट में रोमित पाल ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके एक मिनट बाद ही शाहरुख अली ने गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। पाकिस्तान की ओर से मुहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार खेल दिखाते हुए पाकिस्तान को कोई और मौका नहीं दिया और 3-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम एलीट पूल में शीर्ष पर रही और फिर फाइनल जीतकर एशियाई चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत और पाकिस्तान दोनों ने उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। महिला वर्ग में भारतीय सब-जूनियर टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि खिताबी मुकाबले में चीन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने रजत पदक जीतकर भारत की झोली में एक और उपलब्धि जोड़ दी।

हॉकी इंडिया ने नकद पुरस्कार की घोषणा की

दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन से उत्साहित हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये, जबकि सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, रजत पदक जीतने वाली महिला टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 1 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स: पुतुल सोनोवाल की अजेय लय टूटी, मलेशिया के इज्जत जुल्केपले से हारे

एजेंसी, ग्लासगो

भारत के पुतुल सोनोवाल को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष एकल लॉन बॉल्स स्पर्धा में पहली हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को सेक्शन-डी के महत्वपूर्ण मुकाबले में मलेशिया के इज्जत शमीर जुल्केपले ने उन्हें सीधे सेटों में 8-4, 9-8 से हराकर उनकी सेमीफाइनल की राह कठिन बना दी। इस हार के साथ ग्लासगो में सोनोवाल का अजेय अभियान समाप्त हो गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक सेक्शन से केवल शीर्ष खिलाड़ी ही सेमीफाइनल में पहुंचता है, ऐसे में उपविजेता के लिए अगले दौर में जगह नहीं है। तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने वाले जुल्केपले नौ अंक और +18 शॉट अंतर के साथ सेक्शन-डी में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं, सोनोवाल दो जीत और एक हार के साथ छह अंक तथा -8 शॉट अंतर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और पहला सेट 8-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी सोनोवाल शुरुआती दौर में पिछड़ गए। हालांकि, उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में जुल्केपले ने संयम बनाए रखते हुए 9-8 से सेट और मैच जीत लिया। अब सोनोवाल को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी सभी मुकाबले बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके साथ ही उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि जुल्केपले अपने आगामी मैचों में हारें।

श्रीलंका दौरे से पहले कोलंबो में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी भारतीय टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम कोलंबो में चार दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया 4 अगस्त को श्रीलंका पहुंचेगी और मुख्य सीरीज से पहले स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास सत्रों के साथ एक वॉर्म-अप मैच भी खेलेगी। यह मुकाबला 7 से 10 अगस्त तक कोलंबो स्थित नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब (एनसीसी) मैदान पर आयोजित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, अभ्यास मैच का उद्देश्य खिलाड़ियों को श्रीलंका की पिचों और मौसम के अनुरूप ढलने का पर्याप्त अवसर देना है। चार दिवसीय मुकाबले के दौरान टीम प्रबंधन खिलाड़ियों के संयोजन और तैयारियों का भी आकलन करेगा, ताकि टेस्ट सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश का चयन किया जा सके। विदेशी दौरों पर इस तरह के अभ्यास मैच खिलाड़ियों को मैच परिस्थितियों में खुद को परखने का मौका देते हैं और लंबे प्रारूप के लिए लय हासिल करने में मददगार साबित होते हैं।

अभ्यास मैच समाप्त होने के बाद भारतीय टीम गॉल रवाना होगी, जहां टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त तक गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर होगा। दोनों मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होंगे। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अंक तालिका में बेहतर स्थिति हासिल करने के उद्देश्य से भारत और श्रीलंका दोनों के लिए इस श्रृंखला में जीत दर्ज करना जरूरी होगा। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारतीय टीम नौ मैचों के बाद 48.15 प्रतिशत अंक के साथ पांचवें स्थान पर है, जबकि श्रीलंका 44.44 प्रतिशत अंक के साथ छठे स्थान पर मौजूद है। ऐसे में इस सीरीज का परिणाम दोनों टीमों की फाइनल की दौड़ पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

भारतीय टीम करीब आठ वर्ष बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। इससे पहले वर्ष 2017 में विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने श्रीलंका को उसकी सरजमीं पर 3-0 से हराकर ऐतिहासिक क्लीन स्वीप किया था।

सब-जूनियर महिला हॉकी अकादमी चैंपियनशिप का आगाज, पहले दिन आरके रॉय अकादमी का दबदबा

एजेंसी, ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रविवार से चौथी हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप-2026 (जोन-ए और बी) का आगाज हुआ। दिन में पूल-बी के दो मुकाबले खेले गए, जिनमें खालसा स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी (कोलकाता) और राजा करण हॉकी अकादमी के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि आर.के. रॉय हॉकी अकादमी ने मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन पर शानदार जीत दर्ज की।

पूल-बी के पहले मुकाबले में खालसा स्पोर्ट्स हॉकी अकादमी (कोलकाता) ने 47वें मिनट में सौमी माझी के फील्ड गोल की बदौलत बढ़त बनाई। हालांकि, राजा करण हॉकी अकादमी की ओर से रिया ने 51वें मिनट में बराबरी का गोल दागकर टीम को हार से बचा लिया। मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों ने अंक साझा किया। दिन के दूसरे मुकाबले में आर.के. रॉय हॉकी अकादमी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन को 4-0 से शिकस्त दी। आरके रॉय हॉकी टीम की ओर से सोनाक्षी कुमारी ने 8वें और 33वें मिनट में दो गोल किए, जबकि कप्तान शिवानी कुमारी ने 27वें मिनट और कृतिका कुमारी ने 42वें मिनट में एक-एक गोल दागा। टूर्नामेंट में अब 27 जुलाई को पूल-सी और पूल-डी के मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें विभिन्न अकादमियां अगले दौर में बढ़त बनाने के इरादे से मैदान में उतरेंगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

स्वचालित धान रोपाई यंत्र

धान रोपाई के परंपरागत तरीकों में बीज को नर्सरी में बोया जाता है फिर पौधे को धीरे से निकाल कर साफ करके गुच्छा बनाकर जुताई किए गए मिट्टी में बोया जाता है। हाथ से रोपाई करने का काम बहुत मुश्किल एवं थकाने वाला काम होता है। धान के रोपाई में कई घंटे तक झुककर काम करने से कई महिला एवं पुरूष के परिस्थिति कई पीढ़ी से किसानी काम का दर्दनाक हिस्सा है।

आज के समय में खेती मजदूरों के फैक्ट्रियों एवं दूसरे कामों में जाने के कारण रोपाई के समय में मजदूरों में काफी कमी आ गई है। नया तकनीक और किसानी काम में विकास के कारण हाथ रोपाई की जगह अब मशीन रोपाई ले रही है। और इसके लिये धान रोपाई मशीन एक अच्छा उपाय है। मशीन रोपाई के लिए पहला कदम चटाई नुमा नर्सरी तैयार करना होता है जो कि अच्छे परिणाम के लिये बहुत जरूरी है। मशीन रोपा में एक एकड़ खेत के बोवाई करने में आमतौर में 15 से 20 कि.ग्रा. अच्छा बीज काफी होता है। वहीं हाथ से रोपाई करने में 30 कि.ग्रा. बीज लग जाता है। अगर किसान भाई सिस्टम ऑफ राईस इन्टेन्सीफिकेशन 'श्री विधि' को अपनायेंगे तो बीज की खपत और कम हो जायेगी। बुवाई के पहले अंकुरित बीज का महत्व बहुत है। एक साफ बर्तन में साफ पानी लेकर बीज को डालकर धीरे–धीरे हिलायें। खाली और आधे भरे धान को बाहर निकालकर उसमें से अच्छे बीज को बोरी में भर लें। फिर बोरी को 24 घंटे तक पानी में डुबोकर रखें। उसके बाद बोरी को हल्का गर्म और छाया वाली जगह में रखें उसके ऊपर पैरा को 24 घंटे के लिये ढंक दें। अंकुरित होने का समय तापमान पर निर्भर होता है। जब बीज अंकुरित हो जाये और जड़ का शुरूआती चिन्ह दिखें तब बुवाई के लिये बीज तैयार है। जड़ को लंबा नहीं होने देने चाहिए नहीं तो वह बोरी से बाहर आकर एक–दूसरे से उलझ जायेगी।

मशीनी बोवाई में 1 एकड़ की बुवाई करने के लिए 1.2 मी. चौड़ा और 10 मी. लंबा दो बीज की क्यारी लगती है। नर्सरी के क्यारी को ठीक तरीके से समतल कर लें क्योंकि बीज बुवाई में सभी तरह बराबर मोटाई रहना चाहिए। पानी देने और निकालने के लिये नाली बना देना चाहिए आमतौर पर गोबर खाद या वर्मी कम्पोस्ट 1:3 के अनुपात में मिट्टी में मिलाया जाता है अगर चिकनी मिट्टी हो तो इसमें एक भाग रेत एक भाग गोबर खाद या वर्मी कम्पोस्ट तीन भाग मिट्टी में अच्छी तरह मिलाया जाता है इस मिश्रण में कंकड, पत्थर नहीं रहना चाहिए।

रोपाई के पहले खेत की तैयारी

रोपाई करने के लिये खेत अच्छी तरह से तैयार करना जरूरी है खेत में कंकड पत्थर नहीं हो धान रोपाई मशीन से काम करने के लिए लगभग 10 से 12 से.मी. की गहराई से जुताई होना चाहिए। चिकनी मिट्टी में पावर टिलर या रोटावेटर फिट किये हुए ट्रैक्टर से मताई करनी चाहिए, मताई के बाद खेत के पानी को निकाल लेना चाहिए और 24 से 36 घंटा बाद रोपाई के लिए खेत तैयार हो जाता है। ऐसा करने से खेत में मजबूती आती है जिससे यह मशीन का वजन सह सकता है। मशीन को खेत में उतारने के समय खेत से.मी. पानी होना चाहिए जिससे मशीन की उंगली में पौधे नहीं चिपकते, इसका मतलब यह है कि पानी उंगली को धोने के काम में आता है। जब खेत तैयार होता है तो रोपाई से बस 6 से 12 घंटे से पहले नर्सरी बेड से पानी निकाल लें, क्यारी में से पौधा उठाकर रोपाई से सिडलिंग डिब्बा में सावधानी से रख दें जिस दिन बेड से पानी निकाल लें, क्यारी में से पौधा उठाकर रोपाई से सिडलिंग डिब्बा में सावधानी से रख दें जिस दिन बेड से पौधा निकालें रोपाई उसी दिन करना जरूरी है। किसान भाई अब हम हाथ के रोपाई और मशीनी रोपाई के अंतर को देखते हैं।

अब हम धान रोपाई मशीन के विशेष गुणों में नजर डालते हैं। यह अपने आप चलने वाला बैठकर चलाने वाला मशीन है जो एक ही बार में 8 क्यारी में एके साथ रोपाई कर सकता है। हल्का वजन, 4 एच.पी. डीजल इंजन, खेती के काम करने के लिये लोहे के पहिए और सड़क के लिए टायर होता है। यह मैट और ट्रे नर्सरी दोनों में काम आता है। रोपाई मशीन आसानी से इस्तेमाल होता है, इसमें पौधे से पौधे को हम 10 से.मी. से 23 से.मी. तक बदल सकते है और क्यारी से क्यारी की दूरी 23.8 से.मी. होती है। अच्छा परिणाम के लिये यह ध्यान जरूरी है कि नर्सरी की क्यारी समतल हो। क्यारी में कंकड़ पत्थर नहीं होना चाहिए और ऊंचाई 2 से.मी. से ऊपर न हो। क्यारी को कभी सूखने नहीं देना चाहिए। नर्सरी में यूरिया न छिड़कें, मताई की गहारई ज्यादा न रहे बस 0 से 15 से.मी. हो और खेत समतल रहें।

इन सब बातों को ध्यान में रखकर धान रोपाई मशीन इस्तेमाल करने वालों के लिए एक बचत का सौदा है। मैट नर्सरी उगाना और धान रोपाई मशीन चलाना स्त्री और पुरूष के लिये दोनोंके लिए आसान है। ये हैरानी की बात नहीं है कि अनुसंधानिक वैज्ञानिकों और परीक्षण संस्थानों धान रोपाई मशीन एक मजदूर दोस्त और मेहनत कम करने वाला मशीन है इसके लिये कृषि विभाग द्वारा प्रोत्साहन दिया जा रहा है और इसकी खरीदी के लिये कृषि यंत्र व उपकरण योजनांतर्गत अनुदान उपलब्ध है।

मिट्टी, गोबर खाद एवं रेती को जाली से छान लेना चाहिए ताकि कंकड, पत्थर ना रहें। तैयार क्यारी के ऊपर रख दें, मिट्टी के मिश्रण को फ्रेम के सतह तक सभी तरफ समान रूप से फैला दें। फ्रेम इस्तेमाल करने का मकसद यह है कि बीज की बचत करना और पौधों को चादर को आसानी से निकाल लेना और बीज बेड की ऊंचाई 2 से.मी. समान रूप से बनाये रखना। अगर ऊंचाई होगी तो रोपाई ठीक तरीके से नहीं हो पायेगी। अंकुरित बीज के नस्ल अनुसार 120 से 150 ग्रा. हर खंड में समान रूप बुवाई कर देनी चाहिए। अंकुरित बीज का बहुत ख्याल रखना पड़ता है क्योंकि कोमल जड़ टूटना नहीं चाहिए। फ्रेम निकालने की ये प्रक्रिया तब तक करनी चाहिए जब तक की पूरी क्यारी की बुवाई न हो।बीज की क्यारी को पैरा या पतला आलू बोरी से ढंक दें ताकि यह बारिश के बूंद और चिड़िया से सुरक्षित हो जाये। मौसम के अनुसार 3 से 4 दिन तक दिन में 2 से 3 बार रोज केन से बीज बेड से पानी दें। बीज के बेड को कभी भी सूखने न दें चौथे दिन जांच कर लें कि इसका उगना काफी अच्छा है और क्या नर्सरी हरी भरी लग रही हैं, इसमें 2 से 2.5 से.मी. का पौधा दिखना चाहिए। अब धान के पैरा को हटाकर इसमें पानी भर दें, पानी का स्तर बीज के बेड से 2 से.मी. ऊपर या पौधे के आधी ऊंचाई तक ही रखें। नर्सरी में निगरानी रखें अगर बीमारी या कीटाणु का हमला हो तो तुरंत इसका रोकथाम करना चाहिए। बुवाई के 17 से 18 दिन में पौधा 12.5 से 15 सेमी. के ऊंचाई में होगा, आम तौर में जब इसका 3 से 4 पत्ता निकल जाये तो समझना चाहिए कि यह रोपाई करने के लिये तैयार है।

नींदा नियंत्रण से बढ़ेगा सोयाबीन का उत्पादन

(क) चौड़ी पत्ती वाले नींदा

इस प्रकार के नींदाओं की पत्तियां चौड़ी होती हैं तथा ये मुख्यत: दो बीज पत्र पौधे होते हैं। सोयाबीन में प्रमुख रूप से महफौआ (एजीरेटम कोनीजाइड्स), जंगली चौलाई (एमेरथस बिरिडिस), सफेद मुर्ग (सिलोसिया अरजेंसिया), जंगली जूट (कॉरकोरस एकुटैन्गुल), बन मकोय (फाइजेलिस मिनिया), हजारदाना (फाइलेंथस निरूरी) तथा कालादाना (आइपोमिया) आदि चौड़ी पत्ती वाले नींदाओं की समस्या अधिक होती है।

(ख) घास कुल के नींदा

इस कुल के नींदाओं की पत्तियां संकरी एवं लम्बी होती हैं तथा पत्तियों में समानान्तर शिराएं पाई जाती हैं। ये प्राय: एक बीजपत्रक पौधे होते हैं। सोयाबीन में संकरी पत्ती वाले नींदा जैसे सांवा (इकाईनोक्लोआ कोलोना) तथा कोंदो (इल्यूसिन इण्डिका) की समस्या अधिक होती है।

(ग) मौथा कुल के नींदा

इस कुल के नींदाओं की पत्तियां लम्बी तथा तना ठोस व तीन से छ: किलारी होता है। मौथा कुल के नींदाओं में मुख्यत: कत्थई मौथा (साइप्रस रोटन्टस) तथा पीला मौथा (साइप्रस इरिया) की समस्या सोयाबीन में अधिक पाई जाती है।

नींदाओं से हानियां

सोयाबीन मुख्यत: खरीफ मौसम (वर्षा ऋतु) में उगाई जाती है। वर्षा ऋतु में भूमि का अधिक तापक्रम (35–400 डिग्री से.ग्रे.), समुचित नमी और ऑक्सीजन के चलते नींदाओं के बीज का अंकुरण लगातार होता रहा है परिणामस्वरूप खरीफ मौसम में नींदाओं की समस्या ज्यादा जटिल होती है। प्रयोगों से यह सिद्ध हो गया है कि यदि सोयाबीन में नींदाओं का समुचित नींदा नियंत्रण समय पर नहीं किया गया तो विभिन्न प्रकार के नींदा सोयाबीन के फसलीय पौधों से जगह, प्रकाश एवं खाद व उर्वरकों द्वारा भूमि में दिए गए पोषक तत्वों के लिए स्पर्धा करते हैं। फलस्वरूप फसलीय पौधों की वृद्धि एवं विकास धीमा पड़ जाता है और अंत में उपज में 25 से 70 प्रतिशत तक की कमी हो जाती है। सोयाबीन की फसल में समुचित नींदा नियंत्रण के अभाव में नींदा 30–60 कि.ग्रा. नत्रजन, और 40–100 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर के हिसाब से भूमि से शोषित कर लेते हैं। इसके अलावा नींदा फसल को नुकसान पहुंचाने वाले अनेक प्रकार के कीड़े एवं बीमारी जनक रोगाणुओं को भी आश्रय देते हैं तथा फसल नष्ट होने का अंदेशा बना रहता है।

नींदा नियंत्रण कब करें?

सामान्यत: से कीड़े–मकोड़े, रोग व्याधि लगने पर ही उनके नियंत्रण की ओर ध्यान दिया जाता है लेकिन नींदा तो सोयाबीन की बोनी करने के बाद से ही साथ–साथ उगते हैं। किसान नींदाओं को तब तक बढ़ने देते हैं जब तक कि वे हाथ से पकड़कर उखाड़ने योग्य न हो जाएं और उस समय तक नींदा फसल को नुकसान कर चुके होते हैं। सोयाबीन के पौधे प्रारंभिक अवस्था में नींदाओं की अपेक्षा धीरे बढ़ते हैं और नींदाओं से स्पर्धा करने में सक्षम नहीं होते हैं। अत: सोयाबीन को शुरूआत में नींदा रहित रखना आवश्यक होता है। यहां पर ध्यान रखने वाली बात है कि फसल को हमेशा न तो नींदा रहित रखा जा सकता है न ही ऐसा करना आर्थिक दृष्टि से लाभकारी होता है। अत: क्रांतिक अवस्था के दौरान फसल में नींदा नियंत्रण करके फसल को नींदा रहित रखा जाए तो सोयाबीन की अच्छी उपज प्राप्त होती है तथा क्रांतिक अवस्था निकल जाने के बाद निंदाई करने से उपज में कोई वृद्धि नहीं होती। सोयाबीन में यह क्रांतिक अवस्था बोनी के 20–45 दिनों के बीच होती है।

नींदाओं से कैसे निपटें?

नींदाओं की रोकथाम में ध्यान देने योग्य बात यह है कि नींदा नियंत्रण सही समय पर करें उसके लिए आप कोई भी विधि अपनाएं। किसान भाई सोयाबीन की फसल में नींदाओं की रोकथाम निम्न तरीकों से कर सकते हैं

निवारक विधि

इस विधि में से सभी क्रियाएं शामिल होती हैं जिनके द्वारा सोयाबीन के खेतों में नींदाओं को फैलने से रोका जाता है। उदाहरण के रूप में प्रमाणित बीजों का प्रयोग, अच्छी तरह सड़ी कम्पोस्ट एवं गोबर खाद का प्रयोग बोनी करने वाले यंत्रों के प्रयोग से पूर्व अच्छी तरह से उनकी सफाई इत्यादि।

यांत्रिक विधि

यह नींदाओं पर काबू पाने की सरल, सस्ती एवं प्रभावी विधि है। सोयाबीन की फसल की बोनी के 20–45 दिनों के मध्य का समय नींदाओं से स्पर्धा की दृष्टि से नाजुक होता है। अत: पहली निंदाई, बुवाई के 20–25 दिन बाद तथा दूसरी निंदाई 40–45 दिन बाद करना ज्यादा प्रभावकारी होता है। जिन क्षेत्रों की भूमि हल्की से मध्यम किस्म की हो वहां बतर होने की स्थिति में सोयाबीन के कतारों के बीच हाथ चलित हो बोनी के 20–25 दिन चलाना चाहिए तथा 40–45 दिन बाद हाथ से निंदाई करना चाहिए।

रसायनिक विधि

वर्तमान समय में अनेकों नींदानाशी बाजार में उपलब्ध हैं जिनका उपयोग करके किसान भाई सोयाबीन की फसल में सभी प्रकार के नींदाओं का प्रभावकारी ढंग से नियंत्रण कर सकते हैं तथा सोयाबीन से अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। रसायनिक विधि अपनाने से सोयाबीन की फसल प्रारंभिक काल से ही नींदा रहित है, साथ ही नींदाा नियंत्रण करने में प्रति हेक्टेयर खर्च कम (रु. 1000–1200/हे.) और कम समय में अधिक क्षेत्र में नींदा नियंत्रण सम्भव हो जाता है।

खरपतवार से दूर रखें गन्ने को

गन्ने के कुछ ऐसे खरपतवार जो गन्ने में दिन–दूना रात चौगुना बढ़ते हैं। जितना भी कृषि कार्य नियंत्रण हेतु करें पर घटने का नाम नहीं लेते। बीज, कन्द, वानस्पतिक भागों व अन्य तरीकों से फैलते हैं। इन 'बज्जर' खरपतवारों में कुछ का वर्णन व नियंत्रण उपाय यहां दिया जा रहा है।

दूब (साईनोडान डेक्टीलान)

जमीन पर छितरवां फैलने वाला यह बहुवर्षीय खरपतवार मध्यप्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया में नियंत्रण हेतु सिरदर्द बना हुआ है। इसका बीज, जड़ों, पौधों के अन्य भागों द्वारा तेजी से विभिन्न जलवायु एवं वातावरण में फैलता हैं।

हाथ से नियंत्रण करना बहुत महंगा सौदा है। कृषि कार्य इसके वानस्पतिक भागों को टुकड़े के माध्यम से नियंत्रण के बजाय और अधिक फैलाने में मदद करता है। इसलिए हल आदि चलाने के उपरांत जितना हो सके खरपतवारों के भागों को बीनकर नष्ट करें।

डेलापान 1 किलो/हे. या टी.सी.ए. 2 किलो/हे. के 2 या 3 छिड़काव काफी प्रभावी रहे हैं। ग्लाफोसेट 4 से 5 किलो/हे. का केवल खरपतवार पर स्प्रे नोजल पर हुड बांधकर छिड़काव करने से नियंत्रण में काफी सफलता मिली है।

गाजरघास (पारथेनियम हिस्टोफोरस)

गाजर घास सालाना खरपतवार है जो इसके द्वारा उत्पादित असंख्य बीजों से फैलता है। साठ के दशक में गेहूं के साथ भारत में प्रवेश करने वाला यह खरपतवार यत्र-तत्र सर्वत्र फैल रहा है। नियंत्रण के लिये इसके पहले यह फूल पर आये इसको नष्ट करे। गाजरघास की छोटी अवस्था में 2,4 डी 1 किलो/हे+3% यूरिया का छिड़काव करें। मेट्रीबुजीन (सेनकार) 0.5 किलो सक्रिय तत्व/हे. भी बहुत प्रभावी पाया गया है।

स्ट्राइगा

यह भी एक सालाना परजीवी खरपतवार है जो गन्ने के साथ ज्वार, बाजरा आदि पर भी असर करता है। यह अपनी जड़े गन्ने की जड़ों में डालकर जीवन क्रिया पूर्ण करता है। यह गन्ने के खेतों में छोटे-बड़े टापों में दिखाई पड़ता है। अधिक प्रकोप होने पर गन्ने की फसल को बहुत नुकसान होता हैं। इसको नियंत्रित करने हेतु 2,4-डी (एमाईन साल्ट) 1 किलो/हे. के मान से प्रकोपित स्थानों पर फूल अवस्था के बहुत पहले छिड़काव करें। ट्रेप क्राप ज्वार, बाजरा आदि पर स्ट्राईगा को आने दें एवं नष्ट करें।

मोथा (साईप्रस रोटेन्डस)

यह भी एक बहुवर्षीय खरपतवार है जो जड़ों के कन्दों के माध्यम से फैलता है। इसका जालनुमा फैलाव बहुत ही शीघ्र फैलाव करता है एवं विविध जलवायु में यथावत रहता है। इसे निंदाई या मशीनों आदि से नियंत्रण करना कठिन है क्योंकि इसकी जड़ों में अनेक गठान व कन्द होते हैं। जिसमें श्रेष्ठ अंकुरण क्षमता होती है। इसके नियंत्रण हेतु आन्तरिक प्रवाह एवं हार्मोन गुण वाले खरपतवारनाशक जैसे 2,4 डी बहुत कामयाब सिद्ध हुए हैं। इसके 2 किलो/हे. के 3-4 छिड़काव प्रभावी है। ई.पी.टी.सी. का 3.5 किलो/हे. नींदानाशक को भूमि में छिड़क कर मिलाने से मोथा अंकुरण में कठिनाई होती है। गर्मी में गहरी जुताई व पलवार मोथा को रोकने में सहायक है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, सोमवार, 27 जुलाई, 2026

राम कपूर को पसंद करने की खबरों पर माधुरी ग्रोवर ने दी सफाई

रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' में अभिनेत्री माधुरी ग्रोवर और अभिनेता राम कपूर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद कुछ लोगों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया कि शायद माधुरी राम कपूर को पसंद करने लगी हैं। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ने इन सभी चर्चाओं पर खुलकर बात की है और कहा कि उनके और राम कपूर के बीच सिर्फ एक खास दोस्ती थी, जिसमें लंबी बातचीत, सीखने और एक-दूसरे को समझने का रिश्ता शामिल था। बातचीत में माधुरी ग्रोवर ने राम कपूर को लेकर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं सिर्फ गलतफहमी की वजह से शुरू हुईं। हम दोनों के बीच एक बहुत अच्छा और अलग तरह का जुड़ाव था। शो के दौरान मैं राम कपूर से इंडस्ट्री, जिंदगी और उनके अनुभवों को लेकर लगातार सवाल पूछा करती थीं। माधुरी ने कहा, ''राम कपूर और मेरा बहुत अच्छा और खास बॉन्ड था। हमारे बेड एक-दूसरे के सामने थे, इसलिए बातचीत का मौका ज्यादा मिलता था। मैं सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाली इंसान थी। मैं उनसे इंडस्ट्री, जिंदगी और कई चीजों को लेकर बहुत सारे सवाल करती थी और वह हर सवाल का धैर्य से जवाब देते थे।'' उन्होंने कहा, ''दर्शकों ने शो में हमारी बातचीत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा देखा, जबकि असल में हम दोनों के बीच कई घंटे तक लंबी बातें होती थीं। राम कपूर ने हमेशा मेरी बातों को ध्यान से सुना और हर सवाल का जवाब देने की कोशिश की।'' माधुरी ग्रोवर ने बताया कि राम कपूर के साथ उनकी बातचीत सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके अनुभवों से सीखने की कोशिश करती थीं। उन्होंने राम कपूर को इंडस्ट्री का अनुभवी कलाकार बताते हुए कहा कि उनके पास साझा करने के लिए बहुत कुछ है। बता दें कि माधुरी ग्रोवर 'लॉक अपः सच या सजा' के दूसरे सीजन से बाहर होने वाली हालिया कंटेस्टेंट हैं। शो के दौरान उनकी और राम कपूर की बातचीत दर्शकों को काफी पसंद आई थी। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस रियलिटी शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कंटेस्टेंट नजर आ रहे हैं।

सुनिधि के लिए नहीं रियलिटी शो

सुनिधि चौहान बॉलीवुड की सबसे चर्चित गायिकाओं में से एक हैं। गायिकी के अलावा वह कई सिंगिंग रियलिटी शोज को भी जज कर चुकी हैं। उनके फैंस जानना चाहते हैं कि उन्होंने शोज को जज करना क्यों छोड़ दिया है? इस पर गायिका ने बात की है।

सुनिधि चौहान ने शेखर टुनाइट शो में रियलिटी शोज को छोड़ने को लेकर कहा 'मैं बहुत लंबे समय तक इसका हिस्सा रही। लेकिन फिर मैंने इसे छोड़ दिया क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी जगह नहीं है।'

सुनिधि ने जताया एतराज

उन्होंने कहा यह बहुत दुखद बात है। पहले, ऑटो-ट्यून या मेलोडाइन का इस्तेमाल गानों में किसी खास इफेक्ट के लिए किया जाता था। लेकिन आप ऐसा रियलिटी शो में नहीं कर सकते, जहां आपको पूरी तरह से असली और बातचीत इस ओर भी बढ़ी कि लाइव परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर्स को कभी-कभी किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

शेखर ने केके और सोनू निगम जैसे आर्टिस्ट्स से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया और सुनिधि से पूछा कि क्या उन्हें कभी स्टेज पर अपमानजनक या असहज व्यवहार का सामना करना पड़ा है। इस पर सुनिधि ने कहा 'मैं बहुत किस्मत वाली हूं क्योंकि आज तक मेरे साथ ऐसा बर्ताव नहीं हुआ है।

नैना सरीन ने बताया 'राख' में पारसी किरदार निभाने के लिए कैसे की तैयारी

अभिनेत्री नैना सरीन इन दिनों अपनी सीरीज 'राख' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में उन्होंने एक पारसी महिला का किरदार निभाया है, जिसकी तैयारी को लेकर उन्होंने अपना अनुभव साझा किया है।

ऑडिशन और किरदार की तैयारी

नैना ने बताया कि जब उन्हें इस सीरीज 'राख' के लिए ऑडिशन का बुलावा आया, तो उनका सीन काफी छोटा था। इसके बावजूद उन्हें समझ आ गया था कि यह किरदार कहानी के लिए बहुत जरूरी है। रोल को पूरी सच्चाई से निभाने के लिए उन्होंने पारसी बोलने के तरीके से लकर पहनावे तक का ध्यान रखा।

बोलने और पहनावे का खास तरीका

नैना ने सीरीज 'राख' के लिए पारसी लोगों के बोलने के अंदाज को समझने के लिए कई वीडियो देखे। इसके अलावा उन्होंने पहनावे पर भी ध्यान दिया। चूंकि यह कहानी पुराने दौर पर आधारित है, इसलिए वह ऑडिशन देने भी उसी जमाने के कपड़ों में गईं।

शूटिंग के दौरान आई कई चुनौतियां

नैना के अनुसार, इस रोल के लिए खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। सीन्स को बेहतरीन बनाने के लिए कई बार रीटेक लेने पड़े, जिसमें काफी ऊर्जा लगती थी। हर बड़े सीन की शूटिंग से पहले वह डायरेक्टर और अपने को-एक्टर्स के साथ मिलकर सीन को अच्छे से समझती थीं। सेट पर एक इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर भी मौजूद थे, जिन्होंने शूटिंग के दौरान कलाकारों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा।

'राख' सीरीज के बारे में

इस सीरीज में नैना सरीन के अलावा अली फजल, सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर जैसे बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। यह पूरे 8 एपिसोड वाली एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है।

ऋतिक रोशन से प्रेरणा लेकर निभाया 'गुल्लक-5' में डॉ. पृथ्वी का किरदार

अभिनेता सिद्धार्थ मिश्रा टीवीएफ की लोकप्रिय वेब सीरीज 'गुल्लक -5' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस सीजन में उन्होंने डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। डॉ. पृथ्वी दत्ता की भूमिका को लेकर अभिनेता ने बताया कि निर्देशक अभय राउत ने उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार से प्रेरणा (सीख) लेने की सलाह दी थी। सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, 'निर्देशक अभय राउत ने मुझे इस किरदार को निभाने के लिए बहुत आसान निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में ऋतिक रोशन के किरदार के अंदाज और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेना, लेकिन उसकी नकल बिल्कुल नहीं करनी है।

अभिनेता ने कहा, 'डॉ. पृथ्वी दत्ता अपने काम को लेकर बेहद गंभीर और हमेशा नंबर 1 बनने की कोशिश करता है, लेकिन अपनी इसी महत्वांकाक्षा का असर उनकी निजी जिंदगी पर भी पड़ता है, जैसा कि 'गुल्लक 5' के आखिरी एपिसोड में देखने को मिलता है।' एक्टर ने बताया कि कई स्क्रिप्ट-रीडिंग सेशन ने उन्हें लिखे हुए सीन से आगे डॉ. पृथ्वी की पर्सनैलिटी को समझने में मदद की। उन्होंने कहा, 'कई बार स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद समझ में आया कि मेरा किरदार साफ-सफाई और सेहत को लेकर काफी सजग है। इस वजह से पहले सीन में अनु (अनंत जोशी द्वारा निभाया गया किरदार) से बात करते हुए मेरा डायलॉग आता है, 'यार, हाथ तो धो लिए हैं, लंच के बाद ही हाथ मिलाते हैं।'

अभिनेता ने बताया कि उन्होंने अपने किरदार की इसी खासियत को आजमाते हुए एक लाइन जोड़ी, जो स्क्रिप्ट में नहीं थी। उन्होंने बताया, 'मैंने जोड़ा था कि पृथ्वी, डॉ. प्रीति के केबिन का दरवाजा हाथ से नहीं बल्कि अपनी कोहनी से खोलता है, ताकि उसे कीटाणु न लगें। वह इसी अंदाज और सोच के साथ केबिन में आता है और पूरे सीन में यह बात नजर आती है। वहीं, पृथ्वी और डॉ. प्रीति एक-दूसरे से अलग होते हैं। पृथ्वी अपनी फिटनेस और सेहत को लेकर इतना सजग है, तो डॉ. प्रीति छोले-भटूरे और समोसे देखकर खुश हो जाती हैं।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था, आज उसी फैसले पर गर्व है

एक वक्त था, जब ज्यादातर लोग राघव जुयाल को डांसर, एंकर या टीवी चेहरे के तौर पर जानते थे। फिर साल 2024 में आई फिल्म 'किल'। इसमें निभाए उनके किरदार ने न सिर्फ ऑडियंस को चौंकाया, बल्कि इंडस्ट्री को भी उन्हें नए नजरिए से देखने पर मजबूर कर दिया। अब राघव पहली बार फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में लीड हीरो बनकर बड़े पर्दे पर आ रहे हैं। हालांकि, इस पूरे सफर में अगर कोई चीज उन्हें सबसे ज्यादा खुशी देती है, तो वह माता-पिता के चेहरे पर दिखने वाला गर्व है। बातचीत में राघव ने अपने 16 साल लंबे संघर्ष, 'किल' के बाद बदली पहचान, मलयालम अभिनेता फहाद फासिल के मैसेज, पहली लीड फिल्म और परिवार के साथ जुड़ी भावुक यादों पर खुलकर बात की।

'किल' के बाद पहली बार लगा कि लोगों की नजर बदल गई

राघव कहते हैं कि संघर्ष उन्होंने पहले भी किया था, लेकिन 'किल' के बाद पहली बार उन्हें महसूस हुआ कि लोग उन्हें अलग नजर से देखने लगे हैं। 'जब आप एक कदम आगे बढ़ते हो तो सबको प्रूव करना पड़ता है। मां-बाप को भी और इंडस्ट्री को भी। मुझे भी प्रूव करना पड़ा। 'किल' के बाद मेरे लिए लोगों का परसेप्शन रातों-रात बदल गया। ऐसा बदलाव मैंने अपने एक्सपीरियंस में पहले कभी नहीं देखा था। कपिल शर्मा भाई ने भी मुझसे कहा था कि 'जो परसेप्शन चेंज तू कर रहा है, वो बहुत अलग है।' टीवी इंडस्ट्री के जितने भी लोग थे, सबने फोन किया। सब कह रहे थे कि पता नहीं क्यों, लेकिन ऐसा लग रहा था कि हमने भी ये क्रैक कर दिया। वो इमोशन मेरे लिए बहुत बड़ा था।'

16 साल तक साइड में रहा, लेकिन खुद पर भरोसा नहीं छोड़ा

राघव मानते हैं कि उनके करियर की सबसे बड़ी ताकत टैलेंट से पहले आत्मविश्वास रहा। 'यही चीज मुझे मोटिवेट करती रही कि मैं हमेशा अपने ऊपर भरोसा करता रहा। इतने साल साइड में रहा, लेकिन मेरे अंदर से कभी ये चीज नहीं गई कि मुझे यही बनना है। मैं कभी मीडियोकर माइंडसेट में नहीं रहा। 16 साल बहुत लंबा वक्त होता है, लेकिन जब तुम अंदर से सोच लेते हो कि तुम यही हो, तो धीरे-धीरे बाहर भी वही होने लगता है।'

टीवी छोड़ना सबसे बड़ा दांव था

राघव बताते हैं कि जब उन्होंने टीवी छोड़कर फिल्मों पर दांव लगाया, तब यह फैसला आसान नहीं था। 'जब मैं देहरादून से मुंबई आया था, तब मम्मी-पापा को भी नहीं पता था कि यहां क्या होगा। उस समय उनका सपोर्ट वैसा नहीं था, क्योंकि उन्हें इस दुनिया की समझ नहीं थी। लेकिन बाद में जब मैंने टीवी छोड़ने का रिस्क लिया, तब मैं खुद हैरान था कि वो मेरे साथ खड़े रहे। पैसे भी खत्म होने लगे थे, फिर भी उन्होंने मेरा साथ नहीं छोड़ा।

आज वो सबसे ज्यादा खुश हैं। रोज लोगों को बताते हैं कि फिल्म आ रही है।' उनके चेहरे की खुशी देखकर लगता है कि 16 साल की मेहनत आखिर रंग ले आई।'

अब बारी लोगों को हंसाने की......

संघर्ष और सफलता की बातें करने के बाद राघव अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' पर आते हैं। उनके मुताबिक, फिल्म का नाम भी आम बोलचाल की उसी भाषा से निकला है, जो छोटे शहरों की पहचान है। 'फिल्म का टाइटल 'भाई तेरा स्टार है' है। हर शहर में हर कोई अपने लेवल का एक स्टार होता है। एक कहने की बात होती है- 'अरे भाई, तेरा स्टार है... मैं कर दूंगा।' छोटा सा भी काम हो तो लोग बोल देते हैं- 'अरे भाई, तेरा भाई स्टार है यार, मैं कर दूंगा... टेंशन मत ले।' बस वहीं से यह टाइटल आया।

फिल्म में मेरा किरदार अजय अपने आपको बहुत कमाल का एक्टर समझता है, लेकिन असल में वह बिल्कुल टैलेंटेड नहीं है। बहुत खराब एक्टिंग करता है और सोचता है कि आगे जाकर बहुत बड़ा सुपरस्टार बनेगा। पैसों के चक्कर में फंस जाता है और फिर हर जगह अपनी खराब एक्टिंग से बचने की कोशिश करता है। यही उसकी सबसे बड़ी कॉमेडी है।'